फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, रविवार 12 जुलाई 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश को प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सम्पर्क करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 16 अंक : 192 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

आईएनएस महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल

समंदर का सिकंदर

स्वदेशी मिसाइल-सेंसर से लैस,75 फीसदी से ज्यादा हिस्सा भारत में बना मॉडर्न हथियारों से लैस,राजनाथ बोले-आंध्र प्रदेश बनेगा देश का ड्रोन हब

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम नेवल डॉकयार्ड में आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल (कमीशन) किया। महेंद्रगिरि प्रोजेक्ट-17ए की नीलगिरि कैटेगरी का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट (युद्धपोत) है।

इसे बनाने में 75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। आईएनएस महेंद्रगिरि स्वदेशी अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस है। यह हवाई हमलों, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों से एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है। यह हिंद महासागर में भारत की समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल में आठ ड्रोन कंपनियों के समूह के साथ ड्रोन सिटी विकसित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह सूरत डायमंड सिटी और बेंगलुरु सिलिकॉन वैली के नाम से जाना जाता है, उसी तरह आने वाले समय में कुरनूल देश का ड्रोन हब बनेगा।

पर्वतों-नदियों के नाम पर युद्धपोतों के नाम रखे

आईएनएस महेंद्रगिरि का नाम जिस महेंद्रगिरि पर्वत पर रखा गया है, उसका धार्मिक महत्व भी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह पर्वत भगवान परशुराम की तपस्थली थी। रामायण में भी इसका उल्लेख मिलता है। भारतीय नौसेना अपनी कई युद्धपोतों के नाम देश के ऐतिहासिक पर्वतों, नदियों के नाम रखे हैं।

75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी तकनीक

इसे भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है और मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने तैयार किया है। युद्धपोत में 75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसके निर्माण में देशभर की कई कंपनियों ने भी योगदान दिया है, जिससे रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। महेंद्रगिरि में आधुनिक सरफेस-टू-सरफेस और सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर सिस्टम और इंटीग्रेटेड कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम लगाए गए हैं। महेंद्रगिरि में उन्नत स्टेल्थ तकनीक दी गई है, जिससे इसकी रडार पर पहचान करना मुश्किल होगा।

बारुईपुर हिंसा में मारे गए इंद्रजीत के परिजनों को मिलेंगे 25 लाख

- भाई को नौकरी भी देगी सरकार,सीएम शुभेंदु अधिकारी का बड़ा ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी शनिवार को दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर में दुष्कर्म व हत्या की शिकार नाबालिग के परिवार के साथ भीड़ की पिटाई में मारे गए इंद्रजीत मंडल के स्वजन से मुलाकात की। इंद्रजीत के परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा गया। उनके बड़े भाई को सूर्यपुर पुलिस चौकी में सिविक वालंटियर की नौकरी भी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पीड़ित बच्ची के परिवार के साथ भी पूरी तरह खड़ी है। इस दौरान शुभेंदु अधिकारी ने सूर्यपुर में नई पुलिस चौकी का उद्घाटन भी किया। उन्होंने बताया कि नाबालिग के स्वजन ने चार दिन पहले पुलिस चौकी की मांग की थी, जिसे रिकार्ड समय में पूरा किया गया। पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री इंद्रजीत मंडल के घर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि 35 वर्षीय युवक की पहचान देखकर उसकी हत्या की गई। मुख्यमंत्री ने आशंका जताई कि चुनाव में हार के बाद कुछ राजनीतिक तत्वों, अतिवाम संगठनों और कट्टरपंथी समूहों ने माहौल भड़काने में भूमिका निभाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की वीडियो फुटेज में पहचान हुई है, उन सभी को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इंद्रजीत के परिवार की जिम्मेदारी सरकार ने उठाई है। उनके घर की मरम्मत कराई गई है।

DEV MEDICARE CHEMIST

Your Trusted Medical Store
SECTOR 7, FARIDABAD

Allopaathic & Ayurvedic Medicine

BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters
DISCOUNT ON VARIOUS MEDICINES
Surgical Items, Baby Products, Health Supplements
Wide Range of Cosmetics

ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)
Hours: 8 AM to 10 PM

100% Genuine Medicines
Experienced Staff

SINCE 2007

TARUN JEWELLERS

TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate
₹1,36,600/-

Making Charges 8% | 100% BUY BACK + EXCHANGE

पिछले 19 वर्षो से हमारी दुकान एक ही स्थान पर हैं।
इसके अलावा हमारी कोई दूसरी ब्रांच नहीं हैं।

Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
0129-3668332, 9990032657

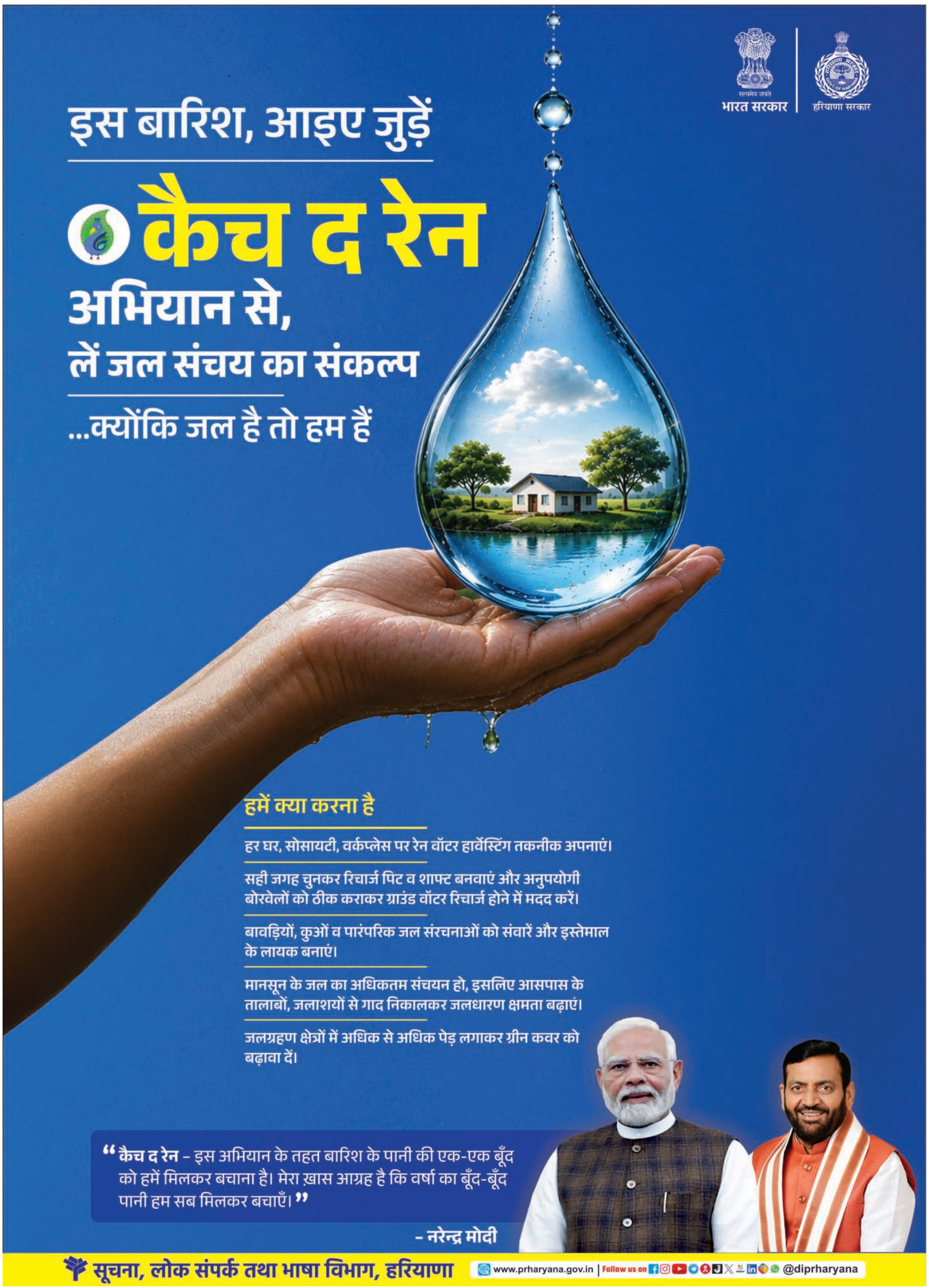

शताब्दी महाविद्यालय के कैंपस का हुआ ग्रीन ऑडिट

फरीदाबाद (बिजेंद्र फौजदार) डी.ए.वी. शताब्दी महाविद्यालय में पर्यावरण क्लब एवं महाविद्यालय की नैक टीम के संयुक्त प्रयासों से 'ग्रीन ऑडिट' आयोजित किया गया। यह ऑडिट 'वृक्षः एक संगठन फाउंडेशन' नामक गैर-सरकारी संस्था द्वारा किया गया, जो सामाजिक तथा पर्यावरणीय क्षेत्रों में विशेष रूप से कार्यरत है। ऑडिट टीम में सदस्य के रूप में नीरज धस्माना, निदेशक, सुलेखा, प्रबंधक, एवं संध्या, सम्मिलित रहे। निरीक्षण के दौरान टीम ने परिसर के बुनियादी ढांचे, वृक्षारोपण एवं उद्यानिकी का अवलोकन किया। उन्होंने वर्षा जल संचयन हेतु ह्यश्ड्डद्म श्चद्बह्ल (शोषगर्त), सौर ऊर्जा पैनल, ऊर्जा संरक्षण उपाय, हर्बल गार्डन एवं रोज गार्डन जैसी पर्यावरणीय पहलुओं का मूल्यांकन किया। टीम का स्वागत एवं समन्वय के लिए खुद महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार ने किया। प्राचार्य ने परिसर को अधिक हरा-भरा बनाने पर बल देते हुए टीम को परिसर में लगाए गए कुछ दुर्लभ प्रजाति के पौधों की जानकारी भी दी। ग्रीन ऑडिट - संयोजक डॉ. नीरज सिंह ने कहा कि यह ऑडिट महाविद्यालय को अपनी हरित गतिविधियों को दस्तावेज करने और भविष्य की सतत विकास योजनाओं को प्रभावी रूप से तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा। ऑडिट टीम ने महाविद्यालय के पर्यावरण-अनुकूल प्रयासों की सराहना की तथा आगे सुधार हेतु सुझावों के साथ विस्तृत ग्रीन ऑडिट रिपोर्ट तैयार की। इस मौके पर आईक्यूएसी कॉर्डिनेटर डॉ. जितेंद्र ढुल, डॉ. ललिता धींगरा, डॉ. आरती, डॉ. बिंदु रॉय, डॉ. सरिका, डॉ. निशा अग्निहोत्री, डॉ. राजकुमारी, डॉ. निशा सिंह, पीआरओ वीरेंद्र, रचना कसाना, रविंदर कौर, डॉ रश्मि एवं कुमुद शर्मा भी उपस्थित रहे।

877 बूथों तक पहुँचेगा भाजपा का डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को मिलेगा प्रशिक्षण

- जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी : पंकज पूजन रामपाल
- भाजपा फरीदाबाद की संगठनात्मक मासिक जिला बैठक संपन्न, संगठन की मजबूती, कार्यक्रमों एवं डिजिटल प्रशिक्षण पर हुआ मंथन
- हर पात्र नागरिक कराएं अपने मत का सत्यापन, मजबूत लोकतंत्र की यही आधारशिला

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद के जिला कार्यालय 'अटल कमल' में शुक्रवार को संगठनात्मक विषयों को लेकर जिला पदाधिकारी मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने की। बैठक में संगठन की मजबूती, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्ढ्ढक्र) अभियान, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, आगामी कार्यक्रमों तथा बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष ने उपस्थित मंडल अध्यक्षों से सभी बूथों पर होने वाले मतदाता सत्यापन पर समीक्षा की। भाजपा फरीदाबाद के जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक का मत अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदान के माध्यम से ही नागरिक अपने हितों की सरकार चुनता है और लोकतंत्र को सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्ढ्ढक्र) अभियान के अंतर्गत अपने-अपने बीएलओ

से संपर्क कर अपना तथा अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों का मतदाता सत्यापन अवश्य कराएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं शुद्ध मतदाता सूची केवल एक प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूत रीढ़ है। श्री रामपाल ने कार्यकर्ताओं को 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरियाणा दौरे की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा से विशेष आत्मीय जुड़ाव है। उनके नेतृत्व में प्रदेश को अनेक विकास परियोजनाओं की सौगात मिली है। हरियाणा की जनता ने लगातार केंद्र और प्रदेश में भाजपा को जनादेश देकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया है। आज भारत आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्ग के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं से करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाकर पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। बैठक में प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख शैलेंद्र पांडे ने भाजपा के डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म की जानकारी देते हुए कहा कि संगठन के सभी 877 बूथों तक डिजिटल प्रशिक्षण पहुंचाया जाएगा। बूथ अध्यक्षों से लेकर पन्ना प्रमुख तक सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा के इतिहास, विचारधारा, संगठनात्मक कार्यप्रणाली तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे प्रत्येक कार्यकर्ता वैचारिक रूप से और अधिक सक्षम एवं सशक्त बन सके। जिला प्रभारी नरेन्द्र वत्स और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा ओम प्रकाश रक्षवाल, डिजिटल प्रशिक्षण जिला प्रमुख मनोज वशिष्ठ ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक में प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख शैलेंद्र पांडे, जिला प्रभारी नरेंद्र वत्स, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश रक्षवाल, जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग, शोभित अरोड़ा, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म जिला संयोजक मनोज वशिष्ठ, जिला उपाध्यक्ष हरेंद्र भड़ाना, मुकेश शर्मा, गोल्डी अरोड़ा, जिला सचिव मनीष छोकर, अनुराधा डिगवाल, तरनजीत भाटिया, गिर्राज त्यागी, जिला कोषाध्यक्ष राजन मुथरेजा, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, आभाष अग्रवाल, शिवम् रतन, क्क्र-1 वेदप्रकाश, मनीष राघव, मंडल प्रभारी नीरज मित्तल, मंडल अध्यक्ष अमित आहूजा, शेखर तंवर, राजेश चौधरी, हरीश बैसला, गौरव चौधरी, मुकेश झा, नंदकिशोर कश्यप, कृष्ण पहलवान, तृप्ति माला, शिव कुमार गुप्ता, महेश कुमार, शुभांकित गुप्ता और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 के केवल तीन दिन शेष

एसआईआर-2026 अभियान अंतिम चरण में, मतदाताओं से समय पर फॉर्म जमा करने की अपील

फरीदाबाद। जिला फरीदाबाद सहित प्रदेश के सभी जिला में 14 जुलाई तक जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के अब केवल अंतिम तीन दिन शेष हैं। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने गणना प्रपत्रों के संग्रहण और डिजिटलाइजेशन पर जोर देते हुए बीएलओ को निर्देश दिए कि अंतिम तीन दिनों में कार्य में और अधिक तेजी लाकर विशेष गहन पुनरीक्षण को पूरा करें। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की सुविधा के लिए 12 जुलाई रविवार के दिन भी गणना प्रपत्र भरे और जमा किए जाएंगे। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने निर्देश दिए कि सभी बीएलओ सभी विधानसभा क्षेत्रों में निर्धारित कार्यक्रमानुसार घर-घर जाकर भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्रित करना सुनिश्चित करें। बीएलओ रविवार को विशेष रूप से घर-घर संपर्क बढ़ाते हुए अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंच सुनिश्चित करें और मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में जागरूक करते हुए एसआईआर अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक गणना प्रपत्र का समयबद्ध संग्रहण,

डिजिटाइजेशन तथा पोर्टल पर अपलोड सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं छूटना चाहिए।

एसआईआर-2026 अभियान अंतिम चरण में, मतदाताओं से समय पर फॉर्म जमा करने की अपील -उपायुक्त आयुष सिन्हा ने आमजन से अपील की कि एन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई, मंगलवार निर्धारित है, फिर भी अंतिम दिनों तक प्रतीक्षा करना उचित नहीं है। अंतिम समय में तकनीकी बाधाओं, दस्तावेजों की कमी अथवा अन्य व्यावहारिक कारणों से अनावश्यक असुविधा हो सकती है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल अपने बूथ स्तर के अभिकर्ताओं (बीएलए-1 और बीएलए-2) के माध्यम से मतदाता सूची का सूक्ष्म परीक्षण करें तथा यदि किसी पात्र मतदाता का नाम छूटा हो, किसी मृत, स्थानांतरित अथवा अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज हो अथवा किसी प्रकार की त्रुटि हो तो उसकी जानकारी समय रहते उपलब्ध कराएं, ताकि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उसका समाधान किया जा सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिला में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान निर्धारित समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रत्येक चरण की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय में सौंपे गए दायित्वों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा कार्य में अनियमितता या लापरवाही पाई गई तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बीएससी हॉस्पिटैलिटी एवं होटल एडमिनिस्ट्रेशन में सीटों पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश

होटल मैनेजमेंट संस्थान फरीदाबाद में नए शैक्षणिक सत्र में सीधे प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

फरीदाबाद। इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट फरीदाबाद के प्रिंसिपल डॉ संदीप लोहानी ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार के पर्यटन विभाग तथा भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अधीन संचालित हो रहे संस्थान में 3 वर्षीय डिग्री कोर्स के लिए सीधे प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। संस्थान द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से संबद्ध 3 वर्षीय डिग्री कोर्स के साथ-साथ फ़ूड प्रोडक्शन (शेफ़) एवं एफ एंड बी सर्विसेज़ में डेढ़ वर्षीय डिप्लोमा कोर्स संचालित किए जाते हैं। यह संस्थान अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था तथा शानदार प्लेसमेंट रिकॉर्ड के लिए विशेष रूप से पहचाना जाता है। इसके पूर्व छात्रों का एक सशक्त नेटवर्क है और इसके विद्यार्थी विश्वभर में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। संस्थान में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप कई छात्र सफल उद्यमी के रूप में भी स्थापित हुए हैं। प्रिंसिपल डॉ संदीप लोहानी ने बताया कि होटल प्रबंधन के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए होटल प्रबंधन संस्थान, फरीदाबाद में शैक्षणिक सत्र हेतु डिग्री एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए बीएससी हॉस्पिटैलिटी एवं होटल एडमिनिस्ट्रेशन में सीटों पर प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए आयु सीमा भी नहीं है। इन सभी पाठ्यक्रमों के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास निर्धारित की गई है।

रोजगार के अवसरः प्रिंसिपल संदीप लोहानी ने बताया कि आईएचएम फरीदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद विद्यार्थियों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें प्रमुख रूप से सरकारी नौकरियां, थल सेना, एयरलाइंस, 5 स्टार एवं 4 स्टार होटल, क्विक सर्विस रेस्टोरेंट, क्लब/पब/लाउंज, क्रूज लाइन्स, इवेंट प्लानिंग, ब्यूटी एवं ग्रूमिंग सेवाएं, फैसिलिटी मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट सेक्टर एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियां, अस्पताल, रिटेल सेक्टर आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में भी अपना करियर बना सकते हैं। आईएचएम द्वारा विद्यार्थियों के लिए छात्रावास सुविधा भी उपलब्ध है। साथ ही शिक्षा ऋण सहायता एवं सरकारी छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र-छात्राओं को भी लाभ मिल सके। प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान की हेल्पलाइन नंबर 8796165668, 9211597366, 0129-2985668 पर संपर्क कर सकते हैं या वेबसाइट www.ihmfaridabad.com पर विजिट कर सकते हैं। संस्थान का पताः बड़खल झील क्रॉसिंग, सेक्टर-48, फरीदाबाद है।

नाम पता नामालूम व्यक्ति की सड़क दुर्घटना पश्चात उपचार दौरान हुई मृत्यु

फरीदाबाद। भेदी नजर, सुनील कुमार जांगड़ा, थाना सैक्टर 58 प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार द्वारा बताया कि बी के हॉस्पिटल गार्द से नाम पता नामालूम व्यक्ति व उम्र करीब 40 साल जो रोड पर नाम पता नमालूम वाहन द्वारा आर एस ए में मजरूब होकर दौरान इलाज बी के हॉस्पिटल फरीदाबाद मे मृत्यु हो गई है जो नाम पता नामालूम व्यक्ति के वारसान का पता लगाने के लिए लाश को 72 घंटे के लिए बी के हॉस्पिटल मोर्चरी मे रखा हुआ है किसी भी थाना व चौकी क्षेत्र से नाम पता नामालूम व्यक्ति बारे सूचना मिलती है। हुलिया नाम पता नामालूम व्यक्ति- रंग गेहुंआ लम्बुतरा चेहरा हष्ट पुस्ट शरीर कद करीब 5 फुट 2 ईंच वा उम्र करीब 45 साल जिसने काले रंग की टी शर्ट जिस पर आई एम द प्रायरटी पेंट नेवी ब्लू निवार की बैल्ट पहने हुए है। जिसके दाहिने बाजु पर एस एस व बाजु पर बिच्छू गुदा हुआ है। जिस किसी को कोई सूचना प्राप्त हो तो प्रबन्धक थाना सैक्टर-58 व अनुसंधान अधिकारी को सूचित करे।इस मामले में तपतीश अधिकारी सहायक उप निरीक्षक राकेश कुमार कर रहे हैं।

थाना आदर्श नगर की कार्रवाई

पत्नी की हत्या मामले में पति गिरफ्तार, पुलिस रिमांड पर लेकर की जा रही है पूछताछ, पुलिस प्रवक्ता

फरीदाबाद। भेदी नजर, वंदना, 8 जुलाई को थाना आदर्श नगर क्षेत्र के अंतर्गत पत्नी की हत्या के मामले में थाना की टीम ने आरोपित पति संजय (35) वासी आदर्श नगर को 10 जुलाई को साहुपूरा रोड से गिरफ्तार किया है। जिसको माननीय न्यायालय में पेश कर 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है पुलिस प्रवक्ता अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपित की शादी करीब 15 साल पहले गांव जवां निवासी लक्ष्मी उर्फ़ चांदनी से हुई थी, उनके दो बच्चे हैं। शादी के बाद से ही दहेज को लेकर आरोपित व उसके परिवारजन पीड़िता को मानसिक व शारीरिक यातनाएं देते थे और अक्सर पीड़िता के साथ मारपीट करते थे। 8 जुलाई को आरोपित ने अपने परिवार के साथ मिलकर लक्ष्मी उर्फ़ चांदनी को फांसी पर लटकाकर हत्या कर दी थी बता दें कि 8 जुलाई को आदर्श नगर में लक्ष्मी उर्फ चाँदनी की हत्या के संबंध में गाँव जवां निवासी उसके पिता विरेन्द्र कुमार की शिकायत पर पति संजय, सास, ससुर, देवर, ननद, नंदोई व अन्य के विरुद्ध थाना आदर्श नगर में हत्या व अन्य संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। 9 जुलाई को सिविल हॉस्पिटल फरीदाबाद में बोर्ड के माध्यम से मृतका का पोस्टमार्टम कराया गया तथा डेड बॉडी अंतिम संस्कार के लिए परिजनों के हवाले की गई।

12 जुलाई (रविवार) को भी भरे और जमा होंगे एन्यूमरेशन फॉर्म : एसडीएम मयंक भारद्वाज

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर एसडीएम ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) एवं निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) मयंक भारद्वाज ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के अंतर्गत आज विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना तथा अभियान को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं प्रभावी ढंग से संपन्न करना रहा। एसडीएम मयंक भारद्वाज ने कहा कि एन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई, मंगलवार निर्धारित है, फिर भी अंतिम दिनों तक प्रतीक्षा करना उचित नहीं है। साथ ही 12 जुलाई रविवार के दिन भी गणना प्रपत्र भरे और जमा किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अंतिम समय में तकनीकी बाधाओं, दस्तावेजों की कमी अथवा अन्य व्यावहारिक कारणों से अनावश्यक असुविधा हो सकती है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल अपने बूथ स्तर के अभिकर्ताओं (बीएलए-1 और बीएलए-2) के माध्यम से मतदाता सूची का सूक्ष्म परीक्षण करें तथा यदि किसी पात्र मतदाता का नाम छूटा हो, किसी मृत, स्थानांतरित अथवा अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में दर्ज हो अथवा किसी प्रकार की त्रुटि हो तो उसकी जानकारी समय रहते उपलब्ध कराएं, ताकि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उसका समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। यदि किसी मतदाता का गणना प्रपत्र अभी तक जमा नहीं हुआ है तो वह शीघ्र इसे भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा करें, ताकि उनका नाम अद्यतन एवं शुद्ध मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय पर प्रपत्र जमा करने से किसी भी प्रकार की तकनीकी या दस्तावेज संबंधी त्रुटियों का समय रहते समाधान किया जा सकता है। बैठक के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी अभियान के सफल संचालन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सशक्त एवं पारदर्शी बनाने के लिए जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

14 जुलाई का न करें इंतजार, तकनीकी खामियों व दस्तावेज की गलतियां सुधारने के लिए मिल सकेगा समय : एडीसी अंजलि श्रोत्रिया

एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने विभिन्न बूथों पर एसआईआर डिजिटलीकरण कार्य का लिया जायजा

फरीदाबाद। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित स्पेशल इंटेंसिवरिवीजन (एसआईआर)-2026 अभियान के अंतर्गत जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण एवं डिजिटलीकरण कार्य निरंतर गति से संचालित किया जा रहा है। अभियान की प्रगति का जायजा लेने के उद्देश्य से अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) अंजलि श्रोत्रिया ने जिला के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और एसआईआर डिजिटलीकरण कार्य का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने बूथों पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं अन्य निर्वाचन कर्मियों से अभियान की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गणना प्रपत्रों के संग्रहण, डिजिटलीकरण एवं समयबद्ध अपलोड की प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए

निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए प्रत्येक कार्य पूरी पारदर्शिता, शुद्धता एवं निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के लिए प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एडीसी अंजलि श्रोत्रिया ने आमजन से अपील की कि एन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई है, इसलिए अंतिम समय तक प्रतीक्षा न करें, क्योंकि तकनीकी बाधाओं, दस्तावेजों की कमी अथवा अन्य व्यावहारिक कारणों से अनावश्यक असुविधा हो सकती है। उन्होंने राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया कि वे अपने बूथ स्तर के अभिकर्ताओं (बीएलए-1 एवं बीएलए-2) के माध्यम से मतदाता सूची का सूक्ष्म परीक्षण करें तथा पात्र मतदाताओं के नाम शामिल कराने और मृत, स्थानांतरित अथवा अपात्र मतदाताओं से संबंधित जानकारी समय पर उपलब्ध कराएं।

एडीसी ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर पात्र नागरिकों से संपर्क स्थापित करें, एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाने में सहयोग दें, दस्तावेजों का समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक गणना प्रपत्र का शीघ्र डिजिटलीकरण कर पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 : एसडीएम डॉ. हनी बंसल ने विभिन्न मतदान केंद्रों पर डिजिटलीकरण कार्य का किया निरीक्षण

समय रहते जमा करें एन्यूमरेशन फॉर्म, अंतिम तिथि का इंतजार न करें : एसडीएम डॉ. हनी बंसल

फरीदाबाद। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के अंतर्गत फरीदाबाद के उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) एवं निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) डॉ. हनी बंसल ने बुढ़ैना गांव, खेड़ी पुल, सेक्टर-87 स्थित प्रिंसेस पार्क सहित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण एवं डिजिटलीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से अभियान के तहत किए जा रहे घर-घर सत्यापन, एन्यूमरेशन फॉर्म के संग्रहण तथा डिजिटलीकरण की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। एसडीएम डॉ. हनी बंसल ने मौके पर यह भी जांच की कि बीएलओ द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक घर का भ्रमण किया गया है या नहीं। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि सभी पात्र मतदाताओं तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाने, आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन करने तथा प्रत्येक गणना प्रपत्र का समयबद्ध डिजिटलीकरण कर पोर्टल पर अपलोड करने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम डॉ. हनी बंसल ने क्षेत्र के नागरिकों से संवाद करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि एन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि का इंतजार न करें, बल्कि इसे यथाशीघ्र भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा कराएं। उन्होंने बताया कि अंतिम दिनों में तकनीकी बाधाओं, आवश्यक दस्तावेजों की कमी अथवा अन्य व्यावहारिक कारणों से अनावश्यक असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए समय रहते फॉर्म जमा करने से किसी भी प्रकार की परेशानी से बचा जा सकता है तथा प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची में शामिल किया जाना सुनिश्चित होगा।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी गोल्ड लोन रैकेट का भंडाफोड़

नकली सोने पर बांटे 3.81 करोड़; 3 साल बैंक की आंखों में झोंकी धूल

नई दिल्ली, एजेंसी। नकली सोने के आभूषणों को असली बताकर करोड़ों रुपये का गोल्ड लोन पास करने वाले रैकेट का दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने भंडाफोड़ किया है। इस मामले में कंपनी के ही गोल्ड अप्रेजर को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान रोहिणी के बुद्ध विहार के पंकज कुमार के रूप में हुई है।वह वर्ष 2014 से साई फिनकार्प प्राइवेट लिमिटेड में गोल्ड अप्रेजर के पद पर कार्यरत था।

जांच में पता चला है कि आरोपित ने अपने साथियों के साथ मिलकर 683 फर्जी गोल्ड लोन अकाउंट तैयार किए और उनके जरिए 3.81 करोड़ रुपये से अधिक की रकम निकाल ली।

हैरानी की बात यह है कि कंपनी को लंबे समय तक इस फर्जीवाड़े की भनक तक नहीं लगी। मामला तब सामने आया, जब इंटरनल ऑडिट के दौरान रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी मिली।

ऑडिट में गायब मिला असली सोना

ईओडब्ल्यू के उपायुक्त अमित वर्मा के मुताबिक, गोल्ड लोन देने वाली कंपनी ने नियमित इंटरनल ऑडिट कराया था। इसी दौरान सबसे पहले करीब 14.11 लाख रुपये कीमत के असली सोने के नौ पैकेट गायब मिले। इसके बाद जब लोन खातों की गहन जांच हुई तो पता चला कि वर्ष 2022 से 2025 के बीच 683 फर्जी गोल्ड लोन अकाउंट खोले गए थे। इन खातों में नकली सोने के आभूषण गिरवी दिखाकर 3.81 करोड़ का लोन जारी कर दिया गया। जांच में सामने आया कि पंकज कुमार कंपनी में गोल्ड अप्रेजर था। उसकी जिम्मेदारी गिरवी रखे गए सोने की जांच करना और उसकी शुद्धता का प्रमाण देना था।

आरोप है कि उसने इसी जिम्मेदारी का दुरुपयोग किया। वह नकली और कृत्रिम सोने के आभूषणों को असली बताकर उनकी वैल्यू तय करता था। इसके बाद फर्जी केवाईसी दस्तावेज और काल्पनिक ग्राहकों के नाम पर लोन फाइल तैयार कर दी जाती थी। इसी आधार पर करोड़ों रुपये के गोल्ड लोन जारी कर दिए गए।

ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित और उसके साथी सिर्फ फर्जी खाते बनाकर नहीं रुके। उन्होंने कंपनी की नजरों से बचने के लिए इन खातों में समय-

आप और आईवीपी से आए पार्षदों को मिला इनाम

दिल्ली भाजपा में बगावत के सुर, ; वफादार भाजपाई रह गए खाली हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी के वार्ड कमेटियों के चुनाव में भाजपा आप और इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी से आए पार्षदों पर खूब मेहरबान दिखी है। भाजपा ने आप और से आए पार्षदों को तीन वार्ड समितियों में चेयरमैन और तीन वार्ड समितियों में डिप्टी चेयरमैन पद का प्रत्याशी बना दिया है।

वहीं, इन्हीं दोनों पार्टियों के दो पार्षदों को स्थायी समिति के सदस्य के रूप में भी नामांकित कर दिया। इससे करीब 12 वार्ड कमेटियों के चुनाव में 27 में से आठ पार्षद वे हैं, जो आप के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतकर आए थे, लेकिन वे पहले और कुछ अभी भाजपा में शामिल हुए।

शामिल होने के बाद उन्हें चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन और स्थायी समिति का सदस्य तक का पद मिल गया। जबकि तीन बार और दो बार भाजपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतकर आए पार्षद मुंह ताकते रह गए। जिन आप से आए पार्षदों को तीन जोन में चेयरमैन पद पर चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी भाजपा ने दी है, उसमें दक्षिणी जोन में धर्मवीर सिंह, सिटी एसपी जोन से ऊषा शर्मा और रोहिणी जोन में सुमन अनिल राणा का नाम शामिल हैं।

वहीं, आप से आए तीन पार्षदों को भाजपा ने वार्ड कमेटियों के डिप्टी चेयरमैन का प्रत्याशी बना दिया है। इसमें पश्चिमी जोन में सुनील कुमार चड्ढा आप के चुनाव चिह्न पर ही चुनाव जीतकर आए थे। इसी प्रकार नरेला जोन में दिनेश भारद्वाज भी पहले आप में थे और फिर इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी में चले गए थे।

भाजपा में शामिल होते ही प्रत्याशी: वह शुक्रवार को सुबह भाजपा में शामिल हुए और दोपहर को भाजपा ने उन्हें नरेला जोन में डिप्टी चेयरमैन पद का प्रत्याशी बना दिया। मध्य जोन में भी आप से आए प्रवीण कुमार को भाजपा ने डिप्टी चेयरमैन पद का प्रत्याशी बना दिया है। इसी प्रकार स्थायी समिति जैसी महत्वपूर्ण समिति में सदस्य पद पर जाने वालों में मध्य जोन से हेमचंद्र गोयल का नाम है। वह

आप से में गए थे और भाजपा में शुक्रवार की सुबह ही शामिल हुए थे।

शामिल होने के दो घंटे बाद भाजपा ने उन्हें स्थायी समिति के सदस्य के रूप में नामांकित कर दिया। इसी प्रकार नरेला जोन में आप से आए पवन सहरावत को भी भाजपा ने स्थायी समिति में सदस्य बनाकर भेजा है। हालांकि, सहरावत को भाजपा ने इनाम दिया है, क्योंकि सहरावत के वोट के कारण ही वर्ष 2023 में हुए स्थायी समिति के सदस्य के चुनाव में भाजपा अपने तीन सदस्य जिताने में कामयाब हुई थी। भाजपा के पार्षद वैसे तो आप से आए पार्षदों को निगम में जिम्मेदारी मिलने से नाराज हैं, लेकिन खुलकर कोई बोलने को तैयार नहीं है। क्योंकि चुनाव से पहले भी भाजपा ने कई आप और कांग्रेस के नेताओं को टिकट दे दिया था और अब आप से आए पार्षदों को लगातार तवज्जो दी जा रही है। एक भाजपा के वरिष्ठ पार्षद ने नाम न उजागर होने पर कहा कि दूसरे दलों के लोगों को भाजपा में शामिल कराने में दिक्कत नहीं है, लेकिन दिक्कत यह है कि वर्षों से भाजपा में रहकर जो लोग संघर्ष कर रहे थे, उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। जबकि आप से आए पार्षद को कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलती है तो वहां पर भाजपा के पार्षदों की सुनवाई नहीं होती। जबकि आप के ही पार्षदों की सुनवाई और काम ज्यादा होते हैं। क्रॉस वोटिंग का भी है खतरा एमसीडी के वार्ड कमेटियों के चुनाव में आप व आए पार्षदों को अहमियत मिलने से भाजपा पार्षदों में नाराजगी है।

डीयू में 4 वर्षीय ग्रेजुएशन के चौथे साल में बदला क्रेडिट सिस्टम; नए फैसले से नाराज हुए प्रोफेसर

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (यूजीसीएफ-2022) के चौथे वर्ष में रिसर्च और एंटरप्रेन्योरशिप को अधिक महत्व देने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, अब सातवें और आठवें सेमेस्टर में डिसर्टेशन, अकादमिक प्रोजेक्ट और एंटरप्रेन्योरशिप ट्रैक के लिए पहले के छह की जगह 10-10 क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं।

दोनों सेमेस्टर के मिलाकर 20 क्रेडिट

इस तरह दोनों सेमेस्टर मिलाकर इन ट्रैक के कुल क्रेडिट 20 हो जाएंगे। वहीं इस निर्णय का इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (इंटेक) ने विरोध किया है। इंटेक के चेयरमैन पंकज गर्ग का कहना है कि शिक्षण कार्यभार में होने वाली 8 क्रेडिट की कमी के मुद्दे पर तत्काल ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने बताया कि इस अधिसूचना के तहत दो कोर पाठ्यक्रमों को समाप्त कर उनके स्थान पर रिसर्च और एंटरप्रेन्योरशिप के लिए क्रेडिट 12 से बढ़ाकर 20 निर्धारित किए गए हैं और रिसर्च के क्रेडिट कार्यभार में शामिल नहीं किए जाते हैं। इस परिवर्तन से शिक्षण कार्यभार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा अनावश्यक रूप से शिक्षकों के पदों में कमी आने की आशंका है। विश्वविद्यालय को तत्काल निर्णय लेते हुए डिसर्टेशन-प्रोजेक्ट के लिए निर्धारित 20 क्रेडिट को शिक्षण कार्यभार की गणना में शामिल करना चाहिए, ताकि शिक्षण कार्यभार सुरक्षित रहे और किसी भी शिक्षक के पद पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

नई व्यवस्था के तहत चौथे वर्ष में डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर (डीएससी) के कुछ पाठ्यक्रमों को डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (डीएसई) पूल में स्थानांतरित किया गया है।

छात्रों को प्रत्येक सेमेस्टर में तीन पाठ्यक्रम चुनने की सुविधा मिलेगी। वे तीन डीएसई, या दो डीएसई के साथ एक जनरल इलेक्टिव (जीई), अथवा एक डीएसई और दो जीई का विकल्प चुन सकेंगे।

बनी रहती है दुर्घटना की आशंका

दिल्ली में फुटपाथ पर बन रहे ईवी चार्जिंग स्टेशन, पैदल यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी के ट्रैफिक में चलना किसी दुरूह कार्य से कम नहीं। पैदल चलना उससे भी बड़ा जोखिम। हालांकि पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ बने हैं, जो उनका अधिकार भी है। पर अतिक्रमण के चलते ये कई जगह सिमट गए हैं तो कई जगह पर पैदल वालों के अधिकारों पर डाका भी डाल दिया गया है। घनी आबादी वाले इलाकों और कालोनियों में जहां फुटपाथ पर पैदल चलने की जगह भी मुश्किल से है, वहां ईवी चार्जिंग स्टेशन और बैट्री स्वैपिंग सेंटर बनाए जा रहे हैं। स्थिति यह कि सड़क पर वाहन खड़ा कर चार्जिंग करने से जाम की समस्या बढ़ रही है। दूसरी ओर पैदल चलने के लिए फुटपाथ भी नहीं मिल रहा है। वहीं सड़क पर पैदल चलने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। जामिया से मोदी मिल मार्ग पर सुखदेव विहार लाल बत्ती पर भी फुटपाथ पर ही चार्जिंग स्टेशन बनाया है। फुटपाथ पर ही लोग वाहनों को पार्क कर चार्ज करते हैं। इसके चलते पीक समय में जहां जाम लगते हैं, वहीं छात्रों और स्थानीय निवासियों को पैदल चलने में दुश्वारी होती है। वर्तमान में दिल्ली में 8998 चार्जिंग प्वाइंट हैं, जबकि आवश्यकता 36,177 तक की है। सरकार दिसंबर तक चार्जिंग प्वाइंट की संख्या 16,070 तक बढ़ाने में लगी है। सार्वजनिक उपक्रम और निजी बिजली कंपनियों को ईवी चार्जिंग स्टेशन

लगाने अनुमति दी गई है। वहीं, एमसीडी ने अलग-अलग हिस्सों में जमीन उपलब्ध कराने के साथ सार्वजनिक पार्किंग में भी चार्जिंग स्टेशन बनाने की छूट दी है। मेट्रो स्टेशनों के आस-पास चार्जिंग स्टेशन बनाने में दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड सहयोग कर रहा है।

ट्रांसको के मुताबिक जहां भी स्टेशन बनाए जाते हैं, वहां वाहनों को खड़ा करने की जगह का ध्यान रखा जाता है। उपलब्ध स्थान पर ही चार्जिंग स्टेशन बनाया जाता है।

48.42 से अधिक चालान किए गए जारी

दिल्ली के 8 प्रमुख कॉरिडोर हुए सिग्नल-फ्री, ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बढ़ते ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इंजीनियरिंग, तकनीक और जनभागीदारी पर आधारित कई नई पहल शुरू की हैं। 25 प्रमुख कारिडोर के अध्ययन के बाद आठ कारिडोर को सिग्नल-फ्री बनाया गया है।

इनमें छह उत्तरी रेंज और दो पूर्वी रेंज के हैं। ट्रैफिक पुलिस का दावा है कि इन मार्गों पर वाहनों की आवाजाही पहले की तुलना में अधिक सुगम हुई है और यात्रा का समय भी कम हुआ है। वहीं, ट्रैफिक पुलिस ने 1,200 से अधिक डीटीसी चालकों और 300 होमगार्ड्स को सड़कों पर तैनात किया है। यातायात पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त मनीष कुमार अग्रवाल के मुताबिक, सिग्नल-फ्री कारिडोर तैयार करने के लिए गैर-जरूरी ट्रैफिक सिग्नल हटाए गए, यू-टर्न की नई व्यवस्था की गई, अनधिकृत मीडियन कट बंद किए गए और कई चौराहों का पुनर्विकास किया गया। इसका सकारात्मक असर एनएसपी से रिठाला मेट्रो स्टेशन और विकास मार्ग (लक्ष्मी नगर-करकरी मोड़) जैसे मार्गों पर देखने को मिला है। अधिकारी के मुताबिक, अन्य कारिडोर को भी चरणबद्ध तरीके से सिग्नल-फ्री बनाने का काम जारी है। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर भी कार्रवाई तेज की गई है। एक जनवरी से अब तक विभिन्न उल्लंघनों के लिए 48,42,953 चालान जारी किए गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 47,52,173 चालान हुए थे। रेड लाइट उल्लंघन और ओवरस्पीडिंग का पता लगाने वाली तकनीक के माध्यम से 17,21,221 ई-चालान जारी किए गए। वहीं खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के मामलों में 2,187 एफआइआर दर्ज की गई हैं। जाम वाले स्थानों पर सुधार के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, एनएचएआइ, डीएमआरसी और

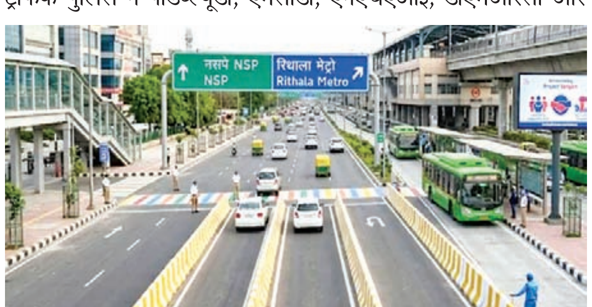

डीटीसी के साथ मिलकर कई इंजीनियरिंग उपाय लागू किए हैं। कश्मीरी गेट आइएसबीटी पर अतिरिक्त बस बे और पैदल यात्रियों की सुविधाएं विकसित की गईं, मजनू का टीला पर फुटओवर ब्रिज बदला गया, आनंद विहार आइएसबीटी पर पिक-अप और ड्राप-आफ जोन बनाए गए और अधचीनी गांव, आश्रम चौक और अन्य स्थानों पर बस स्टैंडों का पुनर्स्थापन किया गया। इन उपायों से कई प्रमुख जंक्शनों पर जाम में कमी आई है।

10वीं-12वीं में दूसरे चरण के दाखिले का दूसरा मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा निदेशालय ने सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 10वीं और 12वीं में गैर-योजनाबद्ध प्रवेश का दूसरा चरण शुरू करने का फैसला किया है। पहले चरण में आवेदन नहीं कर पाने वाले विद्यार्थियों को अब सामान्य प्रवेश परीक्षा के दूसरे चरण के जरिए प्रवेश का अवसर मिलेगा। शिक्षा निदेशालय के अधिकारी के अनुसार, प्रवेश के लिए आवेदन पत्र 10 जुलाई से मिलने शुरू हो गए हैं और 25 जुलाई तक जमा किए जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा एक अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगी, जबकि परिणाम पांच अगस्त को घोषित किया जाएगा। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि यह मौका केवल उन विद्यार्थियों के लिए है जो पहले चरण में आवेदन नहीं कर सके थे। प्रवेश केवल दिल्ली के निवासियों को मिलेगा। और दाखिले शिक्षा निदेशालय के सरकारी स्कूलों में होंगे।

दिल्ली में 1 अगस्त से महिलाओं की फ्री बस यात्रा पर नया नियम, बिना पिंक सहेली कार्ड देना होगा किराया

नई दिल्ली, एजेंसी ।सरकार द्वारा पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड को अनिवार्य किए जाने के बाद्र एक अगस्त से दिल्ली में महिला यात्री मुफ्त बस सेवा का लाभ नहीं उठा पाएंगी ।महिला यात्रियों द्वारा पिंक सहेली कार्ड को अपनाने की धीमी गति को देखते हुए, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने अपनी बसों में एक विशेष अभियान भी शुरू किया है, जिसमें महिलाओं को कार्ड बनवाने की सलाह दी गई है । डीटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक एक अगस्त से, पिंक टिकट केवल उन महिला यात्रियों को जारी किए जाएंगे जिनके पास वैध पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड है, जिसे उन्हें बस में चढ़ते समय टैप करना होगा ।ये महिला यात्री योजना की शर्तों के अनुसार मुफ्त बस सेवा का लाभ उठाना जारी रख सकेंगी ।अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा कागज आधारित पिंक टिकट को धीरे-धीरे बंद करने और मुफ्त बस यात्रा का लाभ उठाने के लिए स्मार्ट कार्ड आधारित प्रणाली पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है । इसलिए एक अगस्त से, जिन महिला यात्रियों के पास पिंक सहेली कार्ड नहीं है, उन्हें पिंक टिकट जारी नहीं किए जाएंगे और उन्हें डीटीसी और परिवहन विभाग (क्लस्टर) की बसों में यात्रा करने के लिए लागू किराया देकर सामान्य टिकट खरीदना होगा ।

द्वारका को निवेश का बड़ा हब बनाने की तैयारी, एलजी तरनजीत सिंह संधू ने निवेशकों से की चर्चा

निवेश के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन के तौर पर उभरने की अनूठी स्थिति में है

नईदिल्ली, एजेंसी। कुतुब गोल्फ कोर्स परिसर में बृहस्पतिवार को उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने विकसित दिल्ली को लेकर निवेशकों संग संवाद किया। इस दौरान द्वारका को एक बड़े आर्थिक और व्यावसायिक केंद्र के तौर पर विकसित करने के उपायों पर चर्च की गई। उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि एशिया के सबसे बड़े नियोजित उप-नगरों में से एक होने के नाते, द्वारका निवेश के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन के तौर पर उभरने की अनूठी स्थिति में है। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास होना, बेहतरीन कनेक्टिविटी और विकसित होता शहरी इकोसिस्टम मिलकर इसे अलग-अलग सेक्टर में निवेश के लिए तैयार करते हैं, जिससे कामर्स, हास्पिटैलिटी, हेल्थकेयर, शिक्षा और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अवसर पैदा होते हैं। निवेशकों ने बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च और इनोवेशन सुविधाओं, एक सुव्यवस्थित सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और आसान अनुमोदन प्रक्रियाओं के ज़रिए द्वारका और दिल्ली में निवेशकों के लिए ज़्यादा अनुकूल इकोसिस्टम बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने निवेश और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए हास्पिटैलिटी, टूरिज्म और हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने, नॉलेज-बेस्ड इंडस्ट्रीज़, आइटी, आइटीईएस और जीसीसीएस को प्रोत्साहन देने, रिसर्च और डेवलपमेंट को मजबूत करने, पर्याप्त होटल क्षमता के साथ यशोभूमि और भारत मंडपम जैसे एमआइसीई इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाने की जरूरत पर भी जोर दिया। निवेशकों की ओर से मिले

रचनात्मक सुझावों पर उपराज्यपाल ने कहा कि शहरी जरूरतों के अनुसार फ्लोर एरिया रेश्यो (एफएआर) सहित योजना और विकास के नियमों की समीक्षा करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि निवेश डेस्टिनेशन के तौर पर दिल्ली की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए सेक्टर-विशिष्ट नीतिगत उपायों की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस'' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि प्रशासन एक पारदर्शी, कुशल और निवेशक-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। जिससे सतत विकास को गति मिलेगी, रोजगार सृजित होगा और ''विकसित दिल्ली'' की ओर दिल्ली के प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा।

7 साल में साफ होगी दिल्ली की हवा 8300 करोड़ के मेगा प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली को जानलेवा प्रदूषण से मुक्ति दिलाने के लिए दिल्ली सरकार और वर्ल्ड बैंक ने मिलकर अब तक की सबसे बड़ी सात वर्षीय कार्ययोजना तैयार की है। ''स्वच्छ हवा, स्वस्थ दिल्ली'' नाम के इस मेगा प्रोजेक्ट पर कुल 8,300 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इसके तहत वर्ल्ड बैंक 65 प्रतिशत राशि लोन के रूप में देगा, जबकि बची हुई 35 प्रतिशत राशि दिल्ली सरकार खुद वहन करेगी। शुक्रवार को सीएम रेखा गुप्ता ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की ओरिएंटेशन कार्यशाला का शुभारंभ किया, जहां वर्ल्ड बैंक के कंट्री हेड पाल प्रोसी ने सीएम को वित्तीय ग्रांट सुविधा की औपचारिक मंजूरी का पत्र सौंप दिया। यह प्रोजेक्ट सितंबर 2026 से शुरू होकर अगस्त 2033 तक दिल्ली के सभी जिलों में लागू रहेगा। सरकार का दावा है कि इस भारी-भरकम बजट का इस्तेमाल तात्कालिक राहत के लिए नहीं, बल्कि राजधानी की हवा को हमेशा के लिए साफ करने के दीर्घकालिक और वैज्ञानिक ढांचे पर किया जाएगा। सड़कों से हटेंगे पुराने वाहन, बढ़ेगी निगरानी प्रदूषण को जड़ से खत्म करने के लिए इस योजना को दो मुख्य मोर्चों पर लागू किया जा रहा है। पहले चरण में प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों पर कड़ा प्रहार होगा। इसके तहत दिल्ली की सड़कों से बेहद पुराने और अत्यधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह हटा दिया जाएगा। मजबूत किया जाएगा। साथ ही, सड़कों और निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल और कचरा प्रबंधन के लिए भी कड़े कदम उठाए जाएंगे।

दूसरी तरफ, प्रदूषकों पर नजर रखने के लिए एक अत्याधुनिक ''इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर'' और आधुनिक एयर क्वालिटी मानिटरिंग नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जिससे डेटा के आधार पर तुरंत एक्शन लिया जा सके।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं.: पीआरवाईजे-सिग-017-2026-27 दिनांक: 09.07.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता /समन्वय / उत्तर मध्य रेलवे/ प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई- निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **07.08.2026** को **12:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है । **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

क्रम सं. 1, निविदा नं.: पीआरवाईजे-सिग-017-2026-27, **कार्य का विवरण :** प्रयागराज डिवीजन में दो साल के लिए डेटाकॉम इक्विपमेंट - एसटीएम, मक्स आदि का सालाना रिपेयर कॉन्ट्रैक्ट ।

अनुमानित मूल्य (₹) : 1,06,86,243/- | **बिड सिक्योरिटी (₹):** 2,13,700/-

निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹): 0/-, कार्य समापन की अवधि: 24 माह,**निविदा बन्द होने की तिथि: 07.08.2026, 2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता:** निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे। **3. निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान:** निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को **12:30 बजे** या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मंडल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **1573/26 (D)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा पे एंड यूज शौचालय ROMT & MOT के आधार पर अनुबंध लॉट्स/साइट्स के आवंटन हेतु ई–नीलामी, IREPS पोर्टल **(https://ireps.gov.in/)** पर पालमई–बोली "जैसा है जहां है" के आधार पर निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती है

ई–कैटलॉग संख्या	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन/स्थान/साइट
PaynUse-8-2026	दिनांक 27.07.2026 को 12:00 बजे	हज़रत निज़ामुद्दीन (NZM) 02 साइट्स, पानीपत (PNP) 01 साइट, पटेल नगर (PTNR) 01 साइट, दिल्ली (DLI) 01 साइट, नरवाना (NRW) 1 साइट, मानसा (MSZ) 01 साइट, जींद (JIND) 1 साइट & आनंद विहार (ANVT) 01 साइट कुल–9 साइट्स/स्थल।

वेबसाइट विवरण जहां ई–नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	**https://ireps.gov.in/**
ई–नीलामी में भाग लेने के लिए ठेकेदारों के लिए पूर्वापेक्षाएं	**आईआरईपीएस के ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्म से आयोजित ई नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी ठेकेदारों को अपनी बोलियां जमा करने से पहले निम्नलिखित अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए:** • ई– नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस पर पंजीकरण– ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए सक्रिय आईआरईपीएस उपयोगकर्ता खाता; एकमुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान; भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता; आईआरईपीएस खाते के साथ एस बी आई बैंक खाते का एकीकरण; फंड का लियन मार्किंग; कारोबार का अद्यतन विवरण; जिन ठेकेदारों के पास आईआरईपीएस के किसी भी मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस खाता नहीं है, वे आईआरईपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई–निविदा/ई–नीलामी लीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑन लाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। ई–ऑक्शन लीजिंग मॉड्यूल के लिए अब वर्चुअल अकाउंट नंबर (वीएएन) नामक एक नया तंत्र शुरू किया गया है, जिसका उपयोग बोलीदाताओं द्वारा लियन मार्किंग तंत्र के विकल्प के रूप में किया जा सकता है। बोली लगाने हेतु प्रवेश करने से पहले किसी भी समय लियन मार्किंग मैकेनिज्म (यदि सक्रिय हो) और वैन मैकेनिज्म के बीच स्विच करने के लिए स्वतंत्र हैं। VAN तंत्र के लिए बोली लगाने वाले का भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता होना आवश्यक नहीं है। उपयोगकर्ता किसी भी बैंक में अपने किसी भी मौजूदा बैंक खाते से अपने VAN खाते में धन स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र हैं, जो उन्हें IREPS ई–नीलामी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।
संबंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी	वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक/ पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली 110055 **E-Mail: sanitationcell@gmail.com Tel.:011-23743084**

संख्या.: 7PUB/TN/Pay&Use Toilets/Auction/2022 दिनांक: 10.07.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2387/2026

संपादकीय

सवाल सिर्फ चोरी का नहीं, भरोसे का है

राम मंदिर का दर्शन और वहां दान करना करोड़ों लोगों की आस्था का मामला है। मगर इस समूचे मामले की वजह से आम लोगों के भीतर न्यास को लेकर एक तरह का अविश्वास पैदा हुआ है। राम मंदिर की पृष्ठभूमि में दानपात्र, रुपये, वित्तीय दस्तावेज और आवर्धक लेंस (मैग्निफाइंग ग्लास) दर्शाती फीचर इमेज, जो राम मंदिर न्यास में कथित गबन, वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही के मुद्दे को दर्शाती है।राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास में कथित गबन का मामला जब से सामने आया है, तभी से इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि इसमें शामिल आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई के समांतर एक संपूर्ण पारदर्शी व्यवस्था बननी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की कोई गड़बड़ी संभव न हो सके।विडंबना यह है कि इस मामले के खुलासे के बाद जहां न्यास के दायरे में जिम्मेदारी तय किए जाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए थी, वहां शुरू से आरोपों की दिशा भ्रमित करने की कोशिश होती रही। अब सोमवार को न्यास की एक अहम बैठक के दौरान इसके महासचिव चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए और अंतरिम व्यवस्था के तौर पर एक अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को महासचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई।निश्चित तौर पर यह कदम विवाद के बीच जिम्मेदारी और आरोपियों के प्रति नरमी बरतने को लेकर उठते गंभीर सवालों की तीव्रता को कम करने की एक कवायद है, लेकिन इस बीच जैसी असहज करने वाली स्थितियां पैदा हुईं, उसने आम लोगों के भरोसे को कमजोर ही किया है।इस संबंध में अब तक सामने आए आरोप-प्रत्यारोपों के बाद स्थिति इतनी उलझ गई है कि जब तक विशेष जांच दल की अंतिम रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक एक तरह की अस्पष्टता कायम रहेगी।विडंबना यह है कि न्यास के जिन लोगों पर इसके वित्त की निगरानी, उसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इसकी संपत्तियों की रक्षा करने का दायित्व था, या तो उनके लिए ये तकाजे गैर-महत्त्वपूर्ण थे या फिर वे ही कठघरे में खड़े दिखे।सवाल है कि आरोपों की अनदेखी करके क्या अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ा जा सकता है! इतने समय तक किसकी देखरेख या संरक्षण में चढ़ावे की चोरी करने वालों का धंधा बेरोक-टोक चलता रहा? क्या यह उन तमाम लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं है, जिनकी आस्था की बुनियाद पर ही न्यास का समूचा कामकाज टिका हुआ है?लोगों के भरोसे को ताक पर रखकर पैसों का गबन करने की हरकत कैसे संभव हुई? अब यह देखने की बात होगी कि इस अनियमितता के वास्तविक आरोपियों को कानून के कठघरे में खड़ा करके सजा दिलाई जाती है या नहीं?हालांकि न्यास के नए महासचिव का कहना है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे सजा दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। निश्चित रूप से सिर्फ इस्तीफा इस मामले का हल नहीं हो सकता। भ्रष्टाचार कानून के दायरे में एक परिभाषित अपराध है, तो उसके लिए सजा भी निर्धारित है।

प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

इंडोनेशिया में पीएम मोदी ने कर दिया बड़ा खेल, इंडो पेसीफिक के सारे समीकरण ही बदल कर रख दिये

(नीरज कुमार दुबे)

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं।

भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बदलती वैश्विक राजनीति में दोनों देश केवल पुराने मित्र नहीं, बल्कि भविष्य के रणनीतिक साझेदार भी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा ने हिंद महासागर और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को नई मजबूती दी है। जकार्ता में जिस गर्मजोशी और सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत हुआ, उसने साफ संकेत दिया कि भारत अब एशिया की राजनीति, सुरक्षा और विकास की दिशा तय करने वाली प्रमुख शक्ति बन चुका है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा लोकतंत्र, समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक नए क्षेत्रीय गठबंधन की मजबूत नींव भी साबित हुई।

इंडोनेशिया की संसद में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण रहा। उन्होंने भारत और इंडोनेशिया को केवल दो देश नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से जुड़े सभ्यतागत साझेदार बताया। रामायण, महाभारत, नालंदा और प्रम्बानन मंदिर का उल्लेख करते हुए मोदी ने साफ कहा कि समुद्र ने दोनों देशों को कभी अलग नहीं किया, बल्कि यही समुद्र दोनों को जोड़ने वाला पुल बना। उनका यह संदेश केवल सांस्कृतिक संदेश नहीं था, बल्कि इंडो पैसिफिक की नई भू-रणनीतिक सोच का संकेत भी था।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और इंडोनेशिया यदि साथ खड़े होते हैं तो लोकतंत्र पर दुनिया का भरोसा और मजबूत होगा। यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडो

पैसिफिक क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है।

इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि दोनों देशों के बीच हुए 20 ऐतिहासिक समझौते रहे। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, दुर्लभ खनिज, दूरसंचार, कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटल ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए ये समझौते आने वाले वर्षों में भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाले हैं। सबसे अधिक चर्चा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर हुए समझौतों की रही। यह हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक संतुलन को मजबूत करने वाला कदम है।

देखा जाये तो भारत द्वारा इंडोनेशिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाना कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित इंडोनेशिया वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र है। दुनिया के बड़े हिस्से का व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के तटरक्षक बलों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ना सीधे तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करेगा। यह साझेदारी समुद्री डकैती, अवैध गतिविधियों और किसी भी प्रकार की आक्रामक विस्तारवादी नीति के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में महा सागर दृष्टि का उल्लेख करते हुए साफ कहा कि भारत मुक्त, खुला और नियम आधारित इंडो पैसिफिक चाहता है। यह संदेश पूरी दुनिया और खासतौर पर चीन के लिए था कि भारत किसी गुट की राजनीति नहीं बल्कि संतुलित और स्थिर वैश्विक व्यवस्था का समर्थक है। आसियान की केंद्रीय भूमिका पर भारत का जोर यह भी दिखाता है कि नई दिल्ली दक्षिण पूर्व एशिया को केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि रणनीतिक सहयोगी मानती है।

हम आपको बता दें कि मोदी की इस यात्रा में तकनीक और डिजिटल क्षेत्र में हुए समझौते भी बेहद महत्वपूर्ण रहे। भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के आधार पर इंडोनेशिया ओपन नेटवर्क की शुरुआत, भुगतान प्रणाली को जोड़ने की तैयारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा स्टार्टअप सहयोग पर सहमति इस बात का संकेत है कि भारत अब तकनीकी नेतृत्व की दिशा में भी निर्णायक भूमिका निभा रहा है। भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु का परिसर इंडोनेशिया में खोलने का फैसला शिक्षा और ज्ञान कूटनीति के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने मोदी सरकार की कई योजनाओं को अपनाया है। उन्होंने हंसी मजाक में कहा कि उन्हें खुशी है कि इन योजनाओं पर किसी का अधिकार नहीं है। लेकिन इस हल्के फुल्के बयान के भीतर भारत के विकास मॉडल की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा संदेश छिपा था। इंडोनेशिया द्वारा भारत की कृषि तकनीक, सूखी जमीन को उपजाऊ बनाने के प्रयोग और जनकल्याण योजनाओं का अध्ययन यह दिखाता है कि दुनिया अब भारत को केवल बाजार नहीं बल्कि समाधान देने वाले राष्ट्र के रूप में देख रही है। राजनीति

प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है।

साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है।

बहरहाल, मोदी सरकार की विदेश नीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि उसने भारत को रक्षात्मक सोच से निकालकर निर्णायक वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में पहुंचा दिया है। कभी केवल दक्षिण एशिया तक सीमित माना जाने वाला भारत आज इंडो पैसिफिक की धुरी बन चुका है। दुनिया के बड़े राष्ट्र भारत के साथ साझेदारी को अपनी रणनीतिक आवश्यकता मान रहे हैं। इंडोनेशिया यात्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति आत्मविश्वास, सांस्कृतिक गौरव, सामरिक दूरदृष्टि और वैश्विक प्रभाव का नया अध्याय लिख रही है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चिता आंदोलन :मोदी की महत्वाकांक्षी योजना पर मोहन सरकार की बेरुखी

(पवन वर्मा-विनायक फीचर्स)

25 दिसंबर 2024, खजुराहो की ऐतिहासिक धरती, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती का अवसर, मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। देशभर से आए संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि और हजारों लोगों के बीच उन्होंने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का भूमिपूजन किया। प्रधानमंत्री ने इसे केवल एक बांध या सिंचाई परियोजना नहीं बताया, बल्कि अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार करने वाली योजना कहा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह उनकी सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जो बुंदेलखंड की दशकों पुरानी प्यास बुझाएगी और इस क्षेत्र की तकदीर बदल देगी। मंच पर विकास के बड़े-बड़े दावे थे। करोड़ों लोगों के बेहतर भविष्य की तस्वीर खींची जा रही थी। इस समय का मैं स्वयं प्रत्यक्षदर्शी था। परियोजना के भूमि पूजन कार्यक्रम को कवर करने भोपाल से खजुराहो गया था। अपार जनसमूह के बीच इस परियोजना पर बात करते हुए प्रधानमंत्री के चेहरे पर तेज देखते ही बनता था। शायद उस वक़्त उन्हें उम्मीद होगी कि उनका प्रयास अटल बिहारी वाजपेयी का सपना पूरा करने जा रहा है, लेकिन महज डेढ़ वर्ष बाद उसी परियोजना की पहचान विकास नहीं, बल्कि 'चिता आंदोलन' बनती दिखाई दे रही है। भारी बारिश के बीच पानी में खड़े आदिवासी किसान, आसपास से लकड़ियां बटोरकर प्रतीकात्मक चिता तैयार करते लोग और अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते परिवार,ये दृश्य किसी भी सरकार के लिए चिंता का विषय होने ही चाहिए। पहली नजर में ही लगता है कि यह केवल विरोध प्रदर्शन नहीं है, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक है, जो इस परियोजना के साथ लोगों के मन में जगाया गया था। सरकार दावा करती है कि यह परियोजना बुंदेलखंड की तस्वीर बदल देगी। इसमें दो चरण होंगे और इसे पूरा होने में लगभग आठ वर्ष लगेंगे। पहले चरण में पन्ना जिले में केन नदी पर 77 मीटर ऊंचा दौधन बांध बनाया जाएगा। 221 किलोमीटर लंबी नहर के जरिए केन नदी का अतिरिक्त पानी बेतवा नदी तक पहुंचाया जाएगा। परियोजना से 10.62 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई मिलेगी। लगभग 62 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध होगा। 103 मेगावाट जल विद्युत और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन भी होगा। मध्य प्रदेश के पन्ना, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ़, सागर, विदिशा, रायसेन, शिवपुरी और दतिया सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों को इसका लाभ मिलेगा। इन आंकड़ों को सुनकर यह परियोजना हर दृष्टि से ऐतिहासिक परियोजना लगती है। लेकिन इन चमकदार आंकड़ों के पीछे एक दूसरा सच भी है। इस परियोजना की सबसे बड़ी कीमत वे आदिवासी परिवार चुका रहे हैं, जिनकी जमीन, खेत, जंगल और गांव जलाशय में समा जाएंगे। विकास की इस पूरी कहानी में सबसे कमजोर पक्ष वही लोग बन गए हैं, जिनके जीवन पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ने वाला है।

छतरपुर जिले के दौनी सहित प्रभावित गांवों के लोग पिछले कई दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। उनका कहना है कि पुनर्वास को लेकर उन्हें लगातार भ्रम में रखा गया। पहले पांच लाख रुपये की सहायता तय थी। लंबे संघर्ष के बाद सरकार ने पन्ना जिले के लिए अतिरिक्त 202.50 करोड़ रुपये मंजूर कर पुनर्वास पैकेज बढ़ाकर 12 लाख 50 हजार रुपये कर दिया। सरकार इसे अपनी बड़ी उपलब्धि बताती है। लेकिन प्रभावित परिवारों का कहना है कि केवल राशि घोषित कर देने से पुनर्वास पूरा नहीं हो जाता। उन्हें रहने योग्य जमीन चाहिए, खेती का विकल्प चाहिए, रोजगार चाहिए, सामाजिक सुरक्षा चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि उनका भविष्य उजड़ने वाला नहीं है। यही वह बिंदु है, जहां मध्य प्रदेश सरकार सबसे कमजोर दिखाई देती है।

केंद्र सरकार की ओर से इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। प्रधानमंत्री स्वयं इसका भूमिपूजन करते हैं। करोड़ों रुपये स्वीकृत होते हैं। लेकिन पुनर्वास जैसी सबसे संवेदनशील जिम्मेदारी राज्य सरकार के हिस्से आती है। यदि पुनर्वास ठीक ढंग से होता, प्रभावित लोगों से लगातार संवाद होता और प्रशासन उनकी शिकायतों का समय पर समाधान करता, तो शायद आज पानी के बीच खड़े होकर 'चिता आंदोलन' करने की नौबत नहीं आती।

किसी भी बड़ी परियोजना में विरोध होना असामान्य नहीं है। लेकिन यह विरोध जब इस स्तर तक पहुंच जाए कि लोग अपने जीवित रहते अपनी ही चिता का प्रदर्शन करने लगे,ऐसे में इसे केवल एक साधारण नागरिक की पीड़ा की पराकाष्ठा माना जाना चाहिए। यदि कोई प्रशासन सामान्य नागरिकों की पीड़ा को न समझ सके तो फिर यह शासन की संवेदनहीनता पर आरोप-पत्र बन जाता है।

सबसे हैरानी की बात यह है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास स्वयं खनिज, राजस्व और प्रशासन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विभागों की प्रत्यक्ष निगरानी है। ऐसी परियोजनाओं की समीक्षा नियमित रूप से होती है। प्रभावित गांवों की स्थिति, आंदोलन की जानकारी और प्रशासनिक रिपोर्टें लगातार मुख्यमंत्री तक पहुंचती होंगी। फिर भी यदि आंदोलन चार दिन से अधिक चलता है, आदिवासी परिवार पानी में उतरकर प्रदर्शन करते हैं और सरकार की ओर से कोई प्रभावी पहल दिखाई नहीं देती, तो इसे केवल प्रशासनिक देरी नहीं, बल्कि राजनीतिक उदासीनता भी मानी जाएगी।

जब नागरिक व्यवस्था से नहीं, व्यवस्था नागरिकों से दूर होने लगे

भारत में 'एग्जिट' की यह प्रवृत्ति सार्वजनिक व्यवस्था के लिए एक संरचनात्मक चुनौती बन जाती है। जब मध्यवर्गीय परिवार निजी विकल्पों की ओर बढ़ते हैं, तो वे अनजाने में सार्वजनिक सेवाओं पर निर्भरता कम कर देते हैं। इसके परिणामस्वरूप उन सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए आवश्यक सामाजिक दबाव घटने लगता है। शहरी भारत में अधिकांश मध्यवर्गीय परिवार जल शुद्धिकरण उपकरणों का उपयोग करते हैं। निजी विद्यालयों में नामांकन पिछले वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में नागरिकों द्वारा अपनी जेब से किया जाने वाला व्यय कुल स्वास्थ्य खर्च का आधे से अधिक है।

(अमित कुमार)

एक व्यक्ति दो अलग-अलग रास्तों के बीच खड़ा है। एक ओर आधुनिक और सुव्यवस्थित शहरी व्यवस्था दिखाई दे रही है, जबकि दूसरी ओर जर्जर बुनियादी सुविधाओं और सार्वजनिक सेवाओं पर निर्भर क्षेत्र का दृश्य है। यह सार्वजनिक व्यवस्था और निजी विकल्पों के बीच बढ़ती खाई को दर्शाने वाली प्रतीकात्मक तस्वीर है।

भारत में सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता पर चर्चा अक्सर शिकायतों के स्वर में सुनाई देती है, लेकिन उससे अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि उन शिकायतों के बीच समाज किस प्रकार व्यवहार करता है। भारतीय मध्यवर्ग ने एक विशिष्ट रास्ता चुन लिया है। वह व्यवस्था की कमियों से टकराने के बजाय उनसे बच निकलने की कला में दक्ष होता जा रहा है। पेयजल खराब हो, तो घर में जल शुद्धिकरण यंत्र लग जाता है।

बिजली अनियमित हो तो इन्वर्टर व्यवस्था संभाल लेता है। सरकारी विद्यालयों पर भरोसा कम हो, तो निजी शिक्षा की ओर रुख कर लिया जाता है। यह प्रवृत्ति केवल सुविधा का चयन नहीं है। यह एक गहरे सामाजिक अनुबंध का संकेत है, जिसमें सार्वजनिक नागरिक व्यवस्था से दूरी बनाकर अपने लिए अलग रास्ते तैयार कर लिए जाते हैं।

इस व्यवहार को समझने के लिए अर्थशास्त्री अल्बर्ट ओ. हिर्शमैन द्वारा प्रतिपादित विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं, जिन्हें उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'एग्जिट, वॉइस एंड लॉयल्टी' में प्रस्तुत किया है। जब किसी संस्था या व्यवस्था की गुणवत्ता गिरती है, तो उसके सदस्य या उपभोक्ता दो प्रमुख प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक प्रतिक्रिया होती है व्यवस्था से बाहर निकल जाना, जिसे उन्होंने 'एग्जिट' कहा।

दूसरी प्रतिक्रिया होती है उसी व्यवस्था के भीतर रहकर सुधार की मांग करना, जिसे उन्होंने 'वॉइस' कहा। उनके विश्लेषण का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि जब 'एग्जिट' सरल और सुलभ हो जाता है, तो 'वॉइस' कमजोर पड़ जाती है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा इसी सिद्धांत का

जीवंत उदाहरण पेश करता है।

भारत में 'एग्जिट' की यह प्रवृत्ति सार्वजनिक व्यवस्था के लिए एक संरचनात्मक चुनौती बन जाती है। जब मध्यवर्गीय परिवार निजी विकल्पों की ओर बढ़ते हैं, तो वे अनजाने में सार्वजनिक सेवाओं पर निर्भरता कम कर देते हैं। इसके परिणामस्वरूप उन सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए आवश्यक सामाजिक दबाव घटने लगता है। शहरी भारत में अधिकांश मध्यवर्गीय परिवार जल शुद्धिकरण उपकरणों का उपयोग करते हैं। निजी विद्यालयों में नामांकन पिछले वर्षों में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में नागरिकों द्वारा अपनी जेब से किया जाने वाला व्यय कुल स्वास्थ्य खर्च का आधे से अधिक है।

भारतीय संदर्भ में यह तथ्य स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि जहां निजी समाधान उपलब्ध हैं, वहां नागरिक अपेक्षाकृत शांत रहते हैं, लेकिन जहां निजी विकल्प संभव नहीं हैं, वहां असंतोष मुखर हो उठता है। सड़कें खराब हों या वायु प्रदूषण बढ़ जाए, ऐसे मुद्दों पर विरोध अधिक दिखाई देता है, क्योंकि इन समस्याओं से व्यक्तिगत स्तर पर बाहर निकलना संभव नहीं है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव इस संदर्भ में महत्त्वपूर्ण संकेत प्रदान करते हैं।

स्वीडन और नार्वे जैसे देशों ने सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को इस स्तर तक सुदृढ़ किया है कि अधिकांश नागरिक उन्हीं पर निर्भर रहते हैं। सिंगापुर ने आवास और शहरी ढांचे के क्षेत्र में ऐसी सार्वजनिक व्यवस्था विकसित की है, जिसमें बड़ी आबादी सरकारी योजनाओं के अंतर्गत रहती है। ब्रिटेन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा व्यापक रूप से नागरिकों की पहली पसंद बनी हुई है।

इन उदाहरणों में एक समान तत्त्व दिखाई देता है कि सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता इतनी विश्वसनीय है कि उनसे बाहर निकलने की आवश्यकता सीमित हो जाती है।

भारत में स्थिति भिन्न है, क्योंकि यहां निजी समाधान आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। यह परिस्थिति एक प्रकार की मौन सहमति को जन्म देती है, जिसमें नागरिक अपनी समस्याओं का समाधान खुद ढूंढ़ लेते हैं और राज्य पर सुधार का दबाव सीमित हो जाता है। हिर्शमैन ने अपनी पुस्तक में यह संकेत दिया था कि अगर किसी व्यवस्था में वफादारी का तत्त्व कमजोर हो जाए, तो 'एग्जिट' की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

भारतीय संदर्भ में सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति विश्वास का क्षरण इसी दिशा की ओर संकेत करता है। जो लोग निजी समाधान वहन कर सकते हैं, वे अपेक्षाकृत सुविधाजनक जीवन जीते हैं, जबकि जो ऐसा नहीं कर सकते या जिनके पास विकल्प नहीं होता, वे उसी सार्वजनिक व्यवस्था में फंसे रहते हैं, जिसकी गुणवत्ता लगातार गिरती जाती है।

इस प्रकार 'एग्जिट' केवल व्यक्तिगत राहत का माध्यम नहीं रह जाता। वह सामाजिक विभाजन को भी गहरा करता है। इस परिदृश्य में एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि समाधान किस दिशा में खोजा जाए। क्या सार्वजनिक व्यय बढ़ाना पर्याप्त होगा या नागरिकों के व्यवहार में भी परिवर्तन आवश्यक है।

हिर्शमैन के अनुसार किसी भी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक है कि 'वॉइस' को प्रोत्साहित किया जाए और 'एग्जिट' को इस प्रकार संतुलित किया जाए कि वह 'वॉइस' को निष्प्रभावी न कर दे। इसका अर्थ यह है कि निजी विकल्पों को समाप्त किए बिना सार्वजनिक सेवाओं को सक्षम बनाया जाए।

भारत के संदर्भ में यह एक गहरी मानसिकता परिवर्तन की मांग करता है। जब तक नागरिक सार्वजनिक समस्याओं को निजी साधनों से टालने को ही समाधान मानते रहेंगे, तब तक व्यवस्था में सुधार की प्रक्रिया धीमी रहेगी। किसी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी सार्वजनिक संस्थाओं की गुणवत्ता में परिलक्षित होती है, न कि उसके निजी समाधानों की संख्या में।

जब सुधार या बदलाव की मांग कमजोर पड़ती है, तो लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व भी क्षीण होने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि भारतीय समाज इस संतुलन को स्थापित करे, जहां व्यक्तिगत सुविधा के साथ-साथ सामूहिक उत्तरदायित्व का भी समान महत्त्व हो। तभी सार्वजनिक समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में वास्तविक प्रगति संभव हो सकेगी।

जिला कांग्रेस की मासिक बैठक का हुआ आयोजन, संगठन के विस्तार पर हुई चर्चा

गांव-गांव जाकर आम जनता से सीधा संवाद करें पदाधिकारी : मेवा सिंह।

कुरुक्षेत्र, प्रमोदकौशिक/अमित : जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह की अध्यक्षता में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शाहाबाद विधायक रामकरण काला के इलावा सभी पदाधिकारियों ने बढ़चढ़ भाग लिया। मेवा सिंह ने पूर्व की हुई बैठकों को लेकर सभी पदाधिकारियों से विस्तार से चर्चा की ओर फीड बैक ली। उन्होंने कहा कि जिला पदाधिकारियों के साथ खंड स्तर पर ब्लॉक प्रधान नियुक्त

किए गए है जिससे कांग्रेस पार्टी को ज्यादा मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने सभी ब्लॉक पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याएं सुनें और उन्हें पार्टी की नीतियों एवं जनहित के मुद्दों से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि संगठन विस्तार अभियान के तहत अधिक से अधिक युवाओं, महिलाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को कांग्रेस से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर लगातार बैठकें, जनसंपर्क अभियान और सदस्यता अभियान चलाए जाएंगे। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि कार्यकारिणी सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से जनसंपर्क करेंगे और स्थानीय समस्याओं को संगठन के माध्यम से संबंधित अधिकारियों और सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाएंगे। ओर जो पदाधिकारी कार्य नहीं करता उसकी जवाबदेही भी तय की जाएगी। इस दौरान शाहाबाद विधायक रामकरण काला ने भी संगठन की मजबूती ओर सक्रियता को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि संगठन जितना मज़बूत होगा उतनी मजबूती के साथ अपनी आवाज को बुलंद करने के साथ साथ पार्टी की नींव को मज़बूत किया जा सकता है। इस अवसर पर विवेक भारद्वाज डब्बू, मोहित राणा, पवन चौधरी, गुरदेव सुरा, अशोक शर्मा, ओमपाल कश्यप, ओमपाल सरोहा, सूबे चन्द कटारिया, विशाल मोदगिल, टेक चंद बारना, नसीब सिंह, जितेंद्र सिंह, सरदार गुरजीत सिंह सैनी, ब्लॉक प्रधान जयपाल पंचाल एवं मोहन लाल भावरा, भगवंत सिंह विर्क के साथ साथ कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। कांग्रेस भवन में मासिक बैठक को संबोधित करते हुआ जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के 3 दिन शेष

▶▶ पात्र मतदाता समय रहते भरें और जमा करें गणना प्रपत्र : डीसी अभिषेक मीणा ▶▶ ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं 2002 की मतदाता सूची

रेवाड़ी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने रेवाड़ी जिले के सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के समापन में अब केवल तीन दिन शेष हैं। ऐसे में जिन मतदाताओं ने अभी तक अपना गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है, वे बिना देरी किए इसे भरकर अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा करवाएं। डीसी ने कहा कि समय पर गणना प्रपत्र जमा करने से मतदाता के निर्वाचन रिकॉर्ड का सत्यापन सुगमता से हो सकेगा तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सकेगा। सभी पात्र मतदाता अपने वर्तमान मतदाता विवरण तथा आवश्यकता होने पर वर्ष 2002 की निर्वाचक नामावली अथवा संबंधित परिजन के विवरण के आधार पर निर्धारित जानकारी अवश्य उपलब्ध कराएं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा के लिए ऑनलाइन सर्च करने की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। मतदाता वर्ष 2002 की विशेष गहन पुनरीक्षण सूची में अपना नाम निम्न लिंक httpsÑ//voters.eci.gov.in पर जाकर देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान मतदाता सूची में अपना नाम, ईपीआईसी नंबर अथवा अन्य विवरण के माध्यम से भी खोजा जा सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी पात्र मतदाता अभियान की अंतिम तिथि का इंतजार न करें और शीघ्र अपने गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएं, ताकि जिला की निर्वाचक नामावली को त्रुटिरहित एवं नवीनतम बनाया जा सके।

पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की अध्यक्ष आरती सिंह राव ने राष्ट्रीय पदक विजेता पैरा पावर लिफ्टिंग खिलाड़ियों को किया सम्मानित

रेवाड़ी। पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने अपने निवास रामपुरा हाउस पर आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पैरा पावरलिफ्टिंग खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि 23वीं राष्ट्रीय, 18वीं जूनियर एवं द्वितीय सब-जूनियर राष्ट्रीय पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन 15 से 18 जनवरी 2026 तक रुड़की (उत्तराखंड) में हुआ था। इस प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण, 2 रजत एवं 1 कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। समारोह में स्वर्ण पदक विजेताओं को 25,000, रजत पदक विजेताओं को 15,000 तथा कांस्य पदक विजेता को 10,000 रुपए की नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित खिलाड़ियों में सुधीर, अशोक, अजय, गीतिका, दीपक, मनीष, प्रदीप जून, सोमन, देवी, खुशबू एवं पायल शामिल रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष आरती सिंह राव ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर कठिन परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी की सफलता में उसके परिवार एवं प्रशिक्षकों का अमूल्य योगदान होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हरियाणा एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। समारोह में पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के चेयरमैन अभिजीत सिंह, पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के संस्थापक गिरिराज सिंह, महासचिव ज्योति कुमार छाबड़ा, कोषाध्यक्ष पवन अधाना, कोच धर्मेंद्र एवं सतबीर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर जूडो के अर्जुन अवार्ड प्राप्त यशपाल सोलंकी तथा डीएसओ, गुरुग्राम आरती सोलंकी भी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह के अंत में सभी खिलाड़ियों ने अध्यक्ष आरती सिंह राव का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें इस सम्मान एवं प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया।

सात महीने पहले हुआ था लव मैरिज, अब अचानक हुई मौत, पति ने अपनी ही मां पर लगाया हत्या का आरोप

पानीपत, एजेंसी। हरियाणा के पानीपत जिले के थाना किला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुटानी रोड पर एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पुलिस को कंट्रोल रूम के जरिए सूचना दी गई थी कि महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या की है, लेकिन पुलिस की प्रारंभिक जांच में शव के गले पर फंदे का कोई निशान नहीं मिला, जबकि मुंह से झाग निकल रहा था।इस रहस्यमयी मौत के बाद घर में ही हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जहां मृतका के पति और ससुर ने इस मौत का जिम्मेदार सास को ठहराते हुए उससे झगड़ा शुरू कर दिया। थाना किला पुलिस के अनुसार, कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि कुटानी रोड स्थित एक मकान में विवाहिता ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पुलिस को मृतका की सास मिली। सास ने पुलिस को बताया कि उसकी 21 वर्षीय बहू साइना मूलरूप से उत्तर प्रदेश के कैराना की रहने वाली थी। उसके बेटे साहिल ने करीब 7 महीने पहले ही साइना से प्रेम विवाह किया था।सास का दावा है कि शुक्रवार शाम को उसका बेटा साहिल और पति दोनों काम पर गए हुए थे। वह खुद घर के कामकाज में व्यस्त थी, इसी दौरान बहू साइना ने कमरे में फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने जब मौके पर पहुंचकर शव का बारीकी से निरीक्षण किया, तो कहानी में बड़ा मोड़ आ गया। पुलिस की शुरुआती तफ्तीश में मृतका साइना के गले पर फंदे का किसी भी तरह का कोई निशान या स्क्रैच नहीं पाया गया। इसके उलट, शव के मुंह से संदिग्ध रूप से झाग निकल रहे थे, जिससे मामला आत्महत्या के बजाय जहर खाने या गला घोंटने जैसे संदिग्ध हालातों की तरफ इशारा कर रहा है।

पलवल अग्निशमन विभाग ने मित्तल क्लासेस एवं आकाश इंस्टीट्यूट में फायर सेफ्टी जागरूकता एवं मॉक ड्रिल का किया आयोजन

● सब फायर ऑफिसर नवीन पाल ने विद्यार्थियों को आग से बचाव, अग्निशामक यंत्र के उपयोग, एलपीजी सुरक्षा एवं भूकंप के दौरान अपनाए जाने वाले उपायों की दी विस्तृत जानकारी

पलवल। हरियाणा सरकार के जन-जागरूकता अभियान के तहत जिला अग्निशमन विभाग पलवल द्वारा शनिवार को रसूलपुर चौक स्थित मित्तल क्लासेस एवं आकाश इंस्टीट्यूट में फायर सेफ्टी अवेयरनेस कार्यक्रम एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अग्निशमन विभाग पलवल के सब फायर ऑफिसर नवीन पाल ने किया। इस दौरान संस्थान के प्रबंधन, शिक्षकों एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर अग्नि सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सब फायर ऑफिसर नवीन पाल ने विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी आग के लगने के लिए तीन तत्व आवश्यक होते हैं–ईंधन, ऑक्सीजन और ताप। इन तीनों तत्वों के मिलकर बनने वाले फायर ट्रायंगल के कारण आग उत्पन्न होती है। यदि इनमें से किसी एक तत्व को अलग कर दिया जाए तो आग स्वतः बुझ जाती है। उन्होंने कहा कि आग बुझाने का मूल सिद्धांत इसी फायर ट्रायंगल को तोड़ना है। उन्होंने विद्यार्थियों को आग के विभिन्न प्रकारों की जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय मानकों के अनुसार आग को क्लास ए, बी, सी, डी तथा एफ श्रेणियों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक प्रकार की आग के लिए अलग-अलग प्रकार के अग्निशामक यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। इसलिए बिना जानकारी के किसी भी आग पर पानी या अन्य माध्यम का उपयोग नहीं करना चाहिए। मॉक ड्रिल के दौरान विद्यार्थियों को अग्निशामक यंत्र का सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग भी सिखाया गया। सब फायर ऑफिसर नवीन पाल ने बताया कि अग्निशामक यंत्र का प्रयोग करने से पहले उसका प्रेशर गेज अवश्य जांचना चाहिए। यदि सूई ग्रीन जोन में है तो यंत्र उपयोग के लिए उपयुक्त माना जाता है। इसके बाद पास तकनीक के माध्यम से अग्निशामक यंत्र चलाने का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। एलपीजी गैस सिलेंडर से संबंधित सुरक्षा उपायों पर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि गैस रिसाव की गंध आए तो सबसे पहले सभी दरवाजे एवं खिड़कियां खोलकर पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार का विद्युत स्विच ऑन या ऑफ न करें तथा माचिस, लाइटर या अन्य किसी भी प्रकार की चिंगारी उत्पन्न करने वाली वस्तु का प्रयोग न करें। ऐसी स्थिति में तुरंत क्षेत्र को खाली कराकर आपातकालीन सहायता के लिए 112 पर सूचना दें तथा सिलेंडर की जांच अधिकृत एजेंसी से कराएं। उन्होंने बताया कि आग लगने की घटनाओं में सबसे अधिक खतरा धुएं से होता है, क्योंकि धुएं में मौजूद विषैली गैसें सांस के माध्यम से शरीर में पहुंचकर गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सुरक्षित निकास मार्ग अपनाना चाहिए तथा धुएं से बचाव के उपायों का पालन करना चाहिए। इसके अलावा भूकंप जैसी आपदा के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डालते हुए सब फायर ऑफिसर नवीन पाल ने विद्यार्थियों को ड्रॉप, कवर एंड होल्ड तकनीक की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भूकंप आने पर घबराकर सीढ़ियों की ओर भागने के बजाय किसी मजबूत मेज अथवा भवन के मजबूत हिस्से के नीचे या पास बैठकर अपने सिर एवं शरीर को सुरक्षित रखें और झटके समाप्त होने तक वहीं बने रहें। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अग्नि सुरक्षा के प्रति सदैव सतर्क रहने, नियमित मॉक ड्रिल आयोजित करने तथा संस्थानों में सभी आवश्यक फायर सेफ्टी मानकों का पालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान को समय-समय पर आंतरिक फायर सेफ्टी अभ्यास आयोजित कर विद्यार्थियों एवं स्टाफ को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए। इस अवसर पर संस्थानों के प्रबंधन ने अग्निशमन विभाग का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अग्नि सुरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक उत्तर दिया गया।

श्री वैश्य अग्रवाल सभा ने किया वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ का गठन, श्री राजन गुप्ता को बनाया संयोजक

पलवल: यहाँ की प्रमुख सामाजिक संस्था नेश्री वैश्य अग्रवाल सभा पलवल ने वरिष्ठ नागरिकों की सुख सुविधा एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देने के लिए वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ का गठन किया है। जिसका संयोजक सीनियर सिटीजंस वेलफेयर एसोसिएशन के ज्वाइंट सेक्रेटरी एवं कॉर्डिनेटर श्री राजन गुप्ता को बनाया गया है। उनकी नियुक्ति श्री वैश्य अग्रवाल सभा पलवल के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गुप्ता ने की है। उल्लेखनीय श्री राजन गुप्ता पलवल की पीएनबी रिटायर्ड स्टाफ वेलफेयर क्लब, भारत विकास परिषद, माधव शाखा एवं दुर्गा सप्तशती पाठ समिति आदि संस्थाओं के अध्यक्ष के तौर भी कार्य कर रहे हैं। अपनी नियुक्ति के बाद श्री राजन गुप्ता ने बताया कि वैश्य अग्रवाल सभा पलवल हर साल की तरह इस बार भी दिनांक 11 अक्टूबर रविवार से 18 अक्टूबर रविवार 2026 तक महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का विशाल आयोजन कर रही है। जिसमें 11 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न जन सेवा के रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। वहीं 18 अक्टूबर रविवार 2026 को आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अग्रसेन जयंती समारोह का समापन, परिवार मिलन,नए भवन का उद्घाटन,पुरुस्कार वितरण एवं राष्ट्र एवं प्रदेश स्तर पर विभिन्न पदों पर निर्वाचित अग्रवाल समाज की प्रमुख हस्तियों का अभिनन्दन समारोह के साथ साथ वैश्य अग्रवाल समाज पलवल के सभी वरिष्ठ नागरिकों (महिलाओं एवं पुरुषों) का एक विशाल सम्मान समरोह आयोजित किया जाएगा तथा उनके स्वास्थ्य एवं स्क्रीनिंग टेस्ट्स कराये जायेंगें। उन्होंने कहा कि वह सभा के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों की सुख सुविधा एवं उनकी बेहतरी के लिए लगातार आयोजन करते रहेंगें।

हरियाणा-बिहार बस सेवा से उद्योगों और प्रवासी श्रमिकों को मिलेगा बड़ा सहारा : विनोद बापना

गुरुग्राम इंडस्ट्रियल लेबर फ्रेंडली हरियाणा राज्य कमेटी के वरिष्ठ सदस्य एवं कैपेरो मारुति के सीईओ विनोद बापना ने हरियाणा और बिहार के बीच शुरू होने वाली अंतरराज्यीय बस सेवा का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय दोनों राज्यों के औद्योगिक विकास और प्रवासी श्रमिकों के हित में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के गुरुग्राम, मानेसर, सोनीपत, पानीपत, फरीदाबाद और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में बिहार के बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं। नियमित ए.सी बस सेवा शुरू होने से उन्हें सुरक्षित, किफायती और समयबद्ध यात्रा की सुविधा मिलेगी। विशेषकर छठ पूजा, दीपावली, होली तथा फसल की बुवाई और कटाई के समय अपने घर आने-जाने में उन्हें काफी राहत मिलेगी। विनोद बापना ने कहा कि बेहतर परिवहन व्यवस्था से श्रमिकों का समय और खर्च दोनों बचेंगे, जिससे उद्योगों को भी स्थिर एवं कुशल कार्यबल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल हरियाणा और बिहार के बीच आर्थिक, औद्योगिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगी तथा व्यापार, रोजगार और निवेश को भी नई गति देगी। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए हरियाणा और बिहार सरकार का आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि भविष्य में अन्य राज्यों के साथ भी ऐसी सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि देश के औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों का जीवन भी अधिक सुरक्षित,सम्मानजनक और सुविधाजनक बन सके।

सुखद खबर: कनीना मंडी रोड पर रामपुरी नहर के साइफन सहित 4 पुलों के लिए 2.48 करोड़ रुपये मंजूर

कार्य पूरा होने के बाद जनता को मिलेगी सुविधा

कनीना सुनील दीक्षित हरियाणा सरकार ने अटेली विधानसभा क्षेत्र और कनीना नगर पालिका को एक बड़ी राहत दी है। राज्य के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ने क्षेत्र में विभिन्न नहरों पर चार पुल और साइफन के निर्माण तथा पुनर्निर्माण के लिए 248.27 लाख रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण फैसले से कनीना में मंडी रोड पर लंबे समय से चली आ रही जलभराव, जाम और हादसों की समस्या का अब स्थायी समाधान हो सकेगा। इस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए कनीना नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों ने बीते समय एक मुहिम चलाई थी। अप्रैल 2026 को कनीना नगर पालिका की चेयरपर्सन डॉ रिम्पी लेढा, वाइस चेयरमैन सुबे सिंह तथा वार्ड पार्षदों ने हरियाणा सरकार की कैबिनेट मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी को एक ज्ञापन सौंपा था। जिसमें बताया गया था कि कनीना मंडी रोड पर रामपुरी नहर की क्रॉसिंग का कुछ हिस्सा सड़क पर आ गया था, जिससे लगातार पानी का रिसाव होता रहता था। क्रॉसिंग के पास सड़क संकरी होने के कारण मंडी आने-जाने वाले भारी वाहनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था और वहां कई बड़े सड़क हादसे भी हो चुके थे। पार्षदों ने नहर के अलाइनमेंट को ठीक कर सड़क से उचित दूरी पर करने की मांग की थी। नगर पालिका की इस मांग पर संज्ञान लेते हुए 8 जुलाई को सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा जेएलएन वाटर सर्विस सर्कल, नारनौल के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अटेली निर्वाचन क्षेत्र के लिए 248.27 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। बजट के तहत चार मुख्य कार्य किए जाएंगे रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी पर साइफन का पुनर्निर्माण होगा, जिससे कनीना मंडी रोड की समस्या हल होगी। औलांत डिस्ट्रीब्यूटरी पर वीआर ब्रिज का निर्माण। बसई डिस्ट्रीब्यूटरी पर वीआर ब्रिज का पुनर्निर्माण नारनौल ब्रांच पर वीआर ब्रिज का निर्माण। सरकार के इस कदम से कनीना अनाज मंडी में अपनी फसल लेकर आने वाले किसानों, व्यापारियों और आम राहगीरों को सुरक्षित और सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी। साथ ही, दुर्घटनाओं पर भी रोक लगेगी। नगरवासियों ने त्वरित और जनहितैषी कार्य को मंजूरी देने पर मंत्री श्रुति चौधरी तथा आरती राव का आभार व्यक्त किया है। नगरपालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने कहा कि इस कार्य के पूरा होने से क्षेत्र में सड़क सुरक्षा बेहतर होगी वहीं आमजन एवं भारी वाहनों के आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य की स्वीकृति के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, जल संसाधन मंत्री श्रुति चैधरी व स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह का आभार व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित, 31 जुलाई है अंतिम तिथि

▶▶ खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां अर्जित करने वाले बच्चे कर सकते हैं आवेदन

रेवाड़ी। महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 हेतु नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा यह पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां अर्जित की हो। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश के प्रतिभाशाली एवं प्रेरणादायी बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने की एक प्रतिष्ठित पहल है। इस पुरस्कार का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले बच्चों को पहचान प्रदान करना तथा अन्य बच्चों को भी प्रेरित करना है। उन्होंने जिले के सभी विभागाध्यक्षों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक एवं गैर-सरकारी संगठनों से आह्वान किया है कि वे अपने क्षेत्र के प्रतिभाशाली एवं योग्य बच्चों की पहचान कर उनके नामांकन समय पर सुनिश्चित करें, ताकि रेवाड़ी जिले के अधिक से अधिक बच्चों को इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान के लिए नामित किया जा सके। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि 5 वर्ष से अधिक तथा 18 वर्ष से कम आयु के भारतीय नागरिक बच्चे, जो भारत में निवास कर रहे हैं, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 हेतु पात्र हैं। इच्छुक बच्चे स्वयं अथवा किसी अन्य व्यक्ति/संस्था द्वारा नामित किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 निर्धारित की गई है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जिला कारागार पलवल में हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जिला कारागार प्रशासन एवं पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

पलवल। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को जिला कारागार पलवल परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला कारागार प्रशासन एवं पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधारोपण किया। कार्यक्रम का संयोजन जिला कारागार के अधीक्षक नरेश गोयल, पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज के मुख्य संयोजक आर्यवीर लायन डॉ. विकास मित्तल तथा सहसंयोजक अल्पना मित्तल के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर जेल उप अधीक्षक अमित बामेल ने कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और जीवन का भी अभिन्न हिस्सा हैं। स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्षों का विशेष महत्व रहा है तथा अनेक धार्मिक परंपराएं भी हमें प्रकृति संरक्षण का संदेश देती हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. विकास मित्तल एवं अल्पना मित्तल ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के आधार हैं। वृक्ष पर्यावरण को संतुलित रखने के साथ-साथ ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पौधे वायु को शुद्ध करते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखने में सहायक होते हैं, भूजल स्तर बढ़ाने, भूमि संरक्षण, बाढ़ एवं भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनके संरक्षण का भी संकल्प ले, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम में सहायक उप अधीक्षक सरोज बाला ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ तथा अन्य विशेष अवसरों पर बुके या अन्य उपहार देने के बजाय पौधे भेंट करने की परंपरा विकसित की जानी चाहिए। इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और ऐसे अवसर सदैव यादगार बनेंगे।

इस अवसर पर देशराज, संदीप, सुधीर, त्रिबम सिंह, मोहित, नंद किशोर सहित जिला कारागार प्रशासन एवं पलवल डोनर्स क्लब के सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान निर्णायक चरण में, 14 जुलाई तक हर पात्र मतदाता अवश्य जमा कराए गणना प्रपत्र

जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर

पलवल। जिले में चल रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान अब अपने अंतिम एवं सबसे महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गया है। 14 जुलाई तक संचालित इस अभियान के समापन में अब केवल तीन दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को अभियान को मिशन मोड में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का प्रत्येक नाम लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है, इसलिए कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रविवार, 12 जुलाई को भी गणना प्रपत्र भरने एवं जमा करने का कार्य जारी रहेगा। सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर पहुंचकर गणना प्रपत्र एकत्रित करेंगे तथा अधिक से अधिक मतदाताओं को अभियान से जोडने का प्रयास करेंगे।

प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंचे अभियान : उपायुक्त–उपायुक्त डॉ. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि सभी बीएलओ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक घर तक पहुंच सुनिश्चित करें तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूटने न पाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राप्त सभी गणना प्रपत्रों का समयबद्ध संग्रहण, डिजिटाइजेशन एवं निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निर्वहन करना होगा। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अंतिम समय का इंतजार न करें, समय रहते जमा करें गणना प्रपत्र– जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के सभी पात्र मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई निर्धारित है। इसलिए अंतिम समय का इंतजार करने के बजाय अपना भरा हुआ गणना प्रपत्र शीघ्र संबंधित बीएलओ के पास जमा कराएं, ताकि उसका समय पर डिजिटाइजेशन एवं पोर्टल पर अपलोड सुनिश्चित किया जा सके। यदि किसी दस्तावेज या विवरण में कोई त्रुटि पाई जाती है तो उसे भी समय रहते सुधारा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश संबंधित बीएलओ अभी तक किसी मतदाता के घर नहीं पहुंच पाए हैं, तो ऐसे मतदाता स्वयं अपने संबंधित बीएलओ अथवा मतदान केंद्र पर पहुंचकर गणना प्रपत्र जमा करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिला प्रशासन, निर्वाचन विभाग एवं मतदाताओं के संयुक्त प्रयासों से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 को पूर्णतः सफल बनाया जाएगा।

सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण से सशक्त हो रही भारत की वैश्विक पहचान : विपुल गोयल

श्री राधा-कृष्ण मंदिर के द्वितीय वार्षिकोत्सव में कैबिनेट मंत्री ने की पूजा-अर्चना, कहा आस्था, संस्कृति और विकास के समन्वय से आगे बढ़ रहा है नया भारत

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने श्री राधा-कृष्ण मंदिर के द्वितीय वार्षिकोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित भव्य एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए भगवान श्री राधा-कृष्ण के श्रीचरणों में विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश और राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं लोककल्याण की मंगलकामना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महात्मा, मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति केवल हमारी आस्था का आधार नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय पहचान और सांस्कृतिक गौरव की सबसे बड़ी शक्ति है। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक धरोहरों को वैश्विक स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्राप्त हो रही है। दुनिया भारत को उसकी समृद्ध परंपराओं, आध्यात्मिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना के कारण नए सम्मान की दृष्टि से देख रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की सदियों पुरानी आस्था का साकार स्वरूप है। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर ने प्राचीन विरासत को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ते हुए श्रद्धालुओं के लिए एक नई व्यवस्था विकसित की है। उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण ने धार्मिक पर्यटन को नई पहचान दी है श्री विपुल गोयल ने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण को भी समान प्राथमिकता दे रही है। देशभर में मंदिरों, तीर्थ स्थलों और धार्मिक विरासत के संरक्षण एवं विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं, जिससे हमारी आने वाली पीढ़ियाँ अपनी जड़ों, संस्कारों और गौरवशाली परंपराओं से जुड़ी रहें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प के साथ बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचा रही है। सरकार तुष्टिकरण नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन, विकास और राष्ट्रहित की भावना के साथ कार्य कर रही है। अपने संबोधन के अंत में कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने श्री राधा-कृष्ण मंदिर ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं आयोजन से जुड़े सभी श्रद्धालुओं को सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव, संस्कार, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने भगवान श्री राधा-कृष्ण से प्रार्थना की कि उनकी असीम कृपा सभी देशवासियों पर बनी रहे तथा प्रदेश और राष्ट्र निरंतर सुख, शांति, समृद्धि और लोककल्याण के पथ पर अग्रसर रहे। इस दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेंद्र मान, महासचिव मनोज सिन्हा, अजय चौधरी, ओ.पी. गोयल, पी.के. गंभीर, विकास चौधरी, नवीन मेहता, रणबीर चौधरी सहित अन्य गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित रहे।

फरीदाबाद में 4 दिन से बिजली गुल होने पर भारी हंगामा, गुस्साई महिलाओं ने जेई का कॉलर पकड़कर सड़क पर घसीटा

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के पल्ला थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर इलाके में पिछले चार दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित होने से नाराज सैकड़ों लोग देर शाम घरों से बाहर निकल आए और सड़क जाम कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन इस दौरान विवाद और बढ़ गया। बिजली विभाग के एक जूनियर इंजीनियर (जेई) पर एक महिला ने अभद्र व्यवहार और गलत तरीके से छूने का आरोप लगाया, जिसके बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ। महिलाओं के द्वारा उनको जमकर धक्के मारे गए, मौके पर मौजूद लोगों ने जैसे-तैसे जेई का बचाव किया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। हांलाकि जेई शिवकुमार ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपो को झूठा बताया है। उन्होंने कहा कि केवल अपनी भड़ास निकालने के लिए ऐसा किया गया है। उनका काम बिजली की परेशानी सुनना है जिसके लिए वो गए थे। पुलिस ने कई घंटे की मशक्कत के बाद लोगों को शांत कराया जिसके बाद देर रात को जाम खुल पाया। स्थानीय निवासी महरपाल ने बताया कि लगातार बारिश के बीच पिछले चार दिनों से इलाके में बिजली की आपूर्ति सही तरीके से नहीं हो रही है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। बिजली नहीं होने से लोगों को पानी की भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और कई परिवारों को पीने का पानी खरीदना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों को हो रही है, जो रात में ठीक से सो नहीं पा रहे हैं और उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। रोड जाम की सूचना मिलने पर बिजली विभाग के जेई शिवकुमार मौके पर पहुंचे। इसी दौरान एक महिला ने आरोप लगाया कि जेई ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और गलत तरीके से छुआ। आरोप लगते ही मौके पर मौजूद महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने जेई के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारी महिलाओं के बीच तीखी बहस भी हुई। जब पुलिस जेई को मौके से बाहर ले जाने लगी तो महिलाओं ने उन्हें घेर लिया और कहा कि जब तक उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी और इलाके की बिजली बहाल नहीं होगी, तब तक उन्हें जाने नहीं दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान स्थिति तनावपूर्ण बनी रही और उग्र भीड़ को संभालना पुलिस के लिए चुनौती बन गया।

हरियाणा में खनन माफिया की दबंगई, छापेमारी के दौरान एनफोर्समेंट टीम पर हमला; 2 लोगों पर एफआईआर दर्ज

सोनीपत, एजेंसी। हरियाणा के सोनीपत जिले में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची माइंस एंड जियोलॉजी डिपार्टमेंट की एनफोर्समेंट टीम पर कथित तौर पर खनन माफिया ने हमला कर दिया। आरोपियों पर अधिकारियों के साथ मारपीट करने, मोबाइल फोन छीनने, सरकारी काम में बाधा डालने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। असिस्टेंट माइनिंग इंजीनियर की शिकायत पर सेक्टर-27 पुलिस स्टेशन ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। असिस्टेंट माइनिंग इंजीनियर चंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि ओपी जिंदल ग्लोबल सिटी में प्लॉट नंबर बी-112 पर निरीक्षण के दौरान बिना वैध अनुमति के मिट्टी खोदी जा रही थी। मौके पर अनुमानित 204 मीट्रिक टन मिट्टी अवैध रूप से खोदी हुई पाई गई। विभाग ने दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक जेसीबी मशीन जब्त कर आरटीए पार्किंग यार्ड में खड़ी कर दी और प्लॉट मालिक को जुर्माना भरने का नोटिस जारी किया।

मारपीट व जान से मारने की धमकी के मामले में एक और गिरफ्तार, भेजा जेल:पुलिस प्रवक्ता

अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने झगड़े में प्रयोग गाड़ी को भी बरामद किया

फरीदाबाद। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, 18 मई को गोच्छी स्थित नाई की दुकान पर बैठे 2 भाइयों के साथ मारपीट करने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने 10 जुलाई को एक और आरोपित को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिसकी पहचान मुकुल उर्फ हन्नी निवासी गाँव नंगला जोगियान, फरीदाबाद के रूप में हुई है। जिसको माननीय अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है, वारदात में प्रयोग गाड़ी को भी पुलिस टीम ने बरामद कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपित से खुलासा हुआ है कि शिकायतकर्ता सलमान की आरोपित मुकुल व उसके साथी हर्ष, महावीर व अन्य के साथ कुछ समय पहले कहासुनी हुई थी। जिसकी रंजिश रखते हुए उसने अपने अन्य साथी कार्तिक, हर्ष, महावीर व अन्य ने मिलकर 18 मई को गोच्छी स्थित नई की दुकान के बाहर सलमान व उसके भाई इकबाल के साथ मारपीट की थी। आरोपित अपने दोस्त की स्विफ्ट कार में अपने साथियों के साथ झगड़ा करने आया था। स्विफ्ट कार को पुलिस टीम ने बरामद कर लिया है। आरोपित का पूर्व में भी आपराधिक रिकार्ड रहा है जिस पर 3 आपराधिक मामले दर्ज हैं। घटनाक्रम में एक आरोपित कार्तिक को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है।

बता दें कि गाँव गौछी निवासी सलमान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 18 मई 2026 को वह अपने भाई इकबाल के साथ नाई की दुकान पर बैठा हुआ था। तभी बिना नंबर प्लेट की एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार तथा एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर कुछ युवक पहुंचे। जिन्होंने उस पर व भाई इकबाल पर हमला कर मारपीट की। शिकायत पर थाना मुजेसर में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 : कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ सम्मान के पात्र

अन्य अधिकारी भी इसी समर्पण से करें कार्य : डीसी आयुष सिन्हा

फरीदाबाद। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के अंतर्गत जिला फरीदाबाद में मतदाता सूची के पुनरीक्षण एवं डिजिटलीकरण का कार्य अंतिम चरण में है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा के मार्गदर्शन में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा अभियान को पूरी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ सफल बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में उन सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई, जिन्होंने निर्धारित समयावधि में अपना कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। इस अवसर पर कहा गया कि इन अधिकारियों की कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और मेहनत विशेष रूप से सराहनीय है। उनके उत्कृष्ट कार्य ने निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, त्रुटिरहित एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने कहा कि निर्वाचन कार्य लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है और प्रत्येक बीएलओ इस प्रक्रिया की सबसे अहम कड़ी है। उन्होंने कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका समर्पण अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने शेष बीएलओ से भी आह्वान किया कि वे इसी उत्साह, जिम्मेदारी और समयबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करें, ताकि जिले में मतदाता सूची का पुनरीक्षण एवं डिजिटलीकरण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सके।

सीआईए-3 की कार्रवाई, बिजली का सामान चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, चोरीशुदा स्टार्टर व तार बरामद

सुरेन्द्र पांचाल भेदी नजर घरौंडा,:पुलिस सीआईए टीम-3 ने बिजली का सामान चोरी करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरीशुदा एक स्टार्टर तथा करीब 20 मीटर बिजली की तार बरामद की गई। सीआईए-3 टीम ने सहायक उप निरीक्षक राजेश कुमार की अध्यक्षता में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी विक्रांत उर्फ कालू पुत्र महाबीर सिंह, निवासी गांव कैरवाली, थाना मधुबन को गिरफ्तार किया। इस संबंध में शिकायत के आधार पर 5 जुलाई को थाना मधुबन के क्षेत्र गांव कैरवाली से रात के समय खेतों से बिजली का सामान चोरी करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी किए गए सामान को छिपाने के स्थान का खुलासा किया। आरोपी की निशानदेही पर मंगलोरा से लालूपुरा पक्के बांध के बीच मोड़ के पास झाड़ियों में छिपाकर रखा गया एक प्लास्टिक का कट्टा बरामद किया गया।

घरौंडा में विस अध्यक्ष का जन सुनवाई कार्यक्रम

सुरेन्द्र पांचाल भेदी नजर घरौंडा:घरौंडा के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आज जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने तीन घंटे से अधिक समय तक लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अफसरों को उनके निपटारे के निर्देश दिए।

सुबह करीब साढ़े दस बजे से पहले ही बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग अपनी समस्याएं/मांगें लेकर रेस्ट हाउस पहुंच गए थे। कल्याण ने एक-एक कर सभी की समस्याओं को सुना। कई गांवों के लोगों सामूहिक मांगें भी उनके सम्मुख रखीं। मोहद्दीन के लोगों ने स्कूल व खेल के मैदान की चहारदीवारी कराने, गेट बनवाने व फिरनी के लिए और ग्रांट भिजवाने घरौंडा वासियों ने शहर की कुछ कालोनियों की कच्ची गलियों का पक्की कराने, मलिकपुर के लोगों ने सुरेश के मकान से रतन के घर तक नाले का निर्माण कराने की मांग रखी।

इसी प्रकार फुरलक के लोगों ने गांव के अड्डे से माता मंदिर तक रास्ता पक्का कराने, खेल के मैदान की चहारदीवारी और ग्राम सचिवालय का निर्माण कराने और बीजना के लोगों ने अंबेडकर भवन पर हॉल बनवाने की मांग की। इस प्रकार मेरठ रोड से पहलवान के डेरे तक रास्ता पक्का करने की मांग भी रखी गई। कल्याण ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं व मांगों पर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजकुमार पालीवाल, नगर पालिका सचिव रवि प्रकाश शर्मा, पंचायती राज विभाग के एक्सईएन प्रदीप धीमान, एसडीओ जयभगवान, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम से कार्यकारी अभियंता राजीव ढिल्लों, एचएचवीपी के एसडीओ सुभाष आदि मौजूद रहे।

जिला प्रशासन के सहयोग से मिला ईडब्ल्यूएस फ्लैट का कब्जा, लाभार्थी अर्चना कुमारी ने मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन का जताया आभार

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार की जनहितकारी नीतियों एवं जिला प्रशासन फरीदाबाद के सतत प्रयासों से एक और पात्र लाभार्थी को राहत मिली है। ईडब्ल्यूएस आवास योजना की लाभार्थी अर्चना कुमारी को उनके आवंटित फ्लैट की चाबी प्राप्त होने पर उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा जिला प्रशासन फरीदाबाद के प्रति आभार व्यक्त किया। अर्चना कुमारी ने बताया कि उन्हें सेक्टर-86 स्थित ओमैक्स हाइट्स में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अंतर्गत फ्लैट आवंटित हुआ था। लंबे समय से फ्लैट का कब्जा मिलने में आ रही कठिनाइयों के कारण उन्होंने अपनी समस्या जिला प्रशासन के समक्ष रखी। जिला प्रशासन द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग एवं बिल्डर से समन्वय स्थापित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें उनके आवंटित फ्लैट की चाबी प्राप्त हो गई। उन्होंने कहा कि अब उनके परिवार को स्थायी आवास मिलने से बड़ी राहत मिली है। यह उनके लिए केवल फ्लैट की चाबी नहीं, बल्कि वर्षों की प्रतीक्षा के बाद मिला एक नया आशियाना है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली और त्वरित पहल के कारण उनकी समस्या का समाधान संभव हो सका। अर्चना कुमारी ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी और संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था विकसित हुई है। उन्होंने जिला प्रशासन फरीदाबाद, विशेष रूप से उपायुक्त आयुष सिन्हा, अतिरिक्त उपायुक्त अंजलि श्रोत्रिया तथा इस प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारियों का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की तत्परता और सकारात्मक पहल के कारण उनकी लंबे समय से लंबित समस्या का समाधान संभव हो सका तथा उन्हें अपने आवंटित ईडब्ल्यूएस फ्लैट का कब्जा प्राप्त हुआ।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को प्रदेश के जींद से शुरू करना हरियाणा का सौभाग्य : श्याम सिंह राणा

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रधानमंत्री के 17 जुलाई के कार्यक्रम को लेकर की प्रेसवार्ता।

थानेसर : हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को प्रदेश के जींद से शुरू करना हरियाणा के लिए सौभाग्य की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से हाइड्रोजन ट्रेन के साथ-साथ कई सौगात प्रदेश को देंगे। इसमें कुरुक्षेत्र के रेलवे एलिवेटिड ट्रैक का उद्घाटन और सिख म्यूजियम का शिलान्यास भी शामिल है। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा शनिवार सायं भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन सुभाष कलसाना, चेयरमैन रविंद्र सांगवान, भाजपा नेता जयभगवान शर्मा डीडी, जिलाध्यक्ष रमेश सैनी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन से किसी भी प्रकार का प्रदूषण नहीं होगा, ईंधन की बचत होगी। इस ट्रेन में करीब 800 यात्री एक बार में यात्रा कर सकेंगे। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि इस दिन कुरुक्षेत्र में भी एक कार्यक्रम का आयोजन होगा, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के शिलान्यास किए गए एलिवेटिड रेलवे ट्रैक व स्टेशन का कार्य मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयास से पूरा हो चुका है। इस प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करके जनता को समर्पित करने वाले हैं। इस ट्रैक पर रेलगाड़ी का ट्रायल व अन्य सभी जरूरी कामों को पूरा कर लिया है। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से शहर के लोगों और बाहर से शहर में आने वाले नागरिकों को बहुत बड़ा लाभ होगा। शहर की पांच रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर से रेलवे एलिवेटिड ट्रैक तैयार किया गया है। अब रेलगाड़ी ऊपर की पटरी से होकर गुजरा करेगी और नीचे वाहनों के लिए मार्ग 24 घंटे खुला रहेगा। ऐसा होने से वाहन चालकों को जाम में नहीं फंसना पड़ेगा और सबसे बड़ी बात व्यापार में वृद्धि होगी।

रेलगाड़ी के ट्रायल से ही लोगों में बनी खुशी की लहर : सुभाष सुधा- पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों से रेलवे एलिवेटिड ट्रैक का उद्घाटन होगा। पिछले 7 सालों से इस ट्रैक को निर्माण चल रहा था। इसके शुरू होने का शहर के नागरिक इंतजार कर रहे थे। रेलगाड़ी के ट्रायल से ही लोगों में काफी खुशी की लहर है। कुरुक्षेत्र में 17 जुलाई को यूनिवर्सिटी में उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शहर के नागरिक इलेक्ट्रिक बसों, ई-रिक्शा और साइकिलों के माध्यम से इस कार्यक्रम में पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के लिए रेलवे ट्रैक व शहर को सजाया जाएगा। सुबह 8 बजे इस कार्यक्रम में शहर के नागरिक पहुंचे। इस कार्यक्रम में रेलवे एलिवेटिड ट्रैक का उद्घाटन होने के साथ-साथ सिख म्यूजियम का शिलान्यास भी किया जाएगा। जोकि शहर के विकास और इतिहास को चार चांद लगाने का कार्य करेगी।

कुरुक्षेत्र धर्मनगरी के साथ-साथ गुरुओं की भूमि रही हैं। इसी संदेश को विश्वभर में पहुंचाने के लिए यहां पर सिख म्यूजियम का निर्माण किया जा रहा है।

पार्टीबाजी से दूर रहें, सामूहिक कार्यों में सहयोग करें- कल्याण

पुंडरी में करीब सवा करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यासमहिला चौपाल बनवाने की घोषणा

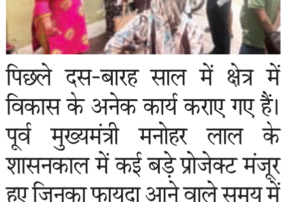

सुरेन्द्र पांचाल भेदी नजर घरौंडा:हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने ग्रामीणों से पार्टीबाजी से दूर रहने, सामूहिक विकास कार्यों में मिलजुल कर सहयोग करने, छोटे-मोटे विवादों को गांव स्तर पर निपटाने की अपील की। उन्होंने पुंडरी में महिला चौपाल बनवाने की घोषणा की और करीब सवा करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कल्याण ने आज घरौंडा हलके के गांव पुंडरी में करीब सवा करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस मौके पर गांव में उनका पुष्प गुच्छ देकर व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इससे पहले उन्होंने कश्यप चौपाल, पाल चौपाल, सामुदायिक केंद्र और पीर बाबा के नजदीक हॉल का शिलान्यास किया। इनका निर्माण पंचायत एवं विकास विभाग की ओर से कराया जाएगा जिन पर करीब सवा करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए उन्होंने ग्रामीणों को बधाई व शुभकामानाएं दी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को वे केवल मतदाता के रूप में नहीं बल्कि परिवार के रूप में देखते हैं। पिछले दस-बारह साल में क्षेत्र में विकास के अनेक कार्य कराए गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के शासनकाल में कई बड़े प्रोजेक्ट मंजूर हुए जिनका फायदा आने वाले समय में भावी पीढ़ियों को होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी अंत्योदय की भावना से काम कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से पार्टीबाजी से दूर रहने और सामूहिक कार्यों में मिलजुल कर काम करने के लिए कहा। कल्याण ने कहा कि चुनावी राजनीति चार दिनों की होती है। चुनाव के बाद आपसी मतभेद भुलाकर परिवार, गांव, समाज व राष्ट्र की प्रगति के लिए काम करना चाहिए। जिन गांवों में आपसी भाईचारा मजबूत है वहां तरक्की भी अधिक हुई है। गांव का माहौल अच्छा रखना जरूरी है। उन्होंने लोगों से गांव में साफ-सफाई की ओर विशेष ध्यान देने की भी अपील की। शिक्षित व संपन्न लोगों से कहा कि वे पात्र गरीब लोगों की सहायता करें ताकि उन्हें भी सरकारी की योजनाओं का लाभ मिल सके। विधानसभा अध्यक्ष ने गांव में महिला चौपाल बनवाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि गांव में लाईब्रेरी का होना समय की मांग है। इससे युवाओं को बहुत फायदा होगा। लाइब्रेरी के लिए पंचायत जमीन चिह्नित कर प्रस्ताव भिजवाए, मंजूरी वे दिलवाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब सिफारिश के आधार पर नौकरियां देने का समय बीत चुका है। मेरिट पर नौकरी दी जा रही है। पुंडरी गांव में भी करीब 38 युवाओं का नौकरी मिल चुकी है। नौकरी के लिए मेहनत जरूरी करनी पड़ती है। गांव की बेटियों को स्कूली शिक्षा अधूरी न छोड़नी पड़े इसलिए यहां के स्कूल का दर्जा बढाया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि गांव की ओर से आई नई मांगों को भी आगे बढ़ाया जाएगा। इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, पंचायती राज विभाग के एसडीओ जयभगवान, सरपंच सूरजभान, पूर्व चेयरमैन विनोद त्यागी भाजपा मंडल प्रभारी राजेश जोगी, महेंद्र कैमला आदि मौजूद रहे।

पेड़ हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग : विजय गुडियानी

छव्वा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित

रेवाड़ी, (दयावान कोसली) प्रेरणा सामाजिक संस्था कोसली, ग्राम पंचायत एवं समस्त ग्रामवासी छव्वा के तत्वावधान में ग्राम सचिवालय छव्वा में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी विजय गुड़ियानी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी से हुआ, जिसमें क्षेत्र के विलुप्त एवं विलुप्तप्राय पौधों के संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सोमदत्त ने औषधीय एवं पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों के बारे में जानकारी देते हुए जाटी, बड़, पीपल, नीम, रूहेड़ा, जाल, केर एवं फिरास जैसे पारंपरिक पौधों के संरक्षण पर बल दिया। मुख्य अतिथि विजय गुड़ियानी ने कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने, उनकी देखभाल करने तथा पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने का आह्वान किया। उन्होंने 'भाई सुखबीर के नाम एक पेड़' अभियान की सराहना करते हुए स्वर्गीय भाई सुखबीर को समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान 'भाई सुखबीर के नाम एक पेड़' अभियान के तहत 101 पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया। साहित्यकार सत्यवान 'सत्य' एवं अशोक ढोरिया ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को जागरूक किया। संस्था के प्रधान धर्मवीर शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था की आगामी सामाजिक एवं पर्यावरणीय गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. महावीर सिंह 'निर्दोष' ने किया। इस अवसर पर पंकज यादव, सरपंच प्रतिनिधि शमशेर सिंह, संस्था संरक्षक गुरदयाल सिंह, महासचिव डॉ. सतबीर इंदौरा, श्याम, ओमप्रकाश डाबला, फकीरचंद, कैप्टन रामफल, देवेंद्र सिंह, हुकम सिंह, निशांत, हिम्मत सिंह, दयानंद आर्य, अमित अमन, दयाराम, निर्मल सिंह, सत्यवान, रामगोपाल राठी, बलवान सिंह, महेश कुमार सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

बहरोड़ : 7 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षक संघ मुखर, मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की दी चेतावनी

बहरोड़। राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ उपशाखा बहरोड़ के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने अपनी लंबे समय से लंबित 7 सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री के नाम बहरोड़ तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक अध्यक्ष रामभरोस यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिक्षक और संगठन के कार्यकर्ता उपखंड कार्यालय पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षक संगठन ने राज्य सरकार से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, शिक्षकों की सेवा संबंधी विसंगतियों व समस्याओं का स्थायी समाधान करने तथा लंबित मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की पुरजोर मांग की। शिक्षक प्रतिनिधियों ने कहा कि उनकी विभिन्न मांगें लंबे समय से ठंडे बस्ते में हैं, जिनका समय पर निस्तारण होना बेहद आवश्यक है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इन मांगों पर शीघ्र ही कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो शिक्षक संगठन आगे उग्र आंदोलन की रणनीति बनाने के लिए बाध्य होगा। इस दौरान संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणवीर सिंह यादव, सज्जन सिंह, सत्येंद्र यादव, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष जसवंत सिंह, जिला अध्यक्ष जयद्रथ यादव, सभा अध्यक्ष बुध सिंह यादव, मंत्री मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, अमित कुमार, विनोद कुमार, उप प्राचार्य सतीश कुमार, वीरेंद्र लंबा, विजयलक्ष्मी यादव, दीक्षा यादव, व्याख्याता सुशीला यादव, अजीत सिंह, नरेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, पप्पूराम नागर, अनूप कुमार, कृष्ण सिरोहीवाल, वीरेंद्र प्रजापत और बिजेंद्र सहित राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के सैकड़ों शिक्षक व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षक प्रतिनिधियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे स्कूलों में शिक्षा के स्तर को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए पूरी निष्ठा से जुटे हैं, लेकिन सरकार को भी उनकी सेवा संबंधी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करना चाहिए। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद तहसीलदार ने शिक्षक प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी भावनाओं और 7 सूत्रीय मांगों के इस ज्ञापन को नियमानुसार मुख्यमंत्री तक तुरंत पहुंचा दिया जाएगा।

जैसलमेर रेलवे स्टेशन पूरी तरह तैयार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया पुनर्विकसित

जैसलमेर। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत लगभग 140 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित जैसलमेर रेलवे स्टेशन पूरी तरह तैयार है। हेरिटेज वास्तुकला और अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित यह स्टेशन पश्चिमी राजस्थान की नई पहचान बनने जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार जैसलमेर रेलवे स्टेशन का नया मुख्य स्टेशन भवन त+2 संरचना में लगभग 8,327 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्मित किया गया है। भवन के बाहरी भाग में जैसलमेर के प्रसिद्ध स्वर्णिम पीले पत्थर का उपयोग किया गया है, जिससे स्टेशन को शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के अनुरूप भव्य हेरिटेज स्वरूप मिला है। विशाल प्रवेश एवं निकास द्वार इसकी आकर्षक पहचान को और सशक्त बनाते हैं।

स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए 10 लिफ्ट, 10 एस्केलेटर, प्लेटफॉर्मों को जोड़ने वाले 6 मीटर चौड़ाई के दो फुट ओवरब्रिज, विशाल एयर कॉनकोर्स, आधुनिक प्रतीक्षालय, विस्तृत सर्कुलेटिंग एरिया, सुव्यवस्थित पार्किंग, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं तथा 480 वर्गमीटर वाणिज्यिक क्षेत्र विकसित किया गया है। तीनों प्लेटफॉर्मों पर 10 हजार वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में आधुनिक शेड लगाए गए हैं, जिससे यात्रियों को हर मौसम में बेहतर सुविधा मिलेगी।

जैसलमेर क्षेत्र में पर्यटन सीजन के दौरान होने वाले उच्च यात्री आवागमन की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप स्टेशन की सभी प्रमुख वाणिज्यिकी परिसंपत्तियों के आवंटन का सफलतापूर्वक आउटसोर्स किया जा चुका है। जिनमें से स्टेशन परिसर में स्थापित कियोस्कों, रिटायरिंग रूम एवं डॉरमेटरी, एयर कॉनकोर्स से सटे वेटिंग लाउंज एवं मल्टी-पर्पज हॉल तथा आधुनिक वाहन पार्किंग सुविधाएं विकसित की गई है।

इसी प्रकार जैसलमेर रेलवे स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट एवं कैटरिंग स्टॉलों की सुविधाएं भी विकसित की गई है। इन वाणिज्यिकी परिसंपत्तियों के प्रभावी उपयोग से रेलवे को प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख रुपये की गैर-किराया आय प्राप्त होने का अनुमान है। यह उपलब्धि जैसलमेर रेलवे स्टेशन की परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग से गैर-किराया राजस्व में वृद्धि तथा यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नीमराना : शुभ गृह सोसायटी के बाहर शिक्षक पर जानलेवा हमला, मरा हुआ समझकर भागे बेखौफ बदमाश, वारदात सीसीटीवी में कैद

नीमराना। औद्योगिक क्षेत्र नीमराना के सिलारपुर रोड पर बदमाशों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि उन्होंने सरेआम एक शिक्षक पर जानलेवा हमला कर दिया। शुभ गृह सोसायटी के बाहर बेखौफ बदमाशों ने मास्टर रवि चौहान (रविन्द्र चौहान) के साथ बेहद बेरहमी से मारपीट की। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश शिक्षक को मृत समझकर अपनी कार और बाइक से मौके से फरार हो गए। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली मारपीट की पूरी घटना पास में लगे एक सीसीटीवी (ष्टष्टञ्जङ्क) कैमरे में कैद हो गई है। खून से लथपथ और गंभीर रूप से घायल मास्टर रविन्द्र चौहान को आनन-फानन में नीमराना के सतीश हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। अस्पताल पहुंची पुलिस, जांच शुरू दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत सतीश हॉस्पिटल पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने घायल शिक्षक के स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिजनों व प्रत्यक्षदर्शियों से मामले की पूरी जानकारी जुटाई।

लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब समाज के सभी वर्गों को समान अवसर मिलेंगे - पूर्व सांसद डीपी यादव

जयपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक महासंघ (NUBC) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डी.पी. यादव ने अपने एक दिवसीय जयपुर प्रवास के दौरान एक प्रेस ?को संबोधित किया । उन्होंने कहा कि कहा कि NUBC देश के सबसे पुराने सामाजिक न्याय संगठनों में से एक है, जो अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), अनुसूचित जाति (SC), जनजाति (ST) तथा अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा तथा उनके समग्र उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत है। यादव ने कहा कि संविधान में सामाजिक न्याय की भावना को सर्वोच्च स्थान दिया गया है, किंतु आज भी देश के अनेक राज्यों में पिछड़े, दलित, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक समुदायों को उनके अधिकारों से पूर्ण रूप से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से राजस्थान का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की सेवाओं एवं संस्थानों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, जबकि राजस्थान में वर्तमान में केवल 21 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। यह सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ स्पष्ट अन्याय एवं भेदभाव है। उन्होंने राजस्थान सरकार से मांग की कि राज्य में भी अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण को तत्काल 27 प्रतिशत किया जाए, ताकि युवाओं को सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य अवसरों में समान भागीदारी प्राप्त हो सके। उन्होंने

कहा कि सामाजिक और आर्थिक समानता स्थापित करने के लिए यह कदम अत्यंत आवश्यक है।

यादव ने कहा कि देश एवं प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी लगभग 50 प्रतिशत से अधिक मानी जाती है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की भी बड़ी जनसंख्या है, किंतु उनकी जनसंख्या के अनुरूप राजनीतिक प्रतिनिधित्व, प्रशासनिक सेवाओं, सार्वजनिक संस्थानों एवं नीति-निर्माण में पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब समाज के सभी वर्गों को समान अवसर एवं सम्मानजनक प्रतिनिधित्व प्राप्त होगा।

यादव ने कहा कि देश एवं प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी लगभग 50 प्रतिशत से अधिक मानी जाती है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति एवं जनजाति की भी बड़ी जनसंख्या है, किंतु उनकी जनसंख्या के अनुरूप राजनीतिक प्रतिनिधित्व, प्रशासनिक सेवाओं, सार्वजनिक संस्थानों एवं नीति-निर्माण में पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब समाज के सभी वर्गों को समान अवसर एवं सम्मानजनक प्रतिनिधित्व प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि NUBC पिछले सात दशकों से सामाजिक न्याय की लड़ाई को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीकों से आगे बढ़ा रहा है। संगठन का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना, शिक्षा को बढ़ावा देना, युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार के लिए प्रेरित करना, महिलाओं के सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में समान अवसर सुनिश्चित कराने के लिए निरंतर प्रयास करना है।उन्होंने बताया कि महासंघ समय-समय पर राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मेलन, संगोष्ठियां, जनजागरण अभियान, प्रशिक्षण शिविर, विधिक सहायता शिविर, सामाजिक समरसता कार्यक्रम तथा अधिकार जागरूकता अभियान आयोजित करता है। संगठन समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के हितों की रक्षा के लिए सरकारों के समक्ष रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत करता है तथा आवश्यक होने पर लोकतांत्रिक तरीके से जनआंदोलन भी संचालित करता है।

अलवर सांसद और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का वीडियो वायरल, दिल्ली के बंगले और अलवर की बदहाली की तुलना कर लोगों ने जताया आक्रोश

अलवर/नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल मचा दी है। इस वीडियो में अलवर के सांसद और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के दिल्ली स्थित आलीशान सरकारी बंगले और उनके संसदीय क्षेत्र अलवर की जमीनी हकीकत की तुलना की गई है। इस वीडियो को साझा करते हुए स्थानीय नागरिकों और नेटिजन्स ने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर गहरा दर्द और आक्रोश व्यक्त किया है। वायरल वीडियो में लोग एक तरफ जहाँ केंद्रीय मंत्री के दिल्ली वाले आवास की सुख-सुविधाओं को दिखा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ अलवर संसदीय क्षेत्र के विभिन्न इलाकों की बदहाली को उजागर कर रहे हैं। सफाई, सड़कें और बुनियादी सुविधाओं का अभाव

सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने वाले स्थानीय निवासियों का कहना है कि अलवर के कई इलाकों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। क्षेत्र में चारों तरफ गंदगी के ढेर लगे हैं और नियमित सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप है। इसके अलावा, सड़कें जगह-जगह से टूटी हुई हैं, जिससे आमजन को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोगों का आरोप है कि जनता की बुनियादी जरूरतों—जैसे साफ पानी, अच्छी सड़कें और जल निकासी—पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वीडियो देखने के लिए यहां क्लिक कीजिए

वीडियो के साथ लोग सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। आमजन का कहना है कि जनता ने भारी उम्मीदों के साथ भूपेंद्र यादव को वोट देकर संसद भेजा था। लेकिन आज स्थिति यह है कि जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है, जबकि उनके प्रतिनिधि दिल्ली में तमाम सुख-सुविधाओं के साथ रह रहे हैं। लोगों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताते हुए कहा कि यह सीधे तौर पर उनके साथ वादाखिलाफी है।

उदयपुर में एसीबी की बड़ी कार्रवाई : चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक के लिए 30,000 रुपये की घूस लेते दलाल गिरफ्तार, डॉक्टर फरार

उदयपुर, एजेंसी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी बांसवाड़ा इकाई ने शुक्रवार, 10 जुलाई 2026 को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने उदयपुर में कार्रवाई करते हुए डॉक्टर रतन बिलवाल (संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं जोन, उदयपुर) के लिए उनके दलाल अब्दुल कादिर को 30,000 रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई की भनक लगते ही आरोपी डॉक्टर कार्यालय से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविंद गुप्ता ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी बांसवाड़ा को एक परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी। शिकायत में बताया गया कि परिवादी के लैब में सोनोग्राफी मशीन के उपयोग के लिए रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर का नाम जोड़ने और उसकी रजिस्ट्रेशन स्वीकृति जारी करने की एवज में संयुक्त निदेशक अपने दलाल के माध्यम से 1,30,000 रुपये की रिश्वत मांगकर परेशान कर रहे थे। शिकायत मिलने पर जब रिश्वत की मांग का सत्यापन करवाया गया, तो आरोपी डॉक्टर रतन बिलवाल द्वारा अपने दलाल अब्दुल कादिर के माध्यम से 30,000 रुपये लेने की सहमति व्यक्त कर रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई।

इसके बाद एसीबी के उप महानिरीक्षक डॉक्टर रामेश्वर सिंह के सुपरविजन और रतनसिंह राजपुरोहित (पुलिस उप अधीक्षक, एसीबी बांसवाड़ा) के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने जाल बिछाया। टीम ने आज घेराबंदी कर आरोपी के दलाल अब्दुल कादिर को डॉक्टर रतन बिलवाल के लिए 30,000 रुपये की रिश्वत राशि गिनकर ग्रहण करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

भनक लगते ही रिश्वत के पैसे छोड़ भागा दलाल, डॉक्टर भी फरार

कार्रवाई के दौरान दलाल को एसीबी की भनक लग गई, जिसके चलते वह रिश्वत की राशि परिवादी के कार्यालय में ही छोड़कर भागने लगा। हालांकि, परिवादी से आरोपी डॉक्टर रतन बिलवाल और दलाल अब्दुल कादिर की रिश्वत मांग में स्पष्ट संलिप्तता पाए जाने पर टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए दलाल को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी ओर, मुख्य आरोपी डॉक्टर रतन बिलवाल को भी कार्रवाई की भनक लग गई और वह अपने कार्यालय से फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज – एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक एस परिमला के सुपरविजन में आरोपी दलाल अब्दुल कादिर से फिलहाल पूछताछ और अग्रिम कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे का अनुसंधान किया जाएगा।

लगातार बन रहा निवेशकों की पहली पसंद, 267 करोड़ रूपये के 177 भूखण्ड होंगे आवंटित

जयपुर, एजेंसी । राज्य सरकार की उद्योग एवं निवेश संवर्द्धन नीतियों का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। निवेशकों का बढ़ता विश्वास इस बात का प्रमाण है कि उद्यमी अब अन्य राज्यों की अपेक्षा राजस्थान में निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण रीको द्वारा हाल ही में आयोजित भूखण्ड नीलामी (ऑक्शन) में देखने को मिला। इसमें रीको को 184 भूखण्डों के लिए 481 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए। 177 भूखण्डों पर सफलतापूर्वक बिडिंग संपन्न हुई जिनका क्षेत्रफल करीब 36 एकड़ तथा मूल्य लगभग 267 करोड़ रुपये है। इस नीलामी में औद्योगिक भूखण्डों के साथ-साथ कियोस्क, होटल, वे-ब्रिज, स्कूल, दुकानें, पेट्रोल पंप तथा कमर्शियल शोरूम जैसी विभिन्न श्रेणियों के भूखण्ड भी उद्यमियों के लिए उपलब्ध कराए गए। नीलामी में अजमेर, अलवर, बालोतरा, बांसवाड़ा, बोरानाडा, जयपुर, झालावाड़, पाली, कोटा,

सवाई माधोपुर और उदयपुर सहित अनेक जिलों के औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल किया गया।

इन भूखण्डों पर स्थापित होने वाली औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयां न केवल राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देंगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के व्यापक अवसर भी सृजित करेंगी। इससे प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिलने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार उद्यमिता और औद्योगिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री की मंशा है कि राजस्थान के अधिकाधिक युवा स्वयं उद्यम स्थापित करें और रोजगार प्राप्त करने वाले नहीं, बल्कि रोजगार उपलब्ध कराने वाले बनें। इसी विजन को साकार करने के लिए रीको अपनी प्रक्रियाओं और नीतियों का लगातार सरलीकरण करते हुए उद्योग स्थापना को अधिक सुगम बना रहा है।

उन्होंने बताया कि भूखण्ड आवंटन के साथ-साथ रीको फ्लेटेड फैक्ट्री में प्लग एंड प्ले मॉड्यूल भी लाइसेंस फीस के आधार पर उपलब्ध करा रहा है, जिससे उद्यमी कम लागत और कम समय में अपनी औद्योगिक इकाई प्रारंभ कर सकें। सीतापुरा स्थित फ्लेटेड फैक्ट्री में 6 मॉड्यूल के लिये 8 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनसे रीको को प्रतिमाह लगभग 1.50 लाख रुपये (जीएसटी अतिरिक्त) का राजस्व प्राप्त होगा। इन मॉड्यूल्स में मध्यम एवं लघु उद्योग स्थापित होंगे। रीको का उद्देश्य मॉड्यूल के माध्यम से कम लागत में उद्यमियों को आधुनिक औद्योगिक अवसंरचना उपलब्ध कराकर अधिकाधिक उद्योगों को धरातल पर स्थापित करना है।

भ्रामक प्रचार पर भिवाड़ी में बड़ी कार्रवाई : वरुण बेवरेजेस से स्टिंग एनर्जी की 21,200 केन सीज, FSSAI नियमों के उल्लंघन का मामला

भिवाड़ी, एजेंसी। राजस्थान में चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण डॉ. टी. शुभमंगला और जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश के निर्देशानुसार, गुरुवार को सीएमएचओ खैरथल की फूड सेफ्टी टीम ने भिवाड़ी स्थित 'वरुण बेवरेजेस लिमिटेड' पर छापा मारा. टीम ने मौके से नामी ब्रांड 'स्टिंग एनर्जी' कैफिनेटेड बेवरेज की कुल 21,200 केन सीज की हैं. अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) खैरथल, डॉ. अरविंद गेट ने बताया कि जब्त की गई 180 स्रू की इन 21,200 बोतलों/केन पर 'स्टीमूलेट्स माइंड' (Stimulates Mind), 'एनरजाइज बॉडी' (Energizes Body) और 'सेम ग्रेट टेस्ट' (Same Great Test) जैसी भ्रामक सूचनाएं और दावे अंकित पाए गए थे.

खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने इस कार्रवाई के कानूनी और तकनीकी पहलुओं को स्पष्ट करते हुए बताया:

भ्रामक लेबलिंग प्रतिबंधित: फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) के नियमों के अनुसार, किसी भी कैफिनेटेड बेवरेज (अधिक कैफीन युक्त पेय) के लेबल पर 'स्टीमूलेट्स माइंड', 'एनरजाइज बॉडी', 'एनर्जी ड्रिंक' या 'स्पोर्ट्स ड्रिंक' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना भ्रामक प्रचार की श्रेणी में आता है.

कंपनियों को मिल चुके हैं नोटिस: भारत सरकार की शीर्ष संस्था FSSAI (नई दिल्ली) द्वारा हाल ही में ऐसी भ्रामक लेबलिंग करने वाली बेवरेज उत्पादनकर्ता कंपनियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं.

खाद्य सुरक्षा टीम ने नियमों के उल्लंघन पर 'स्टिंग' के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं.

भरतपुर पुलिस और बदमाशों के बीच यूपी सीमा पर मुठभेड़: 25-25 हजार के दो इनामी शूटर पैर में गोली लगने के बाद दबोचे

भरतपुर, एजेंसी। भरतपुर शहर में पिछले दिनों व्यापारियों पर सरेआम हुई फायरिंग, हत्या और सनसनीखेज लूट के प्रयासों का पर्दाफाश करते हुए भरतपुर जिला पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से दो मुख्य आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। भरतपुर रेंज महानिरीक्षक कैलाश चंद्र विश्नोई के प्रभावी सुपरविजन और जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा के दिशा-निर्देशन में यह बड़ी सफलता चिकसाना थाना पुलिस, डीएसटी और साइबर सेल की संयुक्त टीम को मिली है।

पुलिस की गिरफ्त में आए दोनों बदमाश 25-25 हजार रुपये के वांछित इनामी अपराधी हैं, जिन्होंने शहर में कानून-व्यवस्था को चुनौती दी थी। पकड़े गए बदमाशों की पहचान प्रवीण उर्फ बॉबी पुत्र मान सिंह (35) और बलराम उर्फ बल्लू पुत्र अजय सिंह (21) निवासी सौरोठ का वास कासौट थाना सदर डीग जिला डीग के रूप में हुई है।

एसपी मीणा ने बताया कि 04 जुलाई की रात को चिकसाना थाना क्षेत्र में मारुति नंदन बीएड कॉलेज के पास बाइक सवार बदमाशों ने व्यवसायी प्रमोद कुमार मित्तल पर लूट के इरादे से जानलेवा फायरिंग की थी, जिसमें गोली उनकी पीठ में लगी थी। इसके तुरंत बाद बदमाशों ने सेवर थाना क्षेत्र के अनाह गेट निवासी बर्तन व्यापारी चंद्रभान से 5 लाख रुपये से भरा बैग लूटने का प्रयास किया।

दोनों ही घटनाओं में व्यापारियों ने अदम्य साहस दिखाते हुए बदमाशों का डटकर विरोध किया, जिससे

घबराकर बदमाशों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। पेट में गोली लगने के कारण इलाज के दौरान बर्तन व्यवसायी चंद्रभान की मृत्यु हो गई थी। इन दो लगातार वारदातों के बाद स्थानीय व्यापारियों और जनता में भारी आक्रोश व्याप्त था, जिसे एसपी राजेश कुमार मीणा ने एक चुनौती के रूप में लिया। बदमाशों की धरपकड़ के लिए गठित विशेष टीमों ने घटनास्थल और बदमाशों के भागने के मार्गों पर लगे करीब 400 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी और मानवीय आसूचना के आधार पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों की पहचान की और डीग जिला पुलिस के सहयोग से उनके ठिकानों पर दबिश देना शुरू किया।

पुलिस ने सबसे पहले इस वारदात में शामिल आरोपी महेश उर्फ शैलू (22) निवासी कासौट, डीग को दस्तयाब किया। महेश ने कड़ाई से की गई पूछताछ में अपने दोनों साथियों प्रवीण उर्फ बॉबी और बलराम के इस खौफनाक कांड में शामिल होने का राज उगल दिया।

सूचना पुख्ता होते ही वृत्ताधिकारी वृत्त ग्रामीण कन्हैयालाल के नेतृत्व में चिकसाना थानाधिकारी बृजेश कुमार मीणा मय टीम उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर पहुंचे। वहां पुलिस टीम को देखकर भाग रहे प्रवीण और बलराम को चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया गया और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई।

बुलंदशहर से दोनों आरोपियों को लेकर जब पुलिस टीम शुक्रवार 10 जुलाई को वापस भरतपुर आ रही थी, तभी गांव नगला केवल के पास दोनों आरोपियों ने लघुशंका के लिए गाड़ी रुकवाई। लघुशंका के दौरान मुख्य आरोपी प्रवीण उर्फ बॉबी ने अचानक पुलिस जाब्ते पर झपट्टा मारकर सरकारी पिस्टल छीन ली और भागने की कोशिश की। खुद को घिरता देख प्रवीण ने थानाधिकारी बृजेश कुमार मीणा पर जानलेवा नियत से दो राउंड सीधे फायर ठोक दिए। सौभाग्य से एक गोली थानाधिकारी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर जाकर लगी, जिससे उनकी जान बाल-बाल बची।

पुलिस टीम ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए आत्मरक्षार्थ और जवाबी फायरिंग की। पुलिस की गोली सीधे आरोपी प्रवीण उर्फ बॉबी के पैर में जा लगी और वह वहीं गिर गया। इसी दौरान उसका दूसरा साथी बलराम पुलिस को देखकर भागने लगा, लेकिन हड़बड़ाहट में वह पत्थरों से टकरा गया, जिससे उसके पैर में भी गंभीर चोट आ गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को मौके पर ही दोबारा दबोच लिया।

ऑफिस जॉब से कतराने वाले ऑनलाइन जॉब्स कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

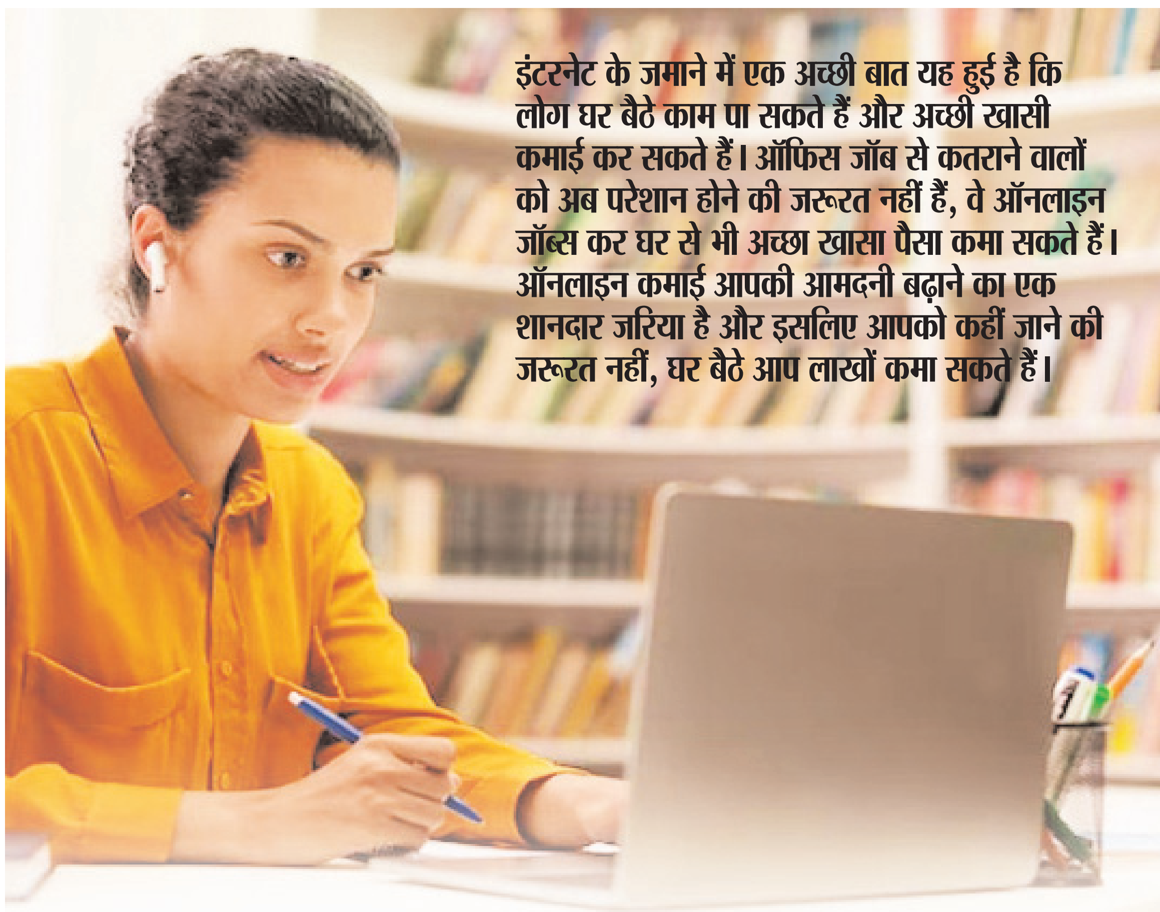

इंटरनेट के जमाने में एक अच्छी बात यह हुई है कि लोग घर बैठे काम पा सकते हैं और अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। ऑफिस जॉब से कतराने वालों को अब परेशान होने की जरूरत नहीं हैं, वे ऑनलाइन जॉब्स कर घर से भी अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। ऑनलाइन कमाई आपकी आमदनी बढ़ाने का एक शानदार जरिया है और इसलिए आपको कहीं जाने की जरूरत नहीं, घर बैठे आप लाखों कमा सकते हैं।

ऑनलाइन सेलिंग

आप ऑनलाइन सेलिंग के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं। ऐसे कई लोग हैं जो अपने प्रॉडक्ट को अमेजन, फ्लिपकार्ट, ईबे जैसी बड़ी शॉपिंग वेबसाइट्स पर बेचकर लाखों कमा रहे हैं। आपको सबसे पहले तय करना होगा कि कौन-सा प्रोडक्ट सेल करना चाहते हैं। इसके बाद इन साइट्स पर साइनअप करें और अपने प्रोडक्ट को बेचना शुरू कर दें। आपके ऑर्डर आपके मेल बॉक्स में आ जाएंगे और आपको इन्हें कुरियर कंपनी के माध्यम से डिलीवर करने होंगे।

यूट्यूब से कमाएं

अभी तक भले ही आपने यूट्यूब का इस्तेमाल केवल मनोरंजन के लिए किया है तो अब जरा इसका दूसरा पहलू देख लें। आप यूट्यूब के माध्यम से अच्छा खास पैसा भी कमा सकते हैं। इसके लिए आपको इसके लिए यू-ट्यूब पर एक चैनल बनाना होगा और फिर उस पर यूनिक वीडियो अपलोड करनी होंगी। इसके बाद गूगल एडसेंस का अप्रूवल लेकर अपने हर वीडियो से आप पैसे कमा सकते हैं। जितना अधिक आपकी वीडियो देखी जाएगी, उतना ही पैसा आप कमाएंगे।

माइक्रो जॉब्स

माइक्रो जॉब्स का सीधा सा मतलब छोटे-छोटे टास्क पूरा करने से है। छोटे-छोटे काम पूरा करने में आपको कुछ ही सेकंड्स लगेंगे लेकिन अच्छी कमाई भी होगी।

ब्लॉगिंग

यह एक शानदार जॉब है। अगर आपको लिखने का शौक है तो ब्लॉगर के तौर पर आप घर बैठे अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप एक पेड ब्लॉग भी बना सकते हैं। अगर आपका अपना ब्लॉग है तो आप अपने ब्लॉग पर कई प्रोडक्ट्स का प्रचार कर सकते हैं। कई कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स के प्रचार के लिए पैसा देती है।

कैसे करें आइलेट्स की तैयारी

आप अक्सर लोगों को आइलेट्स की तैयारी के बारे में बात करते देखते होंगे। हो सकता है कि आपके बच्चे भी आइलेट्स की तैयारी कर रहे हों। आइलेट्स की परीक्षा ऑस्ट्रेलिया, यूके, न्यूजीलैंड, यूएसए और कनाडा जैसे अंग्रेजी बोलने वाले देशों शिक्षा के लिए जरूरी होती है। भारत में रहने वाले ढेर सारे बच्चे हर साल इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। इस आर्टिकल में जानते हैं कि आइलेट्स की तैयारी कैसे करनी चाहिए। साथ ही किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

आइलेट्स का सिलेबस

आइलेट्स का सिलेबस आसान भी होता है और मुश्किल भी। परीक्षा को 4 भाग में विभाजित किया गया है जिसमें रीडिंग, स्पीकिंग, राइटिंग और लिस्टनिंग शामिल है। इन चारों मुख्य बिंदु के साथ-साथ आपको जर्नल नॉलेज पर भी अच्छी कमांड रखनी चाहिए।

सबसे पहले पेपर को समझें

आइलेट्स की परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों के पास 2 घंटे 45 मिनट का समय होता है। इस दौरान रीडिंग, राइटिंग, स्पीकिंग और लिसनिंग जैसे चरण पार करने होते हैं। कोशिश करें कि आप इस फॉर्मेट को समझें और उसी के मुताबिक पेपर की तैयारी करने की कोशिश करें। समय सीमा को दिमाग में रखकर तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए आईलेट्स की परीक्षा क्लियर करना थोड़ा आसान होता है।

रोजाना करें प्रैक्टिस

आइलेट्स समेत किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए जरूरी है कि आप रोजाना अभ्यास करें। लिखने, बोलने और सुनने से समझ आएगा कि आप कहां चुक रहे हैं। स्पीड को बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका भी रोजाना अभ्यास करना है।

ऑनलाइन फ्री क्लासेस का उठाएं फायदा

आज आपको ऑनलाइन फ्री क्लासेस के कई विकल्प मिल जाएंगे। यूट्यूब समेत कई प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन फ्री क्लासेस दी जाती हैं जहां से आप घर बैठे-बैठे पढ़ाई कर सकते हैं।

फ्री टेस्ट अटेम्प्ट करें

सिर्फ तैयारी करने से ही नहीं बल्कि अपनी तैयारी को देखने के लिए टेस्ट भी दें। टेस्ट देने से आपकी तैयारी किस दिशा में जा रही है और आपको कितने तैयारी की जरूरत है या साफ हो जाता है।

डीप लर्निंग इंजीनियर के लिए विभिन्न क्षेत्रों में हैं नौकरी के अवसर

करियर में इन लर्निंग से कम समय में बेहिसाब सफलता मिल सकती है। यह निश्चित रूप से संभव है, लेकिन इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। सबसे पहले, आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसमें आपकी रुचि और प्रतिभा हो। अगर आप किसी क्षेत्र में रुचि नहीं रखते हैं, तो आपको सफल होने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आप इन आसान तरीकों से करियर में गोल सेट कर सकते हैं और लर्निंग हासिल कर सकते हैं।

कैरियर काउंसलर के मुताबिक कृत्रिम मेधा ने मशीनी दुनिया को एक नई पहचान दी है। इसके नए-नए आविष्कारों से लोगों को न सिर्फ सहूलियत मिल रही है, बल्कि तकनीकी विकास से हाल के दौर में इससे जुड़े क्षेत्र युवाओं में भी काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। आज युवा मशीन लर्निंग व डीप लर्निंग की बात कर रहे हैं। मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम मेधा का एक भाग है। वहीं डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग का एक भाग होने के साथ एक मल्टी न्यूरल नेटवर्क भी है, जो मस्तिष्क की संरचना और कार्य से प्रेरित होता है और उसे मशीन में उतारने की कोशिश करता है।

सुनियोजित तरीके से क्यों रखे कदम

डीप लर्निंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप 12वीं साइंस स्ट्रीम से करने के बाद जेईई मेन, जेईई एडवांस्ड जैसी प्रवेश परीक्षाएं देकर बीटेक और बी ई ग्रेजुएशन कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। स्नातक करने के बाद अगर आप इस क्षेत्र में अपने नॉलेज के लेवल को बढ़ाना चाहते हैं, तो पोस्ट ग्रेजुएशन में प्रवेश के लिए गेट परीक्षा देकर एमटेक और एम ई कर सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स के क्या हैं फायदे

डीप लर्निंग के क्षेत्र में अपनी योग्यता को बढ़ाने के लिए आप ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पीजी में मशीन लर्निंग एंड बिग डाटा एनालिटिक्स, बिग डाटा आदि सब्जेक्ट में सर्टिफिकेट कोर्स कर के अपने करियर को शेप दे सकते हैं। ये सर्टिफिकेट कोर्स न केवल आपकी योग्यता को बढ़ाने में मदद करेंगे, बल्कि इस क्षेत्र में आपको प्रैक्टिकल स्किल्स भी दिलाएंगे।

इंटर्नशिप से ऐसे करें शुरुआत

अगर आप डीप लर्निंग के क्षेत्र में अभी शुरुआती पड़ाव पर हैं, तो ऐसी कंपनियों की तलाश करें, जहां आप बतौर इंटर्न के तौर पर न्यूरल नेटवर्क, डाटा विश्लेषण और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में कार्य करके अपना अनुभव बढ़ा सकते हैं। इंटर्नशिप के साथ-साथ नेटवर्किंग में सक्रिय रहें, मजबूत ऑनलाइन मौजूदगी बनाएं और काम के क्षेत्र में अपने स्किल्स और क्रिएटिविटी को भी समय-समय पर अपने मैनेजर के सामने प्रजेंट करें। उन कंपनियों को तलाशें जहां न्यूरल नेटवर्क और मशीन लर्निंग में इंटर्नशिप की जा सकती हो। इससे आप अपनी प्लानिंग को आसानी से इंप्लिमेंट कर पाएंगे।

क्या है जरूरी योग्यताएं

डीप लर्निंग इंजीनियर बनने के लिए आपके पास औपचारिक शैक्षिक योग्यताओं के अलावा इस क्षेत्र से संबंधित कौशल का होना भी अनिवार्य है। आपको क्लाउड कंप्यूटिंग का ज्ञान, एल्गोरिदम की समझ और पाइथन, जावा, जावा स्क्रिप्ट जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज का ज्ञान होना बेहद जरूरी है।

संभावनाएं व सैलरी

एक डीप लर्निंग इंजीनियर के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी के अवसर मौजूद हैं, जिनमें सेवाएं शामिल हैं। वहीं, कैरियर काउंसलर का मानना है कि सफल करियर बनाने के लिए अलग-अलग अनुभव लेना, उन्हें समझना और उन अनुभवों से अपने आपको सही रास्ता दिखाना बहुत जरूरी होता है।

- सॉफ्टवेयर और सूचना सेवाएं
- मैन्युफैक्चरिंग
- वित्त व बीमा
- हेल्थ केयर एंड सोशल असिस्टेंट
- व्यावसायिक
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी

सैलरी पैकेज की बात की जाए, तो एक जूनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 50 हजार रुपये और सीनियर डीप लर्निंग इंजीनियर प्रतिमाह लगभग 80 हजार रुपये तक कमा सकता है।

मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए अपॉर्च्युनिटीज की कमी नहीं

भारत मेडिकल टूरिज्म के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बना हुआ है। हर साल मेडिकल टूरिस्ट की संख्या में वृद्धि हो रही है और इसकी वजह से इस क्षेत्र में जॉब के मौके भी खूब देखे जा रहे हैं। माना जा रहा है कि दुनिया के दूसरे विकसित देशों के मुकाबले भारत में उपलब्ध सस्ते मेडिकल ट्रीटमेंट और एजुकेशन सर्विसेज के कारण यह मेडिकल टूरिज्म का ग्लोबल हब बन सकता है। 2028 तक हेल्थकेयर सेक्टर में करीब 40 मिलियन से ज्यादा जॉब जेनरेट होने का अनुमान है। साफ है कि मेडिकल टूरिज्म सेक्टर में युवाओं के लिए अपॉर्च्युनिटीज की कमी नहीं रहेगी।

क्या है मेडिकल टूरिज्म

छुट्टियों में लोग ऐसे स्थानों पर जाना चाहते हैं, जहां वे पर्यटन का लुत्फ तो उठा ही सकें, उनके शौक व स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो जाए। इस कारण से देश में ऐसे केंद्रों का विकास हो रहा है, जहां हीलिंग ट्रेडिशंस, आयुर्वेद, योग, मेडिटेशन, एरोमाथेरेपी, यूनानी व सिद्धा, होम्योपैथी, तिब्बती चिकित्सा, नेचुरोपैथी, एक्यूपंचर और एक्यूप्रेशर, जेम थेरेपी, रेकी हीलिंग, चक्र थेरेपी, बॉडी मसाज और ऑयल थेरेपीज की सुविधाएं उपलब्ध हैं। बड़ी ट्रैवल एजेंसियों में मेडिकल टूरिज्म का अलग विभाग होता है। मेडिकल टूरिज्म को मेडिकल ट्रैवल भी कहते हैं, जिसमें टूरिज्म इंडस्ट्री और मेडिकल केयर के सहयोग से विदेशी या देशी पर्यटकों को कम खर्च पर मेडिकल की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। ट्रीटमेंट के साथ-साथ सैलानियों को उस जगह या देश को एक्सप्लोर करने का मौका भी दिया जाता है। उन्हें अपने घर जैसा एहसास कराया जाता है। लोकेशन या ट्रीटमेंट प्रोसिजर के आधार पर मेडिकल वैकेशन में विदेशी सैलानियों की 10 से लेकर 50 प्रतिशत तक की बचत हो जाती है।

योग्यता

अगर आप मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो अगर आप इस फील्ड से रिलेटेड डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। कई इंस्टीट्यूट्स मेडिकल टूरिज्म में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एमबीए कोर्स संचालित करते हैं। कैंडिडेट को ट्रैवल और टूरिज्म इंडस्ट्री के साथ लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री की भी जानकारी दी जाती है। रेगुलर के अलावा ऑनलाइन और डिस्टेंस एजुकेशन के जरिए भी मेडिकल टूरिज्म से संबंधित कोर्स किए जा सकते हैं।

यूट्यूबर मनीष कश्यप कितनी संपत्ति के मालिक, ई 20 पेट्रोल को लेकर नितिन गडकरी के निशाने पर आए

नईदिल्ली, एजेंसी। बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उनकी सुर्खी का कारण ई 20 पेट्रोल है। हाल में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर किया था। उसमें उन्होंने दावा किया था कि उनकी टोयोटा कंपनी की कार के इंजन में

ई 20 पेट्रोल के इस्तेमाल के कारण खराबी आई है। इस मामले में उन्होंने टोयोटा कंपनी से भी सवाल पूछे थे, जिसके बाद में कंपनी ने जवाब दिए। मनीष ने इस मामले में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को भी कटघरे में खड़ा किया था। मनीष कश्यप बिहार से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। वह लाखों रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। मनीष कश्यप का असली नाम त्रिपुरारी कुमार तिवारी है। वह बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने पुणे की सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की, लेकिन नौकरी करने की बजाय सोशल मीडिया के जरिए पत्रकारिता शुरू की। उनका 'सच तक' नाम का चैनल काफी लोकप्रिय है, जहां लाखों लोग उन्हें फॉलो करते हैं। टोयोटा कंपनी ने मनीष कश्यप को दिए जवाब में कहा था कि इसमें ई 20 पेट्रोल से कोई खराबी नहीं आ सकती। कंपनी ने कहा कि गाड़ी में समस्या मिलावटी तेल की वजह से आ सकती है। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उनके आरोपों को झूठा करार दे दिया। गडकरी ने कहा कि टोयोटा कंपनी की ओर से की गई जांच में मनीष कश्यप के दावे झूठे पाए गए हैं।

कितनी है मनीष कश्यप की संपत्ति

बीजेपी छोड़ने के बाद मनीष कश्यप ने जून 2025 को एक इंटरव्यू में बताया था कि वह सिर्फ यूट्यूब से हर महीने 10 लाख रुपये से ज्यादा कमाते थे, लेकिन अब उनकी मासिक कमाई घटकर करीब 1 लाख 83 हजार रुपये रह गई है। उन्होंने जो हलफनामा पेश किया था।

यूएई में क्रूड ऑयल प्रोडक्शन ऑल टाइम हाई पर पहुंचने से बाजार में नरमी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम युद्ध विराम खत्म होने के बाद फिर से क्रूड महंगा हो गया था। लेकिन कल ही इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के हवाले से खबर आई कि संयुक्त अरब अमीरात में कच्चे तेल का उत्पादन ऑल-टाइम-हाई पर पहुंच गया है। इसके बाद इंटरनेशनल क्रूड मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें थोड़ी नरम हुईं। भारत में देखें तो यहां सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी शनिवार, 11 जुलाई 2026, को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया। अपने यहां 25 मई 2026 के बाद इनके दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

मई 2026 में 4 बार बढ़े हैं दाम

पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां इस साल मई में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ था। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके

बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक शनिवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है।

पश्चिम एशिया संकट की वजह से भारत की सरकारी तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जापानी ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने दो दिन पहले रिपोर्ट दी थी कि इस साल जून की तिमाही में एचपीसीएल बीपीसीएल और आईओसीएल को कुल मिलाकर 47,700 करोड़ तक का नुकसान हो सकता है। फर्म का अनुमान है कि एचपीसीएल को 13,900 करोड़ रुपये, बीपीसीएल को 15,800 करोड़ रुपये और आईओसीएल 17,300 करोड़ का एबिटा लॉस होगा। भारत में पेट्रोल-डीजल के भाव जब भी बदलते हैं, तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप स्स् के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल के कस्टमर ऋस्क के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता ऋस्क के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, एचपीसीएल उपभोक्ता के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

क्रूड ऑयल थोड़ा नरम

अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर खत्म होने के बाद कच्चे तेल में जो आग लगनी शुरू हुई थी, वह थोड़ी थमी है। कल ही इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी का अनुमान आया कि यूएई में क्रूड प्रोडक्शन ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। वहां इस साल मई में हर रोज 3.3 मिलियन बैरल क्रूड का उत्पादन हुआ था जो कि जून में बढ़ कर 4.1 मिलियन बैरल हो गया। यह उसका अभी तक का उच्चतम स्तर है। इसके बाद क्रूड ऑयल मार्केट में कुछ राहत दिखी। शुक्रवार को बाजार बंद होते समय स्टैंडर्ड माने जाने वाला 0.38 प्रतिशत या 0.29 डॉलर कम हो कर 76.01 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। अमेरिकी भी 0.93 प्रतिशत या 0.67 डॉलर नरम हो कर 71.41 डॉलर प्रति बैरल तक नीच आ गया।

सोना और एफसीए में खूब बढ़ोतरी, तभी तो विदेशी मुद्रा भंडार में 7.2 बिलियन का हुआ इजाफा

● पिछले सप्ताह दुनिया भर के बाजार में सोने के दाम बढ़े हैं

मुंबई, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर बढ़ोतरी की

खबर है। दरअसल, पिछले सप्ताह दुनिया भर के बाजार में सोने के दाम बढ़े हैं। साथ ही भारत में विदेशी निवेशकों का प्रवाह भी बढ़ा। इसका असर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दिखा है। इस सप्ताह सोने की वैल्यू में 2.6 अरब डॉलर से ज्यादा की वृद्धि हुई। साथ ही 4.5 से ज्यादा का एफसीए भंडार बढ़ा है।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 3 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 7.260 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 5.654 की कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 674.193 का हो गया है।

एफसीए भंडार में भारी बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 3 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में 4.510 की भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें मामूली 150 मिलियन डॉलर की कमी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर 545.578 का हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में भी बढ़ोतरी: आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के दाम बढ़े हैं। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में 2.669 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले सोने के दाम घटने से इसमें 5.394 की कमी हुई थी। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू बढ़ कर 105.205 का हो गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का था। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7 प्रतिशत बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार मामूली 65 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 89 मिलियन डॉलर की गिरावट हुई थी।

जून में एसआईपी 3 महीने के उच्चतम स्तर पर, इक्विटी एमएफ निवेश 26 प्रतिशत बढ़कर 28,973 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद जून में म्यूचुअल फंड निवेश में अच्छी तेजी दर्ज की गई। असोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के अनुसार, जून में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 28,973 करोड़ रुपये का नेट निवेश हुआ, जो मई के 22,908 करोड़ रुपये की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। निवेशकों को इन प्लान्स में और पैसा लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसी दौरान स्ढक्क के जरिए निवेश 27 करोड़ रुपये बढ़कर 31,781 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो तीन महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। पिछले साल जून के मुकाबले निवेश 17 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि डेट ओरिएंटेड स्कीम्स से 1.09

मई में यह निवेश 12 महीने के निचले स्तर पर आ गया था, लेकिन मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में जबरदस्त बढ़त ने रिटेल ट्रिलियन रुपये की निकासी के कारण जून में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में 52,949 करोड़ का नेट आउटफ्लो रहा।

मिडकैप और स्मॉलकैप का कमाल

इक्विटी कैटिगरी में मिडकैप फंड्स में सबसे अधिक 6,090 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद स्मॉलकैप फंड्स में 5,602 करोड़ रुपये, फ्लैक्सी कैप फंड्स में 5,231 करोड़ रुपये और लार्ज कैप फंड्स में 2,067 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया। वहीं डिविडेंड यील्ड फंड्स और इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम से निकासी हुई। म्युचुअल फंट के प्रेसिडेंट और हेड ऑफ इन्वेस्टमेंट सौरभ कटारिया ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू निवेशकों का भरोसा मजबूत बना हुआ है। जून में गोल्ड श्वञस्न में 3,443.23 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मई में 725.04 करोड़ रुपये की नेट निकासी हुई थी। मर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया की सीनियर एनालिस्ट नेहा मेश्राम ने कहा कि निवेशक पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए इसकी ओर लौटे हैं। मई में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 40 प्रतिशत गिरकर एक साल के निचले स्तर पर आ गया था, क्योंकि वेस्ट एशिया में संघर्ष के असर को लेकर चिंताओं के बीच निवेशकों ने एकमुश्त निवेश कम कर दिया था। समको म्यूचुअल फंड के विराज गांधी ने कहा, 'मिड-कैप और स्मॉल-कैप ने बेहतर प्रदर्शन किया और इसी मजबूती के कारण इनमें निवेश बढ़ा।

कम बारिश से महंगाई बढ़ेगी, किसानों की इनकम घटेगी

एस एंड पी ने भारत के लिए जारी किया बड़ा अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल कमजोर मॉनसून भारत के ग्रामीण इलाकों की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। रेटिंग एजेंसी ग्लोबल रेटिंग्स की एक नई रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि कम बारिश की वजह से आने वाले महीनों में किसानों की कमाई घट सकती है, खाने-पीने की चीजें महंगी हो सकती हैं और गांवों में सामानों की मांग सुस्त पड़ सकती है। एजेंसी का कहना है कि अगर इस सीजन में बारिश सामान्य से कम रहती है, तो खेती-किसानी के साथ-साथ खाद-कीटनाशक, ट्रैक्टर, टू-व्हीलर और छोटे कर्ज देने वाली कंपनियों पर इसका सबसे बुरा असर पड़ेगा। भारत में आज भी लगभग आधी कृषि भूमि सिंचाई के लिए पूरी तरह से बारिश पर निर्भर है और देश की कुल सालाना बारिश का 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मॉनसून से आता है। दोहरी मार झेल रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था इस समय दोहरी मार झेल रही है। एक तरफ सूखा मॉनसून और दूसरी तरफ वैश्विक तनाव के कारण खेती में इस्तेमाल होने वाली चीजों (जैसे खाद और बीज) की बढ़ती लागत। ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि पर्याप्त बारिश न होने से फसलों की पैदावार कम हो सकती है, जिससे सीधे तौर पर किसानों की आय जिससे देश में महंगाई का दबाव और बढ़ जाएगा। एजेंसी ने यह भी चेतावनी दी कि (हाइड्रोपावर) से बनने वाली बिजली में 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

प्रभावित होगी। कमाई कम होने से गांवों में ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल और रोजमर्रा के सामानों की बिक्री घट जाएगी। अनाज, सब्जियों के दाम बढ़ेंगे पैदावार कम होने से अनाज और सब्जियों के दाम बढ़ सकते हैं, अगर सूखा लंबा खिंचा, तो सरकार को ग्रामीण राहत योजनाओं पर ज्यादा खर्च करना पड़ेगा, बिजली संकट और सरकार की सलाह रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कम बारिश के कारण देश में जलविद्युत इस स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कम बारिश वाले क्षेत्रों के किसानों को सलाह दी है कि वे ऐसी फसलों की बुआई करें जो कम समय में तैयार हो जाएं।

कम बारिश ने बढ़ाई चिंता

देश के कई हिस्सों में देरी से हुई बारिश के कारण फसलों की बुआई पर असर पड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जून के महीने में औसत से 39.8 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी। हालांकि, जुलाई की शुरुआत में पश्चिमी तट पर हुई भारी बारिश से कुल कमी सुधरकर 15.2 प्रतिशत पर आ गई है, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर सूखा जारी रहा तो यह अंतर फिर से बढ़ सकता है।

सस्ती हो जाएंगी महंगी गाड़ियां! सरकार ने ब्रिटेन से एफटीए को लेकर बनाए नियम, 15 जुलाई से लागू हो रहा करार

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन के साथ 15 जुलाई से लागू होने जा रहे फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से भारत में हाई-एंड कारों के शौकीनों का आनंद बढ़ने जा रहा है। इसके तहत ब्रिटेन से आने वाली ऐसी कारों पर 110 प्रतिशत से चरणबद्ध ढंग से घटकर 10 प्रतिशत तक रह जाएगी। करार में कारों के कम ड्यूटी पर आयात के लिए एक कोटा तय किया गया है। अब सरकार ने आयातकों के लिए कोटा आधारित छूट की मंजूरी पाने की प्रक्रिया नोटिफाई कर दी है।

सरकार ने कहा है कि आयातकों को ब्रिटेन से जारी एक प्रमाण पत्र पेश करना होगा कि गाड़ी वहीं बनी है, किसी दूसरे देश की नहीं है। करार के तहत शुरुआती 15 वर्षों में रियायती कस्टम्स ड्यूटी पर परंपरागत इंजनों वाली 3.78 लाख पैसेंजर कारों का आयात होगा। इन पर ड्यूटी घटते घटते पांचवें साल में 10 प्रतिशत हो जाएगी।

कितनी होगी ड्यूटी: साथ ही, 1.37 लाख इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन कारों का आयात भी होगा। इन पर ड्यूटी छूट छठे साल से लागू होगी। पहले साल परंपरागत इंजन वाली 20000 पैसेंजर कारें आयात की जा सकेंगी। इनमें 3000 सीसी से ज्यादा क्षमता की पेट्रोल और 2500 से ज्यादा क्षमता वाली डीजल की 10000 तक गाड़ियां होंगी। इन पर ड्यूटी 30 प्रतिशत होगी।

यूएस को जल्दबाजी में रियायत न दे भारत

इस बीच रिसर्च ने कहा है कि भारत को अमेरिका के साथ जारी व्यापार समझौता वार्ता में

जल्दबाजी में रियायत नहीं देनी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका टैरिफ, रक्षा और रणनीतिक मुद्दे पर अनिश्चितता को मोलभाव के हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे में भारत को बातचीत जारी रखते हुए जरुरत पड़ने पर बदली जा सकने वाली पेशकश करनी चाहिए। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, दवा उद्योग और इंडो-पैसिफिक में उसकी रणनीतिक भूमिका उसे मजबूत स्थिति देती है।

न नौकरी चली, न पहला बिजनेस...फिर भी हार नहीं मानी, आज 75 करोड़ कमाने वाली कॉफी कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के रहने वाले प्रसन्ना वेंकटेश की कहानी काफी संघर्षभरी है। एक समय ऐसा था जब उनके पास कॉलेज की फीस चुकाने तक के पैसे नहीं थे। लेकिन अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर उन्होंने भारत की सबसे तेजी से बढ़ती कॉफी चेन मद्रास कॉफी हाउस खड़ी कर दी, जिसका सालाना कारोबार आज 75 करोड़ रुपये का है। कभी 20 रुपये के लिए साफ किए टेबल और टॉयलेट, फिर छोड़ी 1 करोड़ की नौकरी; आज 350 करोड़ की कंपनी के मालिक

करना पड़ा कड़ा संघर्ष: प्रसन्ना का जन्म मदुरै के एक साधारण परिवार में हुआ था। साल 2004 में उन्होंने कॉलेज में दाखिला तो ले लिया, लेकिन फीस भरना उनके लिए एक बड़ा संघर्ष था। जेब खर्च चलाने के लिए उन्होंने दोस्तों के साथ मिलकर एक छोटी कैंटीन शुरू की, पर वह चल नहीं पाई। इसके बाद उन्होंने 4500 रुपये महीने की नौकरी की और इंश्योरेंस व रियल एस्टेट में भी हाथ आजमाया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

तभी उनकी मुलाकात चेन्नई के एक बड़े रेस्टोरेंट के मालिक एम. कुमारवेलन से हुई। कुमारवेलन ने प्रसन्ना के भीतर बिजनेस करने की तड़प को देखा और उन्हें अपने होटल के पास एक छोटा सा नींबू सोडे (लेमन सोडा) का स्टॉल लगाने का मौका दिया। चेन्नई के एक आउटलेट से शुरू हुआ यह सफर आज 180 आउटलेट्स तक पहुंच चुका है। भारत के साथ-साथ अब मलेशिया और श्रीलंका में भी इसके आउटलेट हैं। यह ब्रांड हर दिन लगभग 50,000 कप कॉफी बेचता है। इसकी शुरुआत सिर्फ 5 कर्मचारियों से हुई थी, लेकिन आज कंपनी में 370 सीधे और 1,000 से ज्यादा फ्रेंचाइजी कर्मचारी काम करते हैं।

6 लाख रुपये से बदला भाग्य

सोडे की दुकान के बाद दोनों ने मिलकर कुछ बड़ा करने की सोची। साल 2010 में दोनों ने 6 लाख रुपये लगाकर चेन्नई के एक मॉल में मद्रास कॉफी हाउस का पहला आउटलेट खोला। इन पैसों में से 2 लाख रुपये प्रसन्ना ने लोन लिया था और 4 लाख रुपये कुमारवेलन ने अपनी बचत से लगाए थे। उस समय दक्षिण भारत में अच्छी फिल्टर कॉफी सिर्फ बड़े और महंगे रेस्टोरेंट में मिलती थी या फिर छोटे ढाबों पर नाश्ते के साथ। प्रसन्ना ने इसी कमी को समझा और लोगों को कम दाम में बेहतरीन प्रीमियम फिल्टर कॉफी देना शुरू किया।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान

सलीमा टेटे समेत 20 खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के दौरान भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कमान संभालेंगी। सलीमा की कप्तानी में ही भारत ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप में अपराजेय रहकर खिताब जीतने के साथ प्रो लीग में वापसी की थी।

भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा ,'हमारे पास ऐसी टीम में जिसमें जूनियर, अनुभवी खिलाड़ियों और सीनियर खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है जो लगातार एक दूसरे के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये प्रयास करते हैं।' पद्मश्री से नवाजी गई सविता और बिछू देवी खारीबम टीम में दो गोलकीपर होंगी। वहीं डिफेंस में सुशीला चाजू, इशिका चौधरी और ज्योति के साथ एफआईएच नेशंस कप के जरिये सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली लालथांटलुआंगी और शिल्पी डबास को मौका दिया गया है।

दीपिका ने की थी नेशंस कप में सर्वाधिक गोल- मिडफील्ड का जिम्मा सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिटा टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग पर रहेगी । फॉरवर्ड पंक्ति में लालरेम्सियामी, रूतुजा पिसाल, नवनीत कौर, बलजीत कौर और नेशंस कप में सर्वाधिक छह गोल करने वाली दीपिका हैं। मारिन ने कहा ,'इस समूह ने साबित कर दिया है कि वे फॉर्म में हैं और फिट भी। हमें यकीन है कि यह टीम एशियाई खेलों की चुनौती के लिये तैयार है।'

नेपाल दौरे पर जाएगी इंडिया ए

दिसंबर में खेली जाएगी 3 मैचों की सीरीजः रिपोर्ट

नई दिल्ली। नेपाल क्रिकेट को आगे बढ़ाने में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) बड़ी भूमिका निभा रहा है। इसी की कवायद में दिसंबर में इंडिया ए की टीम नेपाल का दौरा करने वाली है। 3 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। ये मैच 9,11 और 13 दिसंबर को खेले जाएंगे।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार तीन मैचों की सीरीज को दोनों पड़ोसी देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को मजबूत करने और दोनों तरफ के उभरते खिलाड़ियों को मौका देने की लगातार कोशिशों के तहत तय किया गया है। यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब इस साल की शुरुआत में नेपाल ने टी20 वर्ल्ड कप में जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

3 मैचों की टी20 सीरीज का शेड्यूल

● 9 दिसंबर - पहला ● 11 दिसंबर - दूसरा
● 13 दिसंबर - तीसरा

टी20 वर्ल्ड कप में नेपाल ने किया प्रभावित- टी20 वर्ल्ड कप 2026 में नेपाल की टीम ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई ,लेकिन मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ उलटफेर करने के करीब थी। इंग्लैंड को केवल 4 रनों से जीत मिली थी। उसने आखिरी लीग मैच में स्कॉटलैंड को हराया। इससे पहले नेपाल एशिया कप में भी खेलता दिखा है।

'वैभव को खिलाना भावनात्मक फैसला

संजू को बाहर करना तर्कहीन',भारतीय टीम पर भड़के पार्थिव पटेल

नई दिल्ली। संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका देने को लेकर भारतीय टी20 टीम पर पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है। पार्थिव पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में संजू सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम

से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है। अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।'

वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला- पार्थिव ने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो। आप भावनाओं और तर्क दोनों के आधार पर फैसले नहीं ले सकते। इसलिए वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला था।'

'अब जा रहा है तो नीचे नहीं आना'

भारतीय टीम में प्रभसिमरन सिंह के चयन पर बोले बीमार पिता

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारतीय टीम में प्रभसिमरन सिंह का चयन हुआ है। पंजाब के इस खिलाड़ी को जब चयन की जानकारी मिली तब वह जिम में पसीना बहा रहे थे। वह इस पल की काफी समय से उम्मीद कर रहे थे। भारतीय टीम में चयन की खबर मिलने के प्रभसिमरन सिंह सीधे घर पहुंचे। उन्होंने इसकी जानकारी अपने बीमार पिता सरदार सुरजित सिंह को दी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार प्रभसिमरन सिंह के पिता गंभीर बीमारों से जूझ रहे हैं। रोज डायलिसिस होती है। ठीक न होने के बाद भी वह अपने बेटे का मैच शायद ही कभी नहीं देखते। प्रभसिमरन ने उन्हें जब यह जानकारी दी तो पिता भावुक हो गए।

अब जा रहा है तो नीचे नहीं जाना

प्रभसिमरन ने कहा, 'पापा की तबीयत ऐसी है कि वो खुद से उठ नहीं पाते, लेकिन जब हमने उन्हें यह खबर दी तो वह खुद उठ गए। अगर यह खुशी एक प्रतिशत भी उनके स्वास्थ्य में सुधार ला सकती है तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। वो बस यही बोल रहे थे अब जा रहा है तो नीचे नहीं जाना। और बस एक बात कही और मेहनत करो।'

प्रभसिमरन को संघर्ष के बाद सफलता मिली- आईपीएल के शुरुआती सालों में लगातार मौके मिलने में मुश्किलों का सामना करने के बाद प्रभसिमरन को 2023 में सफलता मिली। उन्होंने 358 रन बनाए, जिसमें उनका पहला आईपीएल शतक भी शामिल था।

सर्वेश कुशारे ने रचा इतिहास

डायमंड लीग में वह कर दिखाया जो नीरज चोपड़ा जैसे दिग्गज भी नहीं कर पाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हाई जंप में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश अनिल कुशारे ने शुक्रवार (10 जुलाई) को मोनाको में डायमंड लीग में तीसरे नंबर पर रहकर इतिहास रचा। वह डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए शीर्ष-3 में रहने वाले पहले भारतीय बने। विश्व के दिग्गज खिलाड़ी ओलेह डोरोशचुक, पूर्व ओलंपिक चैंपियन मुताज बारशिम, वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जान स्टेफेला और जैक किमानी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का मुकाबला करते हुए कुशारे 2.26 मीटर कूदकर किमानी और डोरोशचुक से पीछे रहे।

कुशारे से पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और श्रीशंकर मुरली वह भारतीय हैं,जो डायमंड लीग में टॉप-3 रहे हैं। महाराष्ट्र के 31 साल के कुशारे ने 2.16 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और 2.26 मीटर तक आसानी से पहुंच गए, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में उन्हें मुश्किल हुई और डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए तीसरे स्थान पर रहे।

कुशारे का दूसरा बड़ा टूर्नामेंट

पिछले दो सालों में कुशारे के लिए यह दूसरा बड़ा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह 2025 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। दुनिया में 9वें स्थान पर काबिज इस सीजन में सिर्फ तीन जंपर्स ही सर्वेश के 2.31 मीटर के मार्क को बेहतर कर पाए हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

कुशारे के नाम रिकॉर्ड

हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। सर्वेश कुशारे ने 2018 में तेजस्विन शंकर के बनाए नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 में नेशनल गेम्स में 2.27मीटर की जंप लगाने के तीन साल बाद सर्वेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2.28 मीटर का जंप लगाकर नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

लॉर्ड्स में अर्धशतक लगाकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 58 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। इतना ही नहीं, महिला क्रिकेट में भी यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे। इससे पहले वह इसी मैदान पर वनडे और टी20 इंटरनेशनल में भी अर्धशतक जड़ चुकी थीं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।पुरुष क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने लॉर्ड्स पर टेस्ट और वनडे में अर्धशतक लगाए हैं। युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में भी यहां पचासा लगाया था, लेकिन उन्हें लॉर्ड्स में कभी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। इसलिए वह तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने का यह रिकॉर्ड नहीं बना सके।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा यह मुकाबला लॉर्ड्स में पहला महिला टेस्ट है। ऐसे में हरमनप्रीत कौर इस ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक

स्मृति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज लॉर्ड्स, लंदन में खेली जा रही है। इस मैच में इंग्लैंड के टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने को कहा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन इसके बावजूद टीम की ओपनर स्मृति मंधाना ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अर्धशतक लगाया और एक छक्का व 11 चौकों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुई। भारत ने पहली पारी में अपना पहला विकेट तब गंवा दिया जब टीम का स्कोर सिर्फ 4 रन ही था। टीम की ओपनर शैफाली वर्मा बिना खाता खोले यानी डक पर ही आउट हो गई और उसके ठीक बाद भारत का दूसरा विकेट 37 रन के स्कोर पर गिरा जब यास्तिका भाटिया 12 रन पर आउट हो गई। इसके बाद स्मृति ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया।

यही नहीं उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर टीम के लिए 64 रन की अर्धशतकीय साझेदारी भी की। जेमिमा पहली पारी में 35 रन बनाकर आउट हुई।

अब फ्रांस से होगा महामुकाबला

फाबियन रूइज और मेरिनो के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में स्पेन के लिए फाबियन रूइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से चार्ल्स डी केटेलारे ने एकमात्र गोल दागा। अब सेमीफाइनल में स्पेन का सामना मौजूदा उपविजेता फ्रांस से होगा। यह मुकाबला डलास स्टेडियम में खेला जाएगा।

फाबियन रूइज ने दिलाई शुरुआती बढ़त

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने सभी को चौंकाते हुए पेड्री की जगह फाबियन रूइज को शुरुआती एकादश में मौका दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। मैच के 30वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ ने दानी ओल्मो का पहला शॉट रोक लिया, लेकिन रीबाउंड पर फाबियन रूइज ने शानदार फिनिश करते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद युवा स्टार लामिन यामाल ने भी बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया।

मैच में कौन से रिकॉर्ड बने?

बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन के लगातार 560 मिनट तक गोल नहीं खाने के रिकॉर्ड का अंत किया। इस दौरान सिमोन ने इटली के वाल्टर जेंगा के 1990 विश्व कप में बनाए गए 517 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। स्पेन ने लगातार 36वां मैच बिना हार के पूरा किया। उसने अर्जेंटीना के 2019-2022 के 36 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उससे आगे केवल इटली का 37 मैचों का अपराजित रिकॉर्ड है।

डी केटेलारे ने बेल्जियम की कराई वापसी

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले बेल्जियम ने शानदार जवाब दिया। केविन डी ब्रुने ने शानदार थ्रू पास देकर टिमोथी कास्टान्ये को आगे बढ़ाया। कास्टान्ये के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलारे ने 41वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ।

मेरिनो ने 88वें मिनट में दिलाई जीत

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्णायक पल 88वें मिनट में आया। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ 71वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स ने पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। रीबाउंड पर हाल ही में मैदान में उतरे मिकेल मेरिनो ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया और स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम सीटी तक बेल्जियम बराबरी नहीं कर सका और स्पेन ने जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

घर के मंदिर में एक ही भगवान की दो मूर्तियां रख सकते हैं या नहीं

घर के मंदिर में एक भगवान की दो मूर्ति रखना शुभ या अशुभ? लोग अकसर अपने घर के मंदिर में एक ही भगवान की दो मूर्तियां रखकर उनकी पूजा करते हैं। ज्योतिष शास्त्र में इसे अच्छा नहीं माना जाता है। ऐसे करने से घर-परिवार के लोगों पर मुसीबतों का पहाड़ टूट सकता है। आइए जानते हैं घर के मंदिर में पूजा से जुड़े जरूरी नियम क्या है।घर के मंदिर में लोग देवी-देवताओं की मूर्ति या फोटो रखने को लेकर अकसर दुविधा में रहते हैं। ऐसे में कई बार लोग एक ही भगवान की दो मूर्ति भी घर के मंदिर में रख देते हैं। वास्तु गुरु से जब हमने ये सवाल किया तो उन्होंने बताया कि पूजा स्थल में रखी गई मूर्तियों का विशेष महत्व होता है और इन्हें रखने के कुछ सख्त नियम भी होते हैं। कई लोग एक ही भगवान की अलग-अलग मूर्तियां घर के मंदिर में रख लेते हैं। इस छोटी सी गलती के कारण घर के माहौल पर बुरा असर पड़ता है। आइए जानते हैं घर के मंदिर में एक ही भगवान की दो मूर्तियां रखने को लेकर क्या नियम हैं।

घर के मंदिर में एक ही भगवान की दो मूर्तियां रखने से ऊर्जा का टकराव हो सकता है। एक ही भगवान की दो मूर्तियां आस-पास रखने से घर की सकारात्मक ऊर्जा आपस में टकराती है। जिससे घर के माहौल पर बुरा असर पड़ता है और परिवार के लोगों के बीच झगड़े बढ़ते हैं।

इसके अलावा घर में दो मूर्तियां होने से धन का नुकसान भी होता है और खर्चे बढ़ते हैं। इसके साथ ही घर में एक ही भगवान की दो मूर्तियां रखने से वास्तु दोष भी लगता है। जो आगे चलकर आर्थिक नुकसान का कारण बनता है।

मंदिर में एक भगवान की दो मूर्ति रखने से परिवार के लोगों के बीच गुस्सा और अहंकार बढ़ता है। इसकी वजह से घर की खुशियां और शांति कम होने लगती हैं।

इसके कारण घर रहने वालों के स्वास्थ्य पर भी असर होता है। घर का कोई न कोई सदस्य हमेशा छोटी-मोटी बीमारियों से परेशान रहता है। इसके अलावा घर के लोगों पर धीरे-धीरे कर्ज का बोझ भी बढ़ता है।

नौकरी या व्यापार करने वाले लोगों के लिए भी ये नुकसानदायक माना जाता है। इससे व्यापार में चलते हुए काम अचानक रुक जाते हैं। अगर नौकरी करते हैं तो तरक्की मिलने में बहुत ज्यादा समस्या आती है।

घर के मंदिर में मूर्ति रखने के सही नियम

मंदिर में किसी भी देवी-देवता की केवल एक ही मूर्ति या तस्वीर रखना सबसे उत्तम माना जाता है। इसके अलावा घर के अंदर रखने वाली मूर्ति का आकार हमेशा 3 से 4 इंच छोटा होना चाहिए। अगर कोई मूर्ति टूट जाए या खंडित हो जाए तो उसे घर से हटा कर किसी पेड़ के नीचे या नदी में बहा दें। घर के मंदिर में हमेशा साफ और सीमित मूर्तियों रखने से घर में हमेशा बरकत बनी रहती है।

सूर्यास्त के बाद भूलकर भी न करें इन चीजों का दान, जानें क्यों सरसों का तेल काले तिल रात के समय दान करना शुभ

शास्त्रों में दान पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दान पुण्य का फल तभी मिलता है जब वह सही समय पर किया गया है। शास्त्रों में सूर्यास्त के बाद कुछ चीजों का दान करने से बचना चाहिए। आइए जानते हैं सूर्यास्त के बाद क्या दान करें और क्या नहीं।दान पुण्य के कार्य करने से मन को सुकून और घर परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है हिंदू धर्म में दान का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों में भी दान पुण्य के बारे में बताया गया है कि दान पुण्य करने से व्यक्ति को अनजाने में किए गए पापों से भी मुक्ति मिलती है। लेकिन, कई बार गलत तरीके से किए गए दान के कारण व्यक्ति को तमाम तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार हम गलत समय पर दान कर देते हैं। शास्त्रों के अनुसार, शाम के समय कुछ विशेष चीजों का दान नहीं करना चाहिए। रात के समय किन किन चीजों का दान नहीं करना चाहिए।

किन-किन चीजों का दान करना चाहिए

वैसे तो सूर्यास्त के बाद किसी भी चीज का दान नहीं करना चाहिए। क्योंकि, दान के लिए शास्त्रों में सूर्योदय के बाद का समय बताया गया है। सूर्योदय के दौरान किए गए दान से पुण्य की प्राप्ति होती है। लेकिन, रात के समय सोना, पैसा अन्न आदि का दान करने से बचना चाहिए।

सूर्यास्त के बाद सोने से संबंधित चीज, पैसा और अन्न का

दिन नहीं करना चाहिए। जबकि आप रात के समय शनि से संबंधित चीजें जैसे काले तिल, सरसों तेल, उड़द की दाल और लोहे से संबंधित चीजों का दान कर सकते हैं। ऐसे करने से आपको अपने दान का शुभ फल प्राप्त होगा।

इसके अलावा रात के समय किसी को पैसे उधार देते हैं या दान देते हैं तो आपका शुक्र ग्रह खराब परिणाम दे सकता है। इसके अलावा अन्न जैसे चावल आदि का दान नहीं करना चाहिए क्योंकि, उनका संबंध भी शुक्र ग्रह से होता है। शाम के समय इन चीजों का दान करने से घर से सुख समृद्धि चली जाती है। इसके अलावा शाम के समय हल्दी का दान भी नहीं करना चाहिए ऐसा करने से आपकी कुंडली में गुरु ग्रह खराब परिणाम दे सकता है। साथ ही शाम के समय नमक का दान भी नहीं करना चाहिए। क्योंकि, नमक का संबंध राहु और चंद्रमा दोनों से बताया गया है। शाम के समय नमक का दान करने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

वहीं, शास्त्रों में शाम का समय मां लक्ष्मी का बताया गया है। यानी इस समय मां लक्ष्मी घर में आगमन करती हैं और घर में समृद्धि लेकर आती हैं। इसलिए जब मां लक्ष्मी आपके घर में आएं तो आप किसी चीज का दान न करें। अगर आपको दान करना है तो सूर्योदय का बाद ही करें।

फ्रिज के ऊपर पानी की बोतल सहित न रखें ये 5 चीजें, घर को घेर लेगी नकारात्मकता

फ्रिज सिर्फ घरेलू उपकरण नहीं, बल्कि घर की ऊर्जा से जुड़ा भी माना जाता है। ऐसे में इसके ऊपर रखा सामान घर की ऊर्जा को और वहां रहने वाले लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है। वास्तु के अनुसार कुछ चीजें फ्रिज के ऊपर रखने से बचना चाहिए।घर में फ्रिज के ऊपर सामान रखने की कई लोगों की आदत होती है। कोई दवाइयों का डिब्बा रख देता है तो कोई पुराने बिल, इलेक्ट्रॉनिक सामान या रोजमर्रा की दूसरी चीजें। कभी-कभी तो लोग फ्रिज के ऊपर माइक्रोवेव ओवन या एयर फ्रायर भी रख देते हैं। लेकिन वास्तु के हिसाब से इसे ठीक नहीं माना जाता है। फ्रिज के ऊपर गलत चीजें रखने से घर की सकारात्मक ऊर्जा अवरुद्ध होती है और आर्थिक नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है।

फ्रिज के ऊपर का स्थान हमेशा साफ और खाली होना चाहिए, क्योंकि ये जगह आपके घर के ऊर्जा प्रवाह को प्रभावित करने का काम करती है। फ्रिज के ऊपर रखी गई हर एक चीज़ आपके जीवन और घर की सुख-शांति पर गहरा असर डालती है। तो चलिए वास्तु गुरु मान्या से जानते हैं कि फ्रिज के ऊपर कौन सी चीज भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए।

फ्रिज के ऊपर न रखें ये चीजे

दवाइयां: फ्रिज के ऊपर दवाइयां रखने से उनका असर कम हो जाता है। वास्तु गुरु मन्या के अनुसार, ऐसा करने से घर के सदस्य हमेशा बीमार रहते हैं और मेडिकल खर्च बढ़ते हैं।

कचरा और पुराने बिल: वास्तु गुरु मान्या बताती है कि फ्रिज के ऊपर पुराने बिल, फटी-पुरानी डायरी या कोई भी कचरा नहीं रखना चाहिए। इसे नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है, जिससे घर में कलेश बढ़ता है।

पानी या तरल पदार्थ: वास्तु में फ्रिज के ऊपर पानी की बोतल या कोई भी तरल सामान न रखें की सलाह दी जाती है।ऐसे में अग्नि और जल तत्व का टकराव होने से परिवार के सदस्यों के बीच तनाव बढ़ता है।

भारी सामान: फ्रिज के ऊपर भारी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या भारी सामान रखने से घर के मुखिया पर मानसिक दबाव बढ़ता है। जिससे घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगती है।

आर्टिफिसियल फूल: फ्रिज के ऊपर आर्टिफिसियल फूल-पौधे रखना शुभ नहीं माना जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों के बीच रिश्ते खराब होते हैं और दूरियां बढ़ती हैं।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में यदि पार्टनरशिप में कोई डील फाइनल करेंगे, तो वह आने वाले समय में आपको अवश्य समस्या देगी। आप किसी परिजन के घर जा सकते हैं। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधा दूर होगी और आप अपने घर के रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं, जो विद्यार्थी कहीं बाहर जाकर पढ़ने की सोच रहे थे, तो उन्हें कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा।

वृषभ आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है, लेकिन आप सभी कामों को समय से निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे। आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। भाई व बहनों से आपकी खूब पटेगी और रक्त संबंधी रिश्तो में मजबूती आएगी।

मिथुन आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। संतान के करियर को लेकर कोई डिसीजन आप थोड़ा धैर्य रख कर ले और आपकी बेवजह क्रोध करने की आदत के कारण परिवार के सदस्य भी नाराज रहेंगे। आपको अपनी डाइट पर भी पूरा ध्यान देना होगा, नहीं तो कमजोरी महसूस हो सकती है।

कर्क आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में चल रही समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे, जिसके लिए आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से बातचीत की आवश्यकता होगी। शेयर मार्केट में आप थोड़ा सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करें। आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपको किसी सामाजिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिल सकता है।

सिंह आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा, लेकिन आपके लंबे समय से रुके हुए काम आसानी से पूरे होंगे। आप अपने घर के कामों में भी कोई बदलाव करने की सोचेंगे और रखरखाव पर भी पूरा ध्यान देंगे। आपके परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। सरकारी योजनाओं में धन लगाने से आपको बेहतर लाभ मिलेगा।

कन्या आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप कामों को लेकर योजना तो बनाएंगे, लेकिन आपकी कुछ योजनाओं पर विराम लग सकता है। लेकिन आपको उससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आप अपनी मेहनत जारी रखें। संतान की फरमाइश पर आप उन्हें कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं। आप अपने खर्चों को थोड़ा कंट्रोल करके चले, नहीं तो आने वाले समय में आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

तुला आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपके घर परिवार में यदि किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने घर मे किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी दूसरे की मदद के लिए भी आगे आएंगे। आप दानपुण्य के कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, लेकिन कार्यक्षेत्र में आप किसी से बेवजह न उलझे।

वृश्चिक आज का दिन किसी नई संपत्ति की खरीदारी के लिए रहेगा। आपकी सेहत कमजोर रहेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। किसी पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में आप बड़े सदस्यों से राय अवश्य लें, तभी फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। आप जीवनसाथी के लिए कोई नए बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी को लेकर लॉन्ग ड्राइव पर जाने की योजना बनाएंगे।

धनु आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। किसी नए काम की शुरुआत करना आपके लिए अच्छा रहेगा। दोस्त आपको इन्वेस्टमेंट संबंधित कोई प्लान बता सकते हैं, जिसमें आप थोड़ा सोच समझकर ही धन लगाए। आपको किसी कानूनी मामले में निराशा हाथ लगेगी। आपकी बिजनेस को लेकर कोई रुकी हुई डील फाइनल हो सकती है।

मकर आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। आप इधर-उधर के कामों पर ध्यान थोड़ा कम लगाएंगे। आपको किसी दूसरे के मामले में भी बेवजह बोलने से बचना होगा। आप दिल से काफी खुश रहेंगे, इसलिए आप अच्छा सोचेंगे। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान-सम्मान दिलवाएगी। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से यदि खटपट चल रही थी, तो उसे भी आप दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे।

कुंभ आज का दिन आपके लिए मेहनत व ईमानदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप गलत तरीके से धन कमाने से बचें और आपको संतान के करियर पर पूरा ध्यान देना होगा, उन्हें एक नई राह दिखानी होगी। जीवनसाथी की सेहत में कुछ गिरावट आ सकती है, जिसको लेकर आप लापरवाही बिल्कुल ना करें। आपका कोई दूर रह रहा परिजन आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है। आपके बिजनेस में चांद लगेंगे

मीन आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपका कार्यक्षेत्र मे काम को लेकर आइडिया बॉस को खूब पसंद आएगा और वह आपसे काफी खुश रहेंगे। आपके प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती है। जीवनसाथी आपके कामों में आपका पूरा साथ देगी। आप अपने परिवार के सदस्यों को साथ मिल-बैठकर कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे। आपकी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो आपकी धन संबंधित समस्याओं को दूर करने में काफी मदद करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

बांद्रा वेस्ट के हिल रोड पर एक इमारत में लगी आग, दमकल ने काबू पाया

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के बांद्रा वेस्ट इलाके में हिल रोड स्थित एक कमर्शियल-कम-रेसिडेंशियल बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर शुक्रवार रात 'नेचर्स बास्केट' स्टोर में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया गया। असिस्टेंट डिविजनल फायर ऑफिसर एसके बांडगर ने कहा कि हमें रात 12:30 बजे 'नेचर्स बास्केट' स्टोर में आग लगने की सूचना मिली, जो खास तौर पर ग्राउंड-फ्लोर के स्टोररूम में लगी थी। उन्होंने कहा कि मुंबई फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और पता चला कि आग बेसमेंट के स्टोररूम में लगी थी। हमने होज लाइन का इस्तेमाल करके आग पर काबू पाया... क्योंकि आग बेसमेंट में थी, इसलिए वहां काफी धुआं जमा हो गया था। हमने अंदर जाने के लिए ब्रीदिंग अपरेटस सेट का इस्तेमाल किया और सफलतापूर्वक आग पर काबू पा लिया... किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

10 साल तक सिर्फ कागजों में चलता रहा बीएड कॉलेज, उच्च स्तरीय जांच के आदेश

भोपाल, एजेंसी। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय(बीयू) भोपाल से संबद्ध निजी बीएड कालेजों की मान्यता और संबद्धता को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। विश्वविद्यालय से संबद्ध 127 निजी बीएड कालेजों ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए आवेदन किया था। जांच में 30 कॉलेजों में गंभीर अनियमितताएं मिलीं। औचक निरीक्षण में विदिशा रोड स्थित श्रीराम कालेज ऑफ एजुकेशन का धरातल पर कोई अस्तित्व ही नहीं मिला, जबकि विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड में कालेज दस वर्षों से संबद्ध है। विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने अनियमितताओं की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने का निर्णय लिया है। शामिल किया जाएगा,जिनमें निरीक्षण बिना कालेजों की प्रोफाइल कार्यपरिषद की मंजूरी से पूर्व ही ई-पोर्टल पर ओके कर अपलोड कर दी गई। सामाजिक कार्यकर्ता भगवान सिंह राजपूत ने मार्च में उच्च शिक्षा विभाग व विश्वविद्यालय को शिकायत भेज श्रीराम कालेज की वैधता पर सवाल उठाए थे। एचएल अग्रवाल बीएड कालेज,एचएल अग्रवाल कालेज ऑफ एजुकेशन, इटारसी एक ही पते पर संचालित दर्शाए गए हैं।

कांग्रेस मांग रही बराबरी, मूड में नहीं सपा

अखिलेश ने याद दिलाया 2024 का सबक

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट के बीच 'इंडिया' गठबंधन के अंदरूनी समीकरण उलझते नजर आ रहे हैं। राज्य में अपना कुनबा बढ़ाने में जुटी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) से सीटों के बंटवारे में 'बराबरी और सम्मान' की मांग कर सियासत का नया पेंच फंसा दिया है। कांग्रेस के नए यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम की इस दावेदारी ने गठबंधन में सीट शेयरिंग की उस पुरानी दरार को फिर से उभार दिया है, जो हमेशा से विवाद का विषय रही है। एक तरफ सपा प्रमुख अखिलेश यादव 2024 के लोकसभा चुनाव का हवाला देकर कांग्रेस को 'बड़ा दिल' दिखाने और क्षेत्रीय दलों पर भरोसा जताने की नसीहत दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ कांग्रेस ज्यादा सीटों की अपनी मांग को लेकर आक्रामक है। ऐसे में यह बड़ा सवाल उठने लगा है कि क्या सीटों की यह रस्साकशी और बढ़ती बयानबाजी यूपी में विपक्षी एकता के तिलिस्म को चुनाव से पहले ही बिखेर देगी?

गौतम ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सपा के साथ गठबंधन में सीटों की अपेक्षित संख्या से जुड़े सवाल पर कहा, 'हम बराबरी और सम्मान के साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 'यथोचित सम्मान' देने से ही जीत का माहौल बनता है। गौतम ने कहा, '2024 के लोकसभा चुनाव में हमने ज्यादा सीट जीतीं। क्षेत्रीय दलों में अब उतनी क्षमता नहीं बची कि वे भाजपा से लड़कर उसे हरा सकें। देश में अकेले राहुल गांधी ही भाजपा से लड़ रहे हैं।'

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस इन दिनों यूपी में अपना संगठन मजबूत करने पर पूरा फोकस कर रही है, जिसे सीधे तौर पर ज्यादा सीटों की दावेदारी के रूप में देखा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, सपा विधानसभा चुनाव की तैयारियों में तेजी लाना चाहती है। सपा और अन्य सहयोगी दल कांग्रेस के इस 'धीमे रवैये' और ज्यादा सीटों की मांग से चिंतित हैं। गठबंधन के कुछ

धड़ों में यह चिंता सता रही है कि सीटों को लेकर चल रही यह अंदरूनी बहस मुख्य मुद्दों से ध्यान भटका रही है, जिससे सत्ताधारी बीजेपी को घेरने की रणनीति कमजोर पड़ सकती है। वर्ष 2024 में सपा और कांग्रेस ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के तहत लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था। इस दौरान सपा को राज्य की 37 लोकसभा सीट और कांग्रेस को छह सीट पर जीत मिली थी। वहीं, भाजपा 33 सीट ही जीत सकी थी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने कहा कि अगर गठबंधन के तहत कांग्रेस को 'यथोचित सम्मान' नहीं दिया जाएगा, तो इससे भाजपा को 'फायदा' मिलेगा।

गौतम ने कहा, 'हम लोकतंत्र को कमजोर करने, लोगों के अधिकारों को कुचलने और दलितों, पिछड़ों एवं मुसलमानों के मकानों पर बुलडोजर चलाने वाली भाजपा को किसी भी कीमत पर हराने के लिए दृढ़-संकल्पित हैं और इस संकल्प को पूरा करने के लिए बराबर का सम्मान जरूरी है।' गौतम ने कहा कि उनकी पार्टी 'पूरे दमखम' से उत्तर प्रदेश का आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। हाल ही में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सीटों का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। उन्होंने कांग्रेस से अपील की थी कि वह क्षेत्रीय पार्टियों के प्रति 'बड़ा दिल' दिखाए। सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश ने कांग्रेस से कहा कि वह क्षेत्रीय पार्टियों को उनके अपने गढ़ में प्राथमिकता दे। उन्होंने कांग्रेस से यह भी कहा कि उसे राज्यों में क्षेत्रीय दलों के फैसलों और उनके अनुमान पर भरोसा करना चाहिए।

मौसम का महाअलर्ट: यूपी समेत देश के 20 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी, वज्रपात का भी खतरा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर भारत में मानसून पूरी तरह से अपने पैर पसार चुका है। मौसम विभाग ने आज दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित कुल 20 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। भीषण गर्मी से राहत मिलने के साथ ही आसमानी आफत का खतरा भी बढ़ गया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तर भारत में भारी बारिश और आंधी का सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा, जबकि पूर्वी भारत में भी बारिश-तूफान का कहर बरप सकता है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि दिल्ली यूपी में अभी एक दो और बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। तेज झोंकेदार हवाओं के साथ वर्षा का दौर भी जब तब चल सकता है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहेगा। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम, त्रिपुरा, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश। कुछ इलाकों में बड़े ओले गिरने की भी आशंका जताई गई है।

अगले 24 घंटों के दौरान मौसम की संभावित गतिविधि

अगले 24 घंटे के दौरान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा के कुछ हिस्सों, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश, तटीय कर्नाटक और केरल में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। ओडिशा, कोंकण एवं गोवा, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी राजस्थान, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा के कुछ हिस्सों, उत्तर तमिलनाडु, विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण-गोवा, तटीय कर्नाटक और केरल में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

गंगा की स्वच्छता बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है

नमामि गंगे प्रोजेक्ट हुआ सफल, उत्तरकाशी में अब सीधे गंगा में नहीं गिरेगा गंदा पानी

उत्तरकाशी, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने कहा है कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी में नमामि गंगे योजना के तहत विकसित सीवरेज नेटवर्क गंगा की स्वच्छता बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है।

मिशन के अनुसार, गंगा की शुद्धता उसके उद्गम क्षेत्र से ही सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है, ताकि नदी का स्वच्छ और अविरल प्रवाह निचले इलाकों तक भी बना रहे। उत्तरकाशी में भागीरथी नदी आगे चलकर अलकनंदा से संगम के बाद गंगा का स्वरूप ग्रहण करती है।

एनएमसीजी ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र में नदी को प्रदूषण से बचाना पूरे गंगा बेसिन के लिए महत्वपूर्ण है। यदि भागीरथी का जल स्रोत से ही स्वच्छ रहेगा, तो इसका लाभ ऋषिकेश, हरिद्वार, प्रयागराज और वाराणसी जैसे शहरों तक पहुंचेगा।

मिशन ने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर कहा कि गंगा की सुरक्षा की शुरुआत उसके उद्गम स्थल से ही होनी चाहिए।मिशन के अनुसार, उत्तरकाशी में सीवरेज नेटवर्क का पुनर्निर्माण चुनौतीपूर्ण था। प्राकृतिक आपदाओं से बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त हो चुका था, जबकि पहाड़ी ढलानों, सीमित स्थान और कठोर चट्टानों के कारण निर्माण कार्य भी कठिन था।

इसके बावजूद 2015 में शुरू हुई परियोजना को 2017 में गति दी गई और 2018 में ग्यासू स्थित दो एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उन्नयन पूरा किया गया। करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से दोनों स्वीकृत परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। अब शहर का अपशिष्ट जल शोधन के बाद ही भागीरथी में छोड़ा जा रहा है। एनएमसीजी का कहना है कि स्रोत पर नदी की स्वच्छता सुनिश्चित करना पूरी गंगा की पारिस्थितिकी और जल गुणवत्ता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कोर्ट ने तीन आरोपियों को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

प्रेम प्रसंग और बीमा की रकम के लिए प्रेमिका के पति को मार डाला

उदयपुर, एजेंसी। प्रेम प्रसंग और बीमा की राशि हासिल करने के लालच में एक युवक द्वारा अपनी प्रेमिका के पति कालू की नृशंस हत्या करने के मामले में बांसवाड़ा जिला एवं सत्र न्यायालय ने मुख्य आरोपित को उम्रकैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अभियोजन के अनुसार, राजस्थान के बांसवाड़ा जिले का निवासी का गांव की ही शादीशुदा महिला से प्रेम संबंध था। महिला की बहन को भी इस रिश्ते की जानकारी थी। तीनों ने मिलकर हत्या की साजिश रची। हत्या से पहले अप्रैल और नवंबर 2024 में कालू के नाम पर करीब 50 लाख रुपये का बीमा कराया गया था, ताकि हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देकर बीमा राशि हासिल की जा सके। 25 दिसंबर 2024 को आरोपितों ने कालू को शराब में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया। बेहोशी की हालत में हाईवे पर ले जाकर उसके सिर पर डंडे से हमला किया गया और फिर शव को सड़क पर डालकर उस पर तीन बार कार चढ़ाई गई, ताकि पहचान मिटाई जा सके। हालांकि मृतक के हाथ पर अंग्रेजी में गुदे उसके नाम के टैटू से उसकी पहचान हो गई। पुलिस ने जांच के दौरान प्रेम संबंध और बीमा पालिसियों के आधार पर मामले का राजफाश किया।

राजस्थान में मौत के आठ दिन बाद एएसआइ का स्थानांतरण

जोधपुर रेंज के आइजी की ओर से जारी 39 एएसआइ की स्थानांतरण सूची में एक ऐसा नाम भी शामिल है, जिसकी एक जुलाई को मौत हो चुकी है। बता दें कि बाड़मेर के बाटाडू चौकी प्रभारी रहे एएसआइ अनोपाराम का निधन जोधपुर के अस्पताल में हुआ था, लेकिन नौ जुलाई को उनका स्थानांतरण बालोतरा कर दिया गया। मामला सामने आने के बाद इंटरनेट मीडिया पर लोग अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि अनोपाराम ने पुलिस सेवा की शुरुआत कांस्टेबल के रूप में की थी। बाद में प्रमोशन के बाद वे हेड कांस्टेबल और फिर एएसआइ बने।

दिल्ली-मेरठ रोड की डीपीएसजी रेलवे क्रॉसिंग पर बनेगा अंडरपास

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद में दिल्ली मेरठ रोड स्थित डीपीएसजी रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास बनेगा। जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने शुक्रवार को मौके का निरीक्षण कर वहां जाम की स्थिति देखी। इसके बाद अधिकारियों को अंडरपास बनाने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। अंडरपास के बनने से पांच लाख से अधिक लोगों को फायदा होगा। गाजियाबाद को जाम मुक्त करने की दिशा में जीडीए लगातार प्रयास कर रहा है। इसके तहत शहर के मुख्य जाम पॉइंट डीपीएसजी रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास बनाने की योजना तैयार की जा रही है। रेलवे क्रॉसिंग के एक तरफ राजनगर योजना है, जबकि दूसरी तरफ मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र है। औद्योगिक क्षेत्र में 500 से अधिक इकाइयां संचालित हैं। इन इकाइयों में 50 हजार से अधिक लोग काम करते हैं। साथ ही इस औद्योगिक क्षेत्र में एक बड़ा स्कूल और कॉलेज संचालित है। साथ ही यह दिल्ली मेरठ रोड से जुड़ रही है। इस रेलवे क्रॉसिंग का इस्तेमाल राजनगर की तरफ से मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयों में नौकरी करने के लिए जाने वाले कर्मचारी व श्रमिक करते हैं। साथ ही मेरठ रोड के दूसरे तरफ रहने वाली आबादी भी इस रेलवे क्रॉसिंग का इस्तेमाल आरडीसी व्यावसायिक क्षेत्र, कलेक्ट्रेट और कोर्ट में आने जाने का प्रयोग करती हैं। इस कारण ट्रेन आने के दौरान इस रेलवे क्रॉसिंग के दोनों तरफ कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग जाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए ही यहां अंडरपास बनाने की योजना बनाई जा रही है। जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल को निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने बताया कि रेलवे क्रॉसिंग पर रोजाना यातायात दबाव के कारण लंबे समय तक जाम की स्थिति बनी रहती है। इसके बाद उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को अंडरपास निर्माण के लिए सर्वेक्षण, तकनीकी परीक्षण और डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया। रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास का निर्माण होने से मुख्य रूप से राजनगर, कविनगर, शास्त्री नगर, मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र, आरडीसी समेत आसपास के लोगों को लाभ होगा। मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र में 500 से अधिक इकाइयां संचालित हैं। इनमें काम करने वाले श्रमिक जो डासना, मसूरी आदि क्षेत्रों से आते हैं, वह इसी रेलवे क्रॉसिंग का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, कोर्ट या कलेक्ट्रेट जाने वाले मेरठ रोड स्थित कॉलोनियों के लोग भी इसे रेलवे क्रॉसिंग का प्रयोग करते हैं। ऐसे में यहां अंडरपास लोगों को जाम से राहत देगा।

17 साल के इंफ्लुएंसर ने रचाया निकाह; दुल्हन देख लोग हुए हैरान

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान के 17 वर्षीय सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर रियल अजान ने निकाह कर अपने प्रशंसकों को बड़ा सरप्राइज दिया है। उन्होंने अपने निकाह का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसके बाद यह खबर तेजी से वायरल हो गई। हालांकि उनकी कम उम्र में शादी को लेकर सोशल मीडिया पर बहस भी छिड़ गई है। निकाह के दौरान दूल्हा-दुल्हन ने व्हाइट रंग के आउटफिट पहन रखे थे। अजान सफेद कुर्ता-पायजामा और मैचिंग जैकेट में नजर आए, जबकि दुल्हन ने व्हाइट लहंगा और घूंघट के साथ अपना ब्राइडल लुक पूरा किया। दुल्हन ने टीका, हैवी नेकपीस और चूड़ियों के साथ पारंपरिक श्रृंगार किया था। निकाह और मेहंदी समारोह की तस्वीरों में दोनों कैमरे के सामने रोमांटिक अंदाज में पोज देते दिखाई दिए। कई तस्वीरों में दुल्हन घूंघट में नजर आई। सोशल मीडिया पर दोनों की केमिस्ट्री की खूब तारीफ हो रही है। अजान के फैंस ने उन्हें शादी की शुभकामनाएं दीं और उनकी जोड़ी को क्यूट कपल तथा मेड फॉर ईच अदर बताया। वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने 17 साल की उम्र में शादी करने के फैसले की आलोचना की और कहा कि इतनी कम उम्र में शादी का संदेश युवाओं पर गलत असर डाल सकता है।

वियतनाम में फु क्वोक द्वीप के पास भारतीय पर्यटकों से भरी नाव पलटी, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

हनोई। वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास बड़ा हादसा हो गया है, जहां भारतीय नाविकों से भरी नाव समुद्र में पलट गई है। हनोई में भारतीय दूतावास ने इस दुखद घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि स्थानीय प्रशासन द्वारा हादसे की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। डूबे हुए लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। खोज और बचाव अभियान जारी रहने के बीच भारतीय मिशन ने कंट्रोल रूम बनाए हैं। दूतावास ने कहा कि स्थानीय अधिकारी घटना की पूरी जानकारी जुटा रहे हैं। दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक दुखद घटना में शनिवार को वियतनाम में फु क्वोक द्वीप के पास कई भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक नाव पलट गई है। आपातकालीन स्थिति में पीड़ितों की मदद और जानकारी के लिए हो ची मिन्ह सिटी में भारतीय महावाणिज्य दूतावास और हनोई स्थित दूतावास में 24 घंटे काम करने वाले कंट्रोल रूम स्थापित कर हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए गए हैं। पहले कंट्रोल रूम से इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है- +84 36 281 7930, +84 91 552 37 14 और +84 33 452 0414।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
मोबाइल नम्बर- 9811477204
मोबाइल - 9810229192
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए

सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
बीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए और अन्य आकर्षक उपहार के लिए

बम्पर ड्रा

पहला इनाम

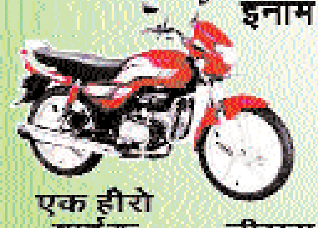

एक हीरो बाईक

दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम

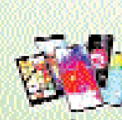

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को छपना छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा